रांची का तापमान
कांके: अधिक. 22.9° न्यून. 09.0°
रांची: अधिक. 25.0° न्यून. 11.0°
रांची, गुरुवार
04 दिसंबर 2025
वर्ष-26, अंक- 299, पृष्ठ-12
मूल्य 2 रु.
मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 14, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com
ईश्वर में हमारा विश्वास
राष्ट्रीय नवीन मेल
सत्यमेव जयते
हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

पश्चिमी सिंहभूम जिले का नोआमुंडी बना झारखंड का पहला प्रखंड

हर दिव्यांग व्यक्ति जुड़ा है सरकारी योजनाओं से

इस परिवर्तन की धुरी है दिव्यांगता समावेशन कार्यक्रम 'सबल'...

नवीन मेल डेस्क

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)। पश्चिमी सिंहभूम जिले का नोआमुंडी प्रखंड राज्य का पहला प्रखंड बन गया है, जहां हर पात्र दिव्यांग व्यक्ति की पहचान कर उनका प्रमाणन किया गया है। साथ ही, उन्हें उपयुक्त सरकारी कल्याण योजनाओं से भी जोड़ा गया है। टाटा स्टील फाउंडेशन का दिव्यांगता समावेशन कार्यक्रम 'सबल' इस परिवर्तन की धुरी बना है। वर्ष 2017 में शुरू हुई यह पहल दिव्यांगता को अधिकार के नजरिए से देखने और प्रणालीगत बदलाव सुनिश्चित करने का प्रयास रही है। 'सबल' ने यह साबित किया है कि यदि व्यवस्था को हर

नागरिक तक पहुंचाने का संकल्प हो, तो ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में भी समावेशन अपनी पूरी प्रभावशीलता के साथ संभव है। अब तक ग्रामीण भारत में अधिकतर दिव्यांग लोग प्रशासनिक ढांचे से परे और सरकारी निगाहों से दूर रहे हैं। जागरूकता, प्रशिक्षण और डाटा सिस्टम की कमी के कारण वे अक्सर योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। नोआमुंडी भी इसी स्थिति से जूझता रहा था। लेकिन, 'सबल' ने इस अदृश्यता को चुनौती दी। आरपीडब्लूयूडी एक्ट 2016 की भावना के अनुरूप कार्यक्रम ने लक्ष्य रखा—'किसी एक को भी पीछे नहीं छोड़ा जाएगा।' इसके तहत रणनीति जमीनी स्तर से लागू हुई। स्थानीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सभी 21 प्रकार की दिव्यांगताओं की पहचान करने का प्रशिक्षण मिला। डिजिटल ऐप की मदद से प्रत्येक लाभुक की वास्तविक समय की जानकारी दर्ज की गई। पंचायतों और सरकारी विभागों को इस प्रक्रिया का सहभागी बनाया गया शेष पेज 11 पर

हेमंत सरकार ने दिव्यांगों के लिए उठाए हैं कई कदम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील हैं। हेमंत सोरेन सरकार ने दिव्यांगों की भलाई के लिए कई कदम उठाए हैं। इसमें दिवयांग छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए एकमुश्त 50,000 रुपए का आर्थिक अनुदान शामिल है। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों से मिलने वाले उपकरण के अलावा अन्य यंत्रों की खरीदारी के लिए पंद्रह हजार रुपए दिए जाते हैं। अन्य योजनाओं से छूटे एकल दिव्यांग व्यक्तियों को स्वरोजगार के लिए भी पचास हजार रुपए का आर्थिक अनुदान है। दिव्यांगों के स्वयं सहायता समूह को एक लाख रुपए का अनुदान मिलता है।

एक नजर

झारखंड का राजभवन अब 'लोक भवन' के नाम से जाना जाएगा

रांची। झारखंड के राजभवन का नाम अब बदलकर अब 'लोक भवन' होगा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के अपर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। नई अधिसूचना के अनुसार अब राजधानी रांची और उप-राजधानी दुमका स्थित राजभवन का नाम आधिकारिक तौर पर 'लोक भवन' होगा। यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। राज्यपाल के आदेश पर अपर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी के हस्ताक्षर से जारी शेष पेज 11 पर

आज रात ज्यादा चमकदार और बड़ा दिखाई देगा पूर्णिमा का चांद

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए 4 दिसंबर (गुरुवार) का दिन खास होने जा रहा है। इस दिन आसमान में इस साल की अंतिम पूर्णिमा का चांद सुपरमून होगा। यह अपेक्षाकृत बड़ा और चमकदार दिखाई देगा। इसे रातभर में आसमान में चमकता हुआ देखा जा सकेगा। नेशनल अवॉर्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि आज चंद्रमा पृथ्वी के नजदीक होगा और इसकी पृथ्वी से दूरी लगभग 3 लाख 57 हजार 218 किमी होगी। इसे कोल्ड मून भी नाम दिया गया है।

मोबाइल फोन में 'संचार साथी' ऐप के प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता समाप्त

नई दिल्ली (आईएएनएस)। केंद्र सरकार ने मोबाइल फोन में 'संचार साथी' ऐप के प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। यह जानकारी संचार मंत्रालय की ओर से बुधवार को दी गई। सरकार की ओर से यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब 'संचार साथी' ऐप के प्री-इंस्टॉलेशन को लेकर विवाद पैदा हो गया है और कई विपक्षी नेताओं और पक्षकारों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे। सरकार ने बयान में कहा कि सभी नागरिकों को साइबर शेष पेज 11 पर

मंत्री की अध्यक्षता में हुई ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद की बैठक

मनरेगा कर्मियों का मानदेय 30 प्रतिशत बढ़ाया जाएगा

नवीन मेल डेस्क

रांची। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में झारखंड राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में मनरेगा कर्मियों के हित, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्रामीण रोजगार सशक्तिकरण पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मनरेगा कर्मियों का मानदेय तत्काल 30 प्रतिशत बढ़ाया जाए, ताकि कार्मिकों की आर्थिक सुरक्षा और कार्य क्षमता को सुदृढ़ किया जा सके।

इस बैठक में राज्यभर में मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही, आने वाले समय में इसके और सशक्त क्रियान्वयन पर रणनीति तय की गई। बैठक में मंत्री ने मनरेगा कर्मियों के लिए ग्रुप इंश्योरेंस, एक्सीडेंट इंश्योरेंस के साथ-साथ लाइफ इंश्योरेंस उपलब्ध कराने के लिए एक अलग प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही, कार्मिकों के ग्रेड पे को लेकर भी विभाग को प्रस्ताव शीघ्र लाने के लिए कहा।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि ग्रामीण जनता को रोजगार का जो अधिकार दिया गया है, उसकी मजबूती और निरंतरता सुनिश्चित करना सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि दीदी बाड़ी योजना के मजबूत होने से ग्रामीण महिलाओं को नई शक्ति मिली है। इसके साथ ही मनरेगा ने राज्य में रिकॉर्ड मैन-डेज निर्माण कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा बिना तैयारियों के लागू की गई तकनीकी प्रणाली के कारण मैटेरियल पेमेंट में हो रही देरी पर भी विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री ने भरोसा जताया कि विभाग

बोलीं ग्रामीण विकास मंत्री

1. जनता के रोजगार के अधिकार को मजबूती प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता

2. दीदी बाड़ी योजना के मजबूत होने से ग्रामीण महिलाओं को मिली है नई शक्ति

केंद्र सरकार के साथ सकारात्मक समन्वय में काम कर रहा है और समस्या का समाधान जल्द मिलेगा। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है, फिर भी कृषि की विशाल संभावनाओं को भी मनरेगा के माध्यम से सशक्त किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राज्य के जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा में मनरेगा एक अत्यंत प्रभावी अधिकार है। बैठक में इस दिशा में भी आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई। बैठक में विभागीय अधिकारी, परिषद के सदस्य और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के प्रति सजग है सरकार

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के प्रति सजग हैं। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप राज्य सरकार ने ग्रामीण रोजगार की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अहम 'नीलांबर-पीतांबर जल समृद्धि योजना' का उद्देश्य वर्षा जल संचयन, जलस्रोतों का जीर्णोद्धार और भूजल स्तर को बढ़ाना है। इस योजना में तालाब, बांध और अन्य जल निकायों का नवीनीकरण किया जाता है। इससे मनरेगा के तहत ग्रामीण रोजगार भी उत्पन्न होते हैं। राज्य की 'दीदी बाड़ी योजना' का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को छोटे बागवानी और खेती से जोड़कर उनकी आय बढ़ाना है। इससे ग्रामीण महिलाओं शेष पेज 11 पर

देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती और परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद लांस नायक अल्बर्ट एक्का की पुण्यतिथि पर बुधवार को राजभवन में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार।

लातेहार पुलिस को मिली बड़ी सफलता

लातेहार में जेजेएमपी के दो एरिया कमांडर सुनील व मुकेश गिरफ्तार

- नवागढ़ का निवासी है दो लाख का इनामी सुनील उरांव
- एरिया कमांडर मुकेश लोहरा मनिका का रहने वाला है

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। लातेहार जिले की पुलिस को नक्सलियों और उग्रवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाकर उग्रवादी संगठन झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के दो उग्रवादियों को नवागढ़ से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादियों में दो लाख का इनामी एरिया कमांडर सुनील उरांव और एरिया कमांडर मुकेश लोहरा शामिल हैं। लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाकर झारखंड जनमुक्ति परिषद के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादियों में दो लाख का इनामी एरिया कमांडर सुनील उरांव लातेहार थाना क्षेत्र के नवागढ़ का रहने वाला है। वहीं, एरिया कमांडर मुकेश लोहरा मनिका का रहने वाला है। दोनों की गिरफ्तारी लातेहार के नवागढ़ से हुई है।

लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शेष पेज 11 पर

बस्तर रेंज में 12 नक्सली ढेर, 3 जवान हुए शहीद

बीजापुर (आईएएनएस)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के बस्तर रेंज में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के विरुद्ध बड़े पैमाने पर निर्णायक अभियान शुरू किया है। बीजापुर-दंतेवाड़ा अंतरजिला सीमा पर स्थित पश्चिम बस्तर डिवीजन क्षेत्र में चल रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच बुधवार की सुबह से मुठभेड़ होती रही। जानकारी के अनुसार, देर शाम तक 12 माओवादी कैडरों के शव बरामद कर लिए गए थे। इस ऑपरेशन में तीन जवानों के शहीद होने की भी खबर है। वहीं, मौके से एसएलआर राइफलें और .303 राइफलें सहित भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार जब्त किए गए हैं।बीजापुर के एसपी डॉ जितेंद्र यादव ने बताया कि सुबह करीब 9:00 बजे से डीआरजी दंतेवाड़ा-बीजापुर शेष पेज 11 पर

हाईकोर्ट ने जेएसएससी-सीजीएल रिजल्ट जारी करने का दिया निर्देश

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (जेएसएससी-सीजीएल) में कथित पेपर लीक की सीबीआई जांच की याचिका झारखंड हाईकोर्ट ने बुधवार को खारिज कर दी। राज्य सरकार, आयोग और याचिकाकर्ताओं की ओर से हुई विस्तृत बहस के बाद मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने 3 नवंबर को सुनवाई पूरी करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए जेएसएससी को परीक्षा का रिजल्ट जारी करने का निर्देश दिया है। शेष पेज 11 पर

- कोर्ट ने खारिज की सीबीआई जांच की याचिका

झारखंड शराब घोटाले की जांच में ईडी की हुई एंट्री

रांची/नई दिल्ली (आईएएनएस)

झारखंड में बहुचर्चित शराब घोटाले की जांच अब केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने भी औपचारिक रूप से शुरू कर दी है। झारखंड सरकार के एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की ओर से दर्ज एफआईआर प्रवर्तन निदेशालय ने टेकओवर करते हुए प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत ईसीआईआर (इंफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट) संख्या 10/2025 दर्ज की है।

प्रवर्तन निदेशालय ने रांची स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में आवेदन देकर इस मामले में एसीबी द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ और उनके बयान दर्ज करने की अनुमति मांगी, जिसे अदालत ने

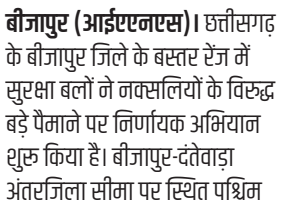

पीएमएलए के तहत दर्ज की प्रारंभिक रिपोर्ट, आरोपियों से पूछताछ की मिली अनुमति

मंजूर कर लिया है। उल्लेखनीय है कि एसीबी ने प्रारंभिक जांच के बाद इसी वर्ष मई में शराब घोटाले की प्राथमिकी दर्ज की थी। इस मामले में कई वरिष्ठ अफसरों सहित 12 से ज्यादा लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। इसके बाद एसीबी ने आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे, सेवानिवृत्त आईएएस अमित प्रकाश शेष पेज 11 पर

हजारीबाग के बरही में सड़क हादसा, 3 की मौत, 6 घायल

- जीटी रोड पर गांगटाही पुल के पास हुई दुर्घटना, डिवाइडर से जा टकराई कार
- पश्चिम बंगाल के कुल्टी से एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे बिहार

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के बरही थाना क्षेत्र में जीटी रोड पर गांगटाही पुल के पास बुधवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इसमें तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में एक महिला, एक पुरुष और एक बच्ची शामिल हैं। घायलों का इलाज हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल (एसबीएमसीएच) में किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, कई घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है।

मृतकों की पहचान पूनम देवी (पति श्रीनाथ यादव), जय भगवान यादव (पिता श्रीनाथ यादव) और अंशिका कुमारी के रूप में हुई है। घायलों में ज्योति कुमारी (24, पति जय भगवान यादव), शुभम यादव (6), अभिराज यादव (10), मृत्युंजय यादव (8), धर्मेंद्र यादव (35 वर्ष, पिता श्रीनाथ यादव) और कौशल्या देवी शामिल हैं। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही बरही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल शेष पेज 11 पर

इंडिया

फिरायालाल चौक वाला अल्बर्ट एक्का अजनबी क्यों ?

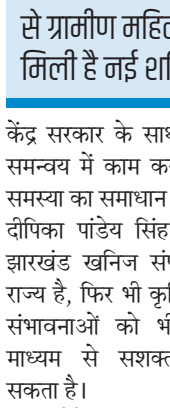

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

मुझे नहीं तो मेरे घरवालों को महापुरुष बनाओ शैली में चौक चौराहों से लेकर सरकारी संपत्ति पर नाम अंकित कराने और उन पर कब्जा करने की होड़ के बीच देश के नाम अदम्य साहस का परिचय देते हुए शहीद होने वाले वीर के नाम से चौराहे का नाम अभी भी क्यों नहीं लिया जाता। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का बाक़ी यही निशां होगा।पर बिना शहीद हुए बिना किसी योगदान के राजनीतिक दबाव में ऐसे लोगों के नाम पर सड़क,फ्लाई ओवर या मूर्तियां यदि कहीं लगें तो युवा पीढ़ी सवाल करती है कि ये महापुरुष कौन थे ? स्थिति यह है कि रांची के मेन रोड को महात्मा गांधी रोड के रूप में कोई नहीं जानता,धुर्वा इलाके में कैलाशपति मिश्र की मूर्ति पर भी कुछ लोगों ने विवाद किया था . इसी तरह झारखंड के प्रायः सभी शहरों में मनमाने ढंग से प्रमुख स्थलों के नामकरण किए गए और अभी भी विभिन्न पार्टियों सहित अनेक प्रभावशाली लोग अपने चेहेतों के नाम सड़क,चौक चौराहों का नामकरण कराने के लिए दबाव बना रहे हैं . कुछ लोग खुद से ही किसी भी चौराहे पर नाम पोत कर इसकी घोषणा कर रहे हैं . नामकरण का अचानक होना इंगित करता है कि इसकी कोई स्पष्ट नीति नहीं बनी हुई है जिससे यह हास्यास्पद स्थिति बनी हुई है या नगर निकायों के नियमों की अनदेखी की जा रही है . 3 दिसंबर 1971 को 20 गोलियां लगने के बाद भी अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने प्राणों की बाजी लगाकर दुश्मन पाकिस्तान के बंकर को नष्ट करनेवाले बिहार झारखंड के एकमात्र परमवीर अलबर्ट एक्का की मूर्ति राजधानी रांची के महात्मा गांधी सड़क के चौराहे पर लगी है पर इस चौराहे को राजनीतिक झंडों से विकृत करने वाले नेताओं, सरकारों और मीडिया ने भी पांच दशकों बाद भी चौराहे को फिरायालाल चौक के रूप में ही याद रखा है,जो शहीदों का अपमान लगता है.इसी प्रकार रिम्स बने दो दशक से अधिक हो गए पर आरएमसीएच का बोर्ड सड़क पर अभी भी मुंह चिढ़ा रहा है .कांके रोड सीएम आवास के पास जस्टिस एलपीएन शाहदेव चौक अभी भी हॉट लिप्स चौक के रूप में याद किया जाता है,महात्मा गांधी रोड की तरह इसपर स्थापित लाला लाजपत राय चौक शायद ही कोई बता सके .सुजाता चौक सभी जानते हैं,महाराजा अग्रसेन चौक अभी भी लालपुर चौक ही है.इन सभी चौक चौराहों को पर्व त्योहारों के समय सरकारी विज्ञापनों में पुराने नामों से ही याद किया जाता है . अलबर्ट एक्का को श्रद्धांजलि देते गुमला के उनके जन्मस्थान जारी को 19 मार्च 2010 को अलबर्ट एक्का प्रखंड बनाया गया जिसके पांच पंचायतों में 60 गांव हैं. 30 हजार 926 आबादी वाले कुछ गांवों में सोलर से

बिजली जलती है. पर ग्रामीण विद्युतीकरण अधिकांश गांवों में बिजली नहीं ठीक से नहीं पहुंचा पाई है. टेन प्लस टू स्कूल में महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षक नहीं. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा जैसे विभाग पूर्व के डुमरी से संचालित हो रही हैं, लोग 70 किमी दूर गुमला या छत्तीसगढ़ के जशपुर में जाकर इलाज कराते हैं. अस्पताल भी अधूरा है. परमवीर चक्र विजेता शहीद अलबर्ट एक्का के नाम से बने गुमला के जारी प्रखंड में अभी भी बहुत सारी कमियां हैं . सबसे घनी जनजातीय आबादी वाला गुमला जिला का यह क्षेत्र परमवीर अल्बर्ट एक्का के नाम पर बहादुर सैनिकों की भर्ती का बड़ा केंद्र हो सकता था और लोगों का प्रेरणा स्रोत भी लेकिन दिखावटी राजनीति और सरकारों की उपेक्षा के कारण सिर्फ सजावटी विकास का प्रतीक बनकर रह गया है अल्बर्ट एक्का प्रखंड.पंजाब को वीर भूमि कहा जाता है और वहां शहीदों को सम्मान देने के लिए मंदिरों, गुरुद्वारों जैसे प्रमुख स्थलों में शहीदों के नाम की पट्टिकाएं लगाई जाती हैं और लोग बहुत श्रद्धा से उन्हें याद करते हैं जबकि झारखंड, बिहार जैसे राज्यों में मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों में अपनी नाम पट्टिका लगाने की होड़ मची रहती है जिसमें नेता सबसे आगे रहते हैं.उसके लिए लड़ाई हो जाती है. जिस समाज में शहीदों का सम्मान न होता हो शहीदों की शहादत को प्रेरणा न माना जाता हो और उनकी विधवाओं या आश्रितों को मिलने वाले मुआवजे या अन्य लाभ के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हो वहां नौकरी की इच्छा करने वाले सैनिक तो शायद बहुत मिल जाएंगे लेकिन अपने प्राणों की बाजी लगाकर देश के लिए अपना बलिदान देने वाला अल्बर्ट एक्का शायद दुर्लभ हो सकता है. यह अलग बात है कि झारखंड भी वीरों की भूमि है और अपने आत्मसम्मान, स्वाभिमान और देश की रक्षा के लिए कुर्बानी देने वालों का बहुत बड़ा इतिहास है लेकिन सवाल समाज, सरकारों और मीडिया से भी जो इन शहीदों के प्रतीकों को आज भी पुराने व्यावसायिक नामों से याद करते हैं और इसीलिए नई पीढ़ी के बच्चे पूछते हैं कौन अल्बर्ट एक्का फिरायालाल चौक वाला?

शीतकालीन सत्र को लेकर स्पीकर ने की बैठक, कहा

समय पर उपलब्ध कराया जाएं सवालों के जवाब

- अफसर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें
- पक्ष- विपक्ष मिलकर इसे सार्थक बनाएं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के सफल संचालन के लिए बुधवार को स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने अफसरों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार सहित कई आला अफसर मौजूद रहे। स्पीकर ने अफसरों को कई कई अहम निर्देश दिए। कहा कि अधिकारियों का उदासीन रवैया स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि "सदन को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की है। मुझे उम्मीद है कि सत्र में जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा होगी।

स्पीकर ने कहा कि सत्र के दौरान अफसर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। किसी तरह की तकनीकी बाधा न आने दें। सदन में रखे जाने वाले विधेयक की पूरी जांच कर लें। विधेयक के हिंदी और अंग्रेजी रूपांतरण में किसी भी तरह की त्रुटि नहीं होनी चाहिए।

संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि शीतकालीन सत्र की अवधि कम है। लेकिन पक्ष- विपक्ष मिलकर इसे सार्थक बनाएंगे तो इसका लाभ जनता को मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई की सत्र के संचालन में विपक्ष का भी पूरा सहयोग मिलेगा।

पक्ष और विपक्ष होंगे आमने-सामने

झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र पांच दिसंबर से शुरू होगा। इसमें कुल पांच कार्य दिवस होंगे। सत्र के दौरान सरकार अपने कार्यों का रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी। वहीं, विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है। सरकार के एक साल पूरे होने पर भाजपा द्वारा जारी आरोप पत्र के आधार पर पार्टी सदन में मुखर होगी। वहीं, कांग्रेस विपक्ष की संभावित रणनीति का मुकाबला करने और विभागीय तैयारियों के आकलन पर जोर देगी। जबकि झामुमो गठबंधन के भीतर समन्वय को मजबूत करने और विपक्षी सवालों के तत्पर व प्रभावी जवाब तैयार करने पर जोर देगी।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर निषेधाज्ञा लागू

रांची। विधानसभा भवन में षष्ठम झारखंड विधानसभा के चतुर्थ (शीतकालीन) सत्र रांची में 05 से 11 दिसंबर तक आहूत है। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी एवं अपर जिला दंडाधिकारी विधि व्यवस्था के संयुक्तादेश में निहित निर्देश के आलोक में विधानसभा परिसर के 750 मीटर के दायरे में किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रदर्शन, घेराव आदि आयोजित नहीं किए जा सकेंगे। इसके मद्देनजर सुरक्षा की दृष्टिकोण से अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर द्वारा बीएनएसएस की धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखंड विधानसभा (नया विधानसभा) परिसर के 750 मीटर के दायरे में (माननीय उच्च न्यायालय झारखंड, रांची को छोड़कर) निषेधाज्ञा जारी की गई है। यह निषेधाज्ञा 05 दिसंबर के सुबह 08 बजे से 11 दिसंबर के रात्रि 10 तक के लिए तक प्रभावी रहेगा।

ईडी केस में सीएम हेमंत को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

नहीं आना होगा एमपी-एमएलए अदालत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक बड़ी राहत देते हुए उन्हें एक मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी। जमीन घोटाले से जुड़ा यह केस ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा दायर किया गया है। उच्च न्यायालय ने यह फैसला सोरेन द्वारा दायर उस याचिका पर सुनाया, जिसमें उन्होंने एमपी-एमएलए कोर्ट के स्पेशल जज द्वारा जारी उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा गया था। केंद्रीय एजेंसी ने सोरेन के खिलाफ शिकायती केस तब दर्ज किया था जब उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी समन के बाद ईडी कार्यालय में पेश होने मना कर दिया था। इसके बाद 25 नवंबर को हाई कोर्ट ने ईडी द्वारा दायर एक मामले में रांची की एमपी-एमएलए अदालत में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पेशी पर लगी रोक हटा दी थी। ईडी दफ्तर में पेश नहीं होने को लेकर शिकायत करने वाले ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर देवराज झा ने अपनी शिकायत में बताया कि सोरेन को कथित जमीन घोटाले में शामिल होने के सिलसिले में एजेंसी के सामने पेश होने के लिए 10 समन जारी किए गए थे। लेकिन सोरेन सिर्फ दो समन के जवाब में पेश हुए थे, जबकि बाकी समन को उन्होंने नजरअंदाज कर दिया।

इसके बाद, ईडी ने साल 2024 में एमपी-एमएलए कोर्ट के स्पेशल जज के सामने एक शिकायत याचिका दायर की। इस शिकायत याचिका की सुनवाई के दौरान, विशेष न्यायाधीश ने सोरेन को रांची स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट के सामने खुद पेश होने का आदेश दे दिया। इसके बाद सोरेन ने एमपी- एमएलए अदालत के इस आदेश को झारखंड हाई कोर्ट में चुनौती दी।

उच्च न्यायालय ने मामले में ईडी को पेश होने के लिए नोटिस जारी किया था और दिसंबर 2024 को सोरेन के एमपी-एमएलए अदालत में पेश होने के आदेश पर रोक लगा दी थी। पिछले साल दिसंबर में हाई कोर्ट के आदेश के कारण, एमपी-एमएलए कोर्ट में सोरेन की पेशी पर रोक लगा दी गई थी। राज्य सरकार ने नवंबर में मामले में पेश होते हुए हाई कोर्ट में सुनवाई टालने की मांग की थी। तब कोर्ट ने सरकार को सुनवाई टालने की अनुमति देते हुए, सोरेन के मामले में पहले दिए गए स्टे ऑर्डर (स्थगन आदेश) को रद्द कर दिया।

जनता महंगाई से परेशान व केंद्र सरकार नाम बदलने में लगी हुई है : लाल किशोर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा राज भवन का नाम 'लोक भवन' करने की पहल पर दिए गए बयान को जनता को भ्रमित करने वाला और हास्यास्पद बताया है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि बाबूलाल मरांडी और भाजपा नाम बदलने की राजनीति करती रही है, जबकि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, और बदहाल अर्थव्यवस्था से त्रस्त है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधान सेवक कहलाते हैं, लेकिन उनके फैसले सेवक की नहीं, बल्कि एक अहंकारी शासक की छवि पेश करते हैं। राजपथ को कर्तव्य पथ और प्रधानमंत्री आवास को लोक कल्याण मार्ग जैसे नाम देने से जमीनी हकीकत नहीं बदल जाती। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने सवाल किया कि क्या नाम बदलने से केंद्र सरकार की उन नीतियों में बदलाव आ जाएगा, जिनसे किसानों, युवाओं और मजदूरों को नुकसान पहुंचा है? अगर लोकतंत्र को मजबूत करना है, तो भाजपा को संस्थाओं को कमजोर करने और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन करना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग जैसे शब्द के उपयोग को लेकर कांग्रेस हमेशा से संवेदनशील रही है, लेकिन नाम बदलने के पीछे की नीयत केवल भावनात्मक राजनीति करना है, न कि वास्तव में उनका जीवन स्तर सुधारना। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र की मजबूती नाम बदलने से नहीं, बल्कि जनहित के कार्यों, पारदर्शिता, और जवाबदेह शासन से होती है। उन्होंने बाबूलाल मरांडी को सलाह दी कि वे नाम बदलने की राजनीति छोड़कर राज्य और देश के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करें।

राज्यपाल से आज मिलेगा आजसू छात्र संघ का प्रतिनिधिमंडल

रांची। आजसू छात्र संघ का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को महामहिम राज्यपाल मुलाकात करेगा और छात्रों की पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति के भुगतान के लिए ज्ञापन सौंपेगा। विदित हो कि लंबित छात्रवृत्ति को मांग को लेकर विगत दिनों 'शिक्षा के लिए भिक्षा : जनाक्रोश मार्च' कर आजसू ने राजभवन के समक्ष उग्र प्रदर्शन किया था, लेकिन राज्यपाल के राज्य से बाहर होने के कारण उन्हें ज्ञापन नहीं दिया जा सका था। आजसू छात्र संघ के अनुरोध पर राजभवन ने छात्र नेताओं को गुरुवार को प्रातः10 बजे मिलने का समय दिया है। आजसू ने कहा है कि राज्य सरकार एसटी, एससी, ओबीसी छात्रों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है और उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है।

तेलंगाना सीएम के हिंदू विरोध पर संजय सेठ ने कहा

कांग्रेस के ताबूत की आखिरी कील बनेगा हिंदू विरोध

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कांग्रेस का हिंदू विरोधी डीएनए एक बार फिर सामने आया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जो कहा है, वह बहुत ही शर्मनाक और हर हिन्दू की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। हिंदू देवी-देवताओं पर इस तरह की ओछी टिप्पणी कांग्रेस की मानसिकता को बताने वाला है। पहले से ही स्पष्ट होता रहा है कि कांग्रेस की मानसिकता विशुद्ध रूप से हिंदू विरोधी है। इन्होंने राम को नहीं माना, इन्होंने रामसेतु को काल्पनिक बताया, इन्होंने हर हिंदू देवी देवताओं का समय-समय पर अपमान किया। हिंदू आतंकवाद की कोरी और काल्पनिक कहानी तैयार की। आज उस कड़ी में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने भी रेवंत रेड्डी ने भी एक बार फिर से उसे सिद्ध करने का काम किया है। उक्त बातें रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने एक बयान में कही।

तेलंगाना सीएम के हिन्दू देवी देवताओं के अपमान पर श्री सेठ ने कहा कि समझ नहीं आता कि आखिर कांग्रेस की मानसिकता क्या है? इन्हें राम का नाम लेने से भी आपत्ति है। इन्हें हिंदू धर्म से आपत्ति है। हिंदू देवी देवताओं से आपत्ति है। यहां तक इन्हें भारत माता की जय बोलने से भी आपत्ति है। इस देश में राजनीति करने वाली, इस देश के नागरिकों से वोट लेने वाली कांग्रेस को अब कोई नैतिक हक नहीं है कि वह भारत की बात करे।

श्री सेठ ने कहा कि कांग्रेस हिंदू विरोधी और देशद्रोहियों का अड्डा बन चुका है, इसलिए इन्हें बार-बार जनता जमीन दिखा रही है। कांग्रेस का यह अहंकार रावण की लंका की तरह इन्हें तहस नहस कर चुका है, लेकिन जलती हुई रस्सी की ऐंठन कम ही नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों को स्मरण रहना चाहिए कि इस देश में हिंदू है, तभी तक यह कांग्रेस और कांग्रेसी भी सुरक्षित हैं। जिन्हें हिंदू, हिंदू देवी-देवताओं और भारत माता से लगाव नहीं है; इन्हें देश की जनता मटियामेट करने का काम करेगी।

देश की जनता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हिंदू देवी देवताओं का अपमान अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी हिंदू देवी देवताओं का अपमान करेगा, उन्हें कदम कदम पर ठोकरें मिलेंगी। इनका यह कदम कांग्रेस ताबूत का आखिरी कील साबित होगा।

नाम के शब्दों से भावनात्मक लगाव बढ़ता है : बाबूलाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज भवन का नाम लोक भवन करने केलिए प्रधानमंत्री मोदी जी का एवं निर्णय को झारखंड में अविलंब लागू करने पर बधाई शुभकामनाएं दी। श्री मरांडी ने कहा कि मोदी सरकार ने सत्ता को शासक बोध से हटाकर लोक सेवा के रूप में स्थापित करने की लगातार पहल की है। कहा कि चाहे मंत्री गण, वरीय पदाधिकारियों के गाड़ियों से लाल पीली बत्ती हटाने का निर्णय हो या फिर राज पथ को कर्तव्य पथ बनाना, प्रधानमंत्री आवास को लोक कल्याण मार्ग, केंद्रीय सचिवालय को कर्तव्य भवन, राजभवन को लोक भवन और पीएमओ को सेवा तीर्थ के रूप में नामांकित करना जैसे निर्णय लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने खुद को प्रधानमंत्री की जगह प्रधान सेवक कहलाना तय किया है। कहा कि इतना ही नहीं विकलांग शब्द को हटाकर दिव्यांग कहना यह बताता है कि प्रधानमंत्री जी भारत के एक एक नागरिक की भावनाओं के कितने करीब हैं।

- पीएम ने सरकारी तंत्र और भवनों को जनता से जोड़ने के लिए किया पहल

श्री मरांडी ने कहा कि ये शब्दों का परिवर्तन मात्र नहीं बल्कि मोदी सरकार की नीति और नीयत को दर्शाता है।

नई श्रम संहिता : बीड़ी व सिगार श्रमिकों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित हो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नई श्रम संहिताओं—वेतन संहिता 2019, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य-परिस्थितियां) संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, और सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020—के लागू होने से बीड़ी और सिगार श्रमिकों को अब बेहतर वेतन सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा लाभ और कार्यस्थल पर अधिक सुरक्षा प्राप्त होगी। ये सुधार इस क्षेत्र में औपचारिकता और पारदर्शिता बढ़ाकर श्रमिकों की आजीविका को स्थिरता और सम्मान प्रदान करते हैं।

पुराने ढांचे से सुधार की ओर : 1966 के बीड़ी और सिगार वर्कर्स (रोज़गार की शर्तें) एक्ट में श्रमिकों को सीमित सुरक्षा मिलती थी। 9 घंटे तक का कार्यदिवस और 240 दिन काम करने पर वार्षिक अवकाश का प्रावधान था, परंतु चिकित्सा जांच या स्वास्थ्य सुरक्षा का अभाव था। ओएसएचडब्ल्यूसी संहिता 2020 ने इन कमियों को दूर किया है—कार्य दिवस 8 घंटे तय किया गया है और 180 दिन कार्य करने पर वेतन सहित वार्षिक अवकाश का अधिकार मिलेगा। साथ ही, हर कर्मचारी को वार्षिक मुफ्त स्वास्थ्य जांच का प्रावधान किया गया है।

नई श्रम संहिताएं बीड़ी और सिगार श्रमिकों को बेहतर वेतन, स्वास्थ्य सुरक्षा, सामाजिक संरक्षण और सम्मानजनक कार्य वातावरण प्रदान करती हैं। ये सुधार लिंग समानता, औपचारिकता और श्रमिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इनसे यह सुनिश्चित होगा कि हर बीड़ी और सिगार श्रमिक को सुरक्षित, स्थायी और गरिमापूर्ण जीवन का अवसर मिले।

रांची नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम की हुई समीक्षा बैठक

नवीन मेल संवाददाता

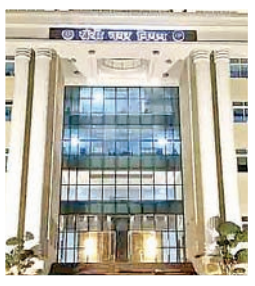

रांची। रांची नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम शहर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण-मुक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में आज उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में शहर में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान और स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए कई जरूरी निर्देश दिए गए।

हरमू-विद्यानगर मार्ग में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान : हाईकोर्ट के निर्देश पर रांची नगर निगम की टीम ने आज हरमू–विद्यानगर रोड और हरमू नदी के किनारे विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क और फुटपाथ पर लगी अवैध दुकानें हटाई गईं। लगभग 50 से ज्यादा अस्थायी ढांचे, शेड और बांस-बल्ली भी हटाए गए। नगर निगम ने साफ कहा कि सार्वजनिक सड़क, फुटपाथ और पानी के स्रोतों के आस-पास अतिक्रमण कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमणकारियों को चेतावनी भी दी गई कि दोबारा दुकान लगाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शीतकालीन सत्र में लंबित बिलों को पारित कराए सरकार : विजय शंकर नायक

रांची। आदिवासी–मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कहा कि 5 दिसंबर से प्रारंभ होने वाला शीतकालीन सत्र केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि झारखंड की पहचान, अधिकार और भविष्य की निर्णायक परीक्षा है। उन्होंने मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष को भेजे पत्र में कहा कि वर्षों से लंबित झारखंडी हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयकों और नीतियों पर अब तत्काल कार्रवाई अनिवार्य है, क्योंकि "अब देरी, अन्याय के समान है। नायक ने कहा कि "यह सत्र झारखंड के अस्तित्व की लड़ाई है। इतने वर्षों से लंबित मुद्दों पर अब और प्रतीक्षा झारखंडी जनता के अधिकारों पर प्रहार है। सरकार और सदन को इस बार इतिहास रचना होगा।" उन्होंने 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति/नियोजन नीति को झारखंडी युवाओं की पहचान, रोजगार और सामाजिक न्याय से जुड़ा सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए कहा कि इसे पुनः विधानसभा से पारित कर केंद्र के समक्ष मजबूत रूप में रखा जाना नितांत आवश्यक है। नायक ने कहा कि न्यायालयों और सरकारी संस्थानों में झारखंडी भाषाओं को आधिकारिक दर्जा देने पर तत्काल निर्णय होना चाहिए, ताकि स्थानीय जनता को प्रशासन और न्याय तक सहज पहुंच मिल सके। उन्होंने भूमि संबंधी विवादों, दलाली और अवैध ट्रांसफर रोकने के लिए शक्तिशाली झारखंड भूमि सुधार आयोग के गठन की भी जोरदार मांग की।साथ ही कहा कि सरना धर्म कोड को पुनः विधानसभा से पारित कर केंद्र को भेजना अत्यंत जरूरी है, ताकि आदिवासी समुदाय को जनगणना में उनका पृथक धर्म कोड मिल सके।

चर्चा पुलिस-व्यवसायी समन्वय समिति की बैठक, चैंबर अध्यक्ष ने कहा

प्रदेश के सभी जिलों को व्यापार के अनुकूल बनाया जाए

नवीन मेल संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा पुलिस–व्यवसायी समन्वय समिति की बैठक बुधवार को डेली मार्केट थाना में हुई। बैठक में थाना प्रभारी रवि कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर (यातायात) पवन कुमार सहित थाना क्षेत्र के बड़ी संख्या में व्यवसायी उपस्थित थे। बैठक का उद्देश्य पुलिस और व्यवसायी वर्ग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा क्षेत्र की विधि-व्यवस्था से संबंधित समस्याओं एवं सुझावों पर विस्तृत चर्चा करना था।

बैठक में मेन रोड की विभिन्न गलियों में ठेले-खोमचों एवं ई-रिक्शा के कारण उत्पन्न जाम की समस्या पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बताया गया कि नगर निगम और यातायात पुलिस द्वारा मेन रोड में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान ठेले-खोमचे गलियों में शिफ्ट हो जाते हैं जिससे इन क्षेत्रों के मुहानों पर लगातार जाम की स्थिति बनती है। व्यापारियों ने दुकानों के गेट पर वेंडर्स की भीड़ से व्यापार प्रभावित होने तथा रात के समय नशेड़ियों के जमावड़े से उत्पन्न कठिनाइयों से भी अवगत कराया। चर्चा के क्रम में यह महसूस किया गया कि नगर निगम और पुलिस के बीच समन्वय के अभाव में समस्या और अधिक बढ़ी है। चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने सड़कों पर व्यापारिक गतिविधियों के कारण शहर की छवि पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इस विषय पर नगर प्रशासक से शीघ्र वार्ता की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य है कि रांची सहित प्रदेश के सभी जिलों के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों को सुरक्षित, व्यवस्थित और व्यापार-अनुकूल बनाया जाए ताकि शहर और जिलों की सकारात्मक छवि और मजबूत हो। बैठक में कार्यकारिणी सदस्य अनीश बुधिया, पूर्व महासचिव प्रदीप जैन, सदस्य पूनम आनंद, प्रेम मित्तल और बिनोद टेकरीवाल ने भी अपने विचार साझा किये। लॉ एंड ऑर्डर उप समिति के चेयरमैन मुकेश अग्रवाल ने कहा कि मेन रोड और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम, अतिक्रमण और असामाजिक तत्वों की समस्याएं व्यापारियों और आम नागरिकों दोनों के लिए चुनौती बनी हुई हैं। इन मुद्दों के समाधान के लिए पुलिस, नगर निगम और व्यवसायी समाज तीनों का बेहतर तालमेल आवश्यक है। मौके पर चैम्बर के कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, सदस्य मुकेश पांडेय, शशांक भरद्वाज, राजीव चौधरी, लक्ष्मण कुमार, नितेश गुप्ता, चंद्र प्रकाश जैन, राकेश बुधिया, राजेंद्र प्रसाद, एसपीसिंह, इस्लाम साजिद, मो अख्तर, असफाक अहमद, मो शमीम, मो ताकीद, मो नसीम, साजिद उमर, मो फिरोज के अलावा मेन रोड व्यवसायी संघ, डेली मार्केट दुकानदार संघ और थाना क्षेत्र के काफी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

राजद-कांग्रेस को छोड़े झामुमो, तभी झारखंड का भला : प्रवीण प्रभाकर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कहा है कि बिहार चुनाव में राजद–कांग्रेस ने झामुमो को अपमानित किया था। झामुमो में जरा भी आत्मसम्मान है तो उसे अविलंब राजद–कांग्रेस से नाता तोड़ लेना चाहिए। पहले भी राजद–कांग्रेस का चरित्र झारखंड विरोधी रहा है। इसलिए झामुमो जितनी जल्दी राजद–कांग्रेस से पीछा छुड़ा लेगी उतना ही झारखंड का भला होगा।

श्री प्रभाकर ने मेदिनीनगर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत कहा कि झामुमो जब तक राजद–कांग्रेस के साथ रहेगा तब तक राज्य का विकास मुश्किल है। हेमंत सरकार में कोई रोडमैप नहीं दिखता। राज्य में वित्तीय संकट बढ़ता जा रहा है। विकास कार्य पूर्णतः ठप है। दो वर्ष से एसटी, एससी, ओबीसी छात्रों को पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है, जिसके लिए आजसू ने राजभवन का घेराव किया था। हेमंत सरकार युवाओं को न तो रोजगार दे रही है और न बेरोजगारी भत्ता। श्री प्रभाकर ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति भी ठीक नहीं। पूर्व डीजीपी पर गैंगस्टर से संबंध का आरोप लगा है। रोज हत्याएं हो रही हैं।

श्री प्रभाकर ने कहा की मंडल डैम का कार्य पूर्ण हुए बिना पलामू प्रमंडल के जल संकट का स्थाई निदान सम्भव नहीं है। मंडल डैम का कार्य पूर्ण होने से पुरे पलामू प्रमंडल का जल स्तर, पेय जल संकट, पर्यावरण संतुलन एवं पर्यटको के आवागमन से रोजगार की संभावना विकसित होगी।

प्रेस वार्ता में केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान समेत केंद्रीय सचिव विकेश शुक्ला, विजय मेहता, बबलू गुप्ता, चंद्रशेखर सिंह छोटू, जिला कार्यकारी अध्यक्ष तुलसी शुक्ला, सतीश तिवारी आदि उपस्थित रहे।

झारखंड आंदोलनकारियों के बीच प्रमाण-पत्र का किया गया वितरण

रांची जिले में तीन हजार से अधिक आंदोलनकारियों को मिला प्रमाण-पत्र

नवीन मेल संवाददाता। रांची

- मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी राकेश रंजन ने विशिष्ट आंदोलनकारियों को प्रमाण-पत्र सौंपे।
- राज्य सरकार की ओर से आंदोलनकारियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार बुधवार को गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने झारखंड आंदोलनकारियों के बीच प्रमाण-पत्र का वितरण किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में तीन हजार से अधिक अधिसूचित झारखंड आंदोलनकारियों को प्रमाण-पत्र दिया गया। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने सांकेतिक रूप से विशिष्ट आंदोलनकारियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए राज्य सरकार की ओर से सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक झारखंड आंदोलनकारी हमारे राज्य निर्माण की आधारशिला हैं। उनकी भूमिका को सदैव सम्मानपूर्वक याद किया जाएगा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन आंदोलनकारियों के सामाजिक सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आगे कहा कि आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान ही झारखण्ड राज्य के निर्माण का आधार हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आंदोलनकारी आगे भी जिला एवं राज्य के सर्वांगीण विकास में सकारात्मक भूमिका निभाते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, नजारत उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार, तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीसी व एसपी ने डॉ राजेंद्र प्रसाद को दी श्रद्धांजलि

रांची। देश के प्रथम राष्ट्रपति और स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती पर बधवार को रांची में श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने राजेंद्र चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने इस मौके पर कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख सेनानी और संविधान सभा के महत्वपूर्ण सदस्य थे। वे देश के पहले राष्ट्रपति बने और अपनी सादगी, ईमानदारी और सेवा भावना से सभी के लिए प्रेरणा स्रोत रहे। उन्होंने कहा कि डॉ. प्रसाद का जीवन संदेश देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। वहीं, एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित कर दिया। उनका त्याग, विचार और योगदान हमेशा राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा।

अल्बर्ट एक्का का बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा : डीसी

रांची। परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का की पुण्यतिथि पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री तथा वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने रांची की हृदयस्थली अल्बर्ट एक्का चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प गुच्छ अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का का सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने 1971 के युद्ध में अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और वीरता का परिचय देकर देश की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उनका बलिदान युवाओं और देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। अल्बर्ट एक्का की वीर गाथा को याद करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए उनका योगदान अमिट है तथा देश उनकी बहादुरी को सदा सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्मरण करता रहेगा।

- डीसी व एसएसपी ने अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर पुष्प गुच्छ अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

सीसीएल में नए लेबर कोड पर दो दिवसीय जागरूकता सत्र आयोजित

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नए लेबर कोड के व्यापक प्रसार और संगठन में उनके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ने 21 नवंबर 2025 से लागू नए लेबर कोड पर दो-दिवसीय जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 3 दिसंबर को एमटीसी, एचआरडी में प्रारंभ और 4 दिसंबर तक जारी रहेगा। सत्र का शुभारंभ महाप्रबंधक (एचआरडी) एमएफ हक के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने मुख्य वक्ता डॉ ओंकार शर्मा, निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र तथा सभी प्रतिभागियों का अभिनंदन किया और कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं। मौके पर एचएन मिश्र, निदेशक (एचआर) ने कहा कि नए लेबर कोड्स देश की श्रम व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और कर्मचारी–हितैषी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होंगे। उन्होंने डॉ. शर्मा के योगदान की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि श्रम संहिताओं की ड्राफ्ट समिति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिससे कर्मियों को प्रावधानों को प्रामाणिक स्रोत से समझने का अवसर मिलेगा । मुख्य सत्र में डॉ. ओंकार शर्मा ने चारों श्रम संहिताओं को सरल समाचार शैली में, व्यावहारिक उदाहरणों और आसान भाषा में समझाया, ताकि कर्मी उनके कानूनी और प्रक्रियागत पक्ष को सहजता से आत्मसात कर सकें। उनका व्याख्यान संवादात्मक, तथ्य-प्रधान और रोचक रहा, जिसमें प्रतिभागियों नें सराहा। कार्यक्रम में कुल 120 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही, जिनमें मुख्यालय के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष, सभी एसओ (एचआर), क्षेत्रों एवं मुख्यालय के मानव संसाधन अधिकारी शामिल रहे। प्रतिभागियों ने सत्र को ज्ञानवर्धक और कार्य-प्रणाली में तात्कालिक उपयोग के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रशिक्षण के बाद वे नए श्रम कानूनों की भावना और अनुपालन प्रक्रिया को बेहतर तरीके से लागू कर पाएंगे। कार्यक्रम के पहले दिन का समापन प्रश्नोत्तर और अनुभव साझा सत्र के साथ हुआ, जहां अधिकारियों ने वक्ता की सरल, तर्कसंगत और व्यावहारिक प्रस्तुति की मुक्त कंठ से सराहना की।

डीएवी हेहल के विद्यार्थियों ने किया चैरिटी का भ्रमण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल के प्राथमिक विंग ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक सामाजिक पहल के तहत कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों को 'क्षितिश डेफ एंड डम्ब मिडिल स्कूल एवं आदिम जाति सेवा मंडल, निवारणपुर का शैक्षिक-चैरिटी भ्रमण कराया गया। कुल 50 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों तथा वंचित समुदाय से जुड़े विद्यार्थियों के साथ समय बिताया तथा संवाद स्थापित कर उन्हें उपहार प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य विपिन राय के मार्गदर्शन तथा प्राथमिक शाखा की प्रभारी अनुपमा रानी,माध्यमिक शाखा की प्रभारी अजंता कुमारी तथा शिक्षक एसएम अजीम, शीला रमेश, मुक्ति सरकार के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह पहल भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती पर आयोजित की गई, जिससे कार्यक्रम को विशेष महत्व प्राप्त हुआ। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में सहानुभूति, करुणा, सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिता जैसे मूलभूत मानवीय मूल्यों को विकसित करना था। इस चैरिटी कार्यक्रम के लिए आवश्यक धनराशि विद्यालय में आयोजित दीवाली मेले के माध्यम से एकत्र की गई, जिसमें प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा तैयार हस्तशिल्प व उत्सवी वस्तुओं को अभिभावकों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक खरीदा था। विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में सामाजिक संवेदनशीलता का विकास करती हैं और उन्हें समाज के प्रति जागरूक बनाती हैं।

शोध की दिशा तय करते हैं दार्शनिक प्रतिमान: प्रो. बेहुरा

रांची। केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड (सीयूजे) में शोध प्रविधि पर पर आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में बुधवार को के आईआईटी–आईएसएम धनबाद के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के प्राध्यापक प्रो अजीत कुमार बेहुरा ने-शोध के दार्शनिक प्रतिमान, पर विषय पर विस्तार से चर्चा की और समझाया कि पूर्व-प्रत्यक्षवाद, प्रत्यक्षवाद और उत्तर-प्रत्यक्षवाद, जैसे दृष्टिकोण शोध की दिशा, उसकी मान्यताओं और वैचारिक आधार को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। प्रतिमानों के बदलाव को स्पष्ट करते हुए उन्होंने लॉर्ड और गॉड के अर्थों में अंतर का उदाहरण देकर बताया कि संदर्भ बदलने पर शब्दों के मायने भी बदल जाते हैं। कहा कि लॉर्ड राजतंत्र में सर्वोच्च मानव शासक को दर्शाता है, जबकि गॉड सर्वोच्च दैविक और अधिभौतिक सत्ता का प्रतीक है। प्रो बेहुरा ने यह भी उल्लेख किया कि किसी समुदाय में सत्य अक्सर उस स्रोत की प्रामाणिकता पर निर्भर करता है जिससे ज्ञान प्राप्त होता है। द्वितीय सत्र में उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि शोध मूल्य-निर्पेक्ष होना चाहिए, क्योंकि मूल्य, शोध को पक्षपातपूर्ण कर सकते हैं। इसलिए निष्कर्षों को निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ रूप से प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

आदिवासी छात्रसंघ ने कुड़ुख विभागाध्यक्ष पर की कार्रवाई की मांग

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आदिवासी छात्र संघ का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को रांची विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ गुरुचरण साहू से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने स्नातकोत्तर कुड़ुख विभाग के विभागाध्यक्ष बंदे खलखो पर विभागीय अधिकारों के दुरुपयोग, अनियमित पत्र निर्गमन के आरोप लगाए और उनके उच्च शिक्षा निदेशालय की आधिकारिक बैठक में अनधिकृत प्रवेश किए जाने के संबंध में शिकायत की। प्रतिनिधिमंडल ने रजिस्ट्रार को इस संबंध में ज्ञापन भी सौंपा। मांग की गई कि कुड़ुख विभाग में व्याप्त अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, बंदे खलखो की ओर से- यूनिवर्सिटी कुड़ुख विभाग, के नाम से पत्र जारी करने की घटना की भी जांच कराने और इसे तत्काल रोकने की मांग की गई। यह मुद्दा भी उठाया गयाकि उच्च शिक्षा निदेशालय की बैठक में बंदे खलखो के बिना अनुमति प्रवेश को अत्यंत गंभीर मानते हुए तत्काल निलंबन की कार्रवाई की जाए। विभाग में अनुशासन, पारदर्शिता व शैक्षणिक गरिमा सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि कुड़ुख विभाग के कुछ शिक्षक व शोधार्थी तोरोंग सिकि लिपि का अनुचित विरोध कर रहे हैं, जो कुड़ुख भाषा, संस्कृति और अकादमिक विकास के हित में नहीं है। मांग की गई कि तोरोंग सिकि लिपि का विरोध करनेवालों के प्रति कठोर रुख अपनाया जाएगा। रजिस्ट्रार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि तोरोंग सिकि लिपि की पढ़ाई विश्वविद्यालय में अतिशीघ्र शुरू होगी। इस लिपि पर कार्यशालाएं, संगोष्ठी और प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय स्तर पर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, यह आश्वासन भी दिया कि बंदे खलखो से जुड़े प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी पाए जाने पर विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने राजेंद्र प्रसाद को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता। रांची

देश के प्रथम राष्ट्रपति देश रत्न डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन करते हुए अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रांची जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा ने कहां की डॉ राजेंद्र प्रसाद की जीवनी ही हम सब के लिए अनुकरणीय है। देश के सर्वोच्च पद पर आसीन रहते हुए भी सादगी और त्याग से लोकतंत्र की हिफाजत करते हुए आजादी के उद्देश्यों को जन जीवन में समाहित करने का आजीवन प्रयास किया। पद और प्रतिष्ठा से ऊपर उठ कर सदा ही राष्ट्र को सर्वोच्च माना और राष्ट्रीय जीवन में आम जीवन की सहभागिता को संविधान के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया। राष्ट्र सदा उनका भी नहीं रहेगा श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में प्रदेश अध्यक्ष प्रणय कुमार, सरकारी अध्यक्ष प्रेम कुमार सिन्हा, किशोर सिन्हा, नवनीत आनंद, सुरभी सिन्हा जिला अध्यक्ष महिला रांची आदि शामिल थे।

आज / कल

आश्रम में सेवा की भावना प्रेरणादायी समाज को बनाते हैं मजबूत: गोपाल शर्मा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झारखंड प्रांतीय प्रचारक गोपाल शर्मा तथा समाजसेवी एवं व्यवसायी पंकज पोद्दार ने पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर एवं सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम का भ्रमण किया। उनके आगमन पर मंदिर परिसर में हार्दिक स्वागत किया गया। मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद पांडे ने दोनों अतिथियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने मंदिर परिसर की भव्यता आध्यात्मिक शांति और सुव्यवस्थित व्यवस्था की सराहना की। अतिथियों ने गर्भगृह में दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के क्रम में गोपाल शर्मा एवं पंकज पोद्दार सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने आश्रम में रह रहे दिव्यांग एवं निराश्रित जनों से मिलकर उनका हालचाल जाना। अतिथियों ने आश्रम द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं-निःशुल्क भोजन, आवास, उपचार, देखभाल एवं पुनर्वास प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यहां सेवा की जो भावना दिखाई देती है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने ट्रस्ट सदस्यों एवं सेवकों के समर्पण को विशेष रूप से प्रशंसनीय बताया।

श्री धोली सती दादी जी का महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

मंगल पाठ एवं भजन संध्या मे खूब झूमे दादी भक्त

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सर्राफ भवन, काली मंदिर रोड डोरंडा रांची स्थित मनोज सर्राफ के आवास पर श्री धोली सती दादी जी का महोत्सव अत्यंत शानदार और श्रद्धा-भाव से संपन्न हुआ। पूरा परिसर दादी जी के जयकारों, भजनों और दिव्य आस्था से सराबोर रहा। भक्तों की बड़ी उपस्थिति के बीच महोत्सव भक्ति तथा संस्कृति की अनूठी छटा प्रस्तुत करता रहा। कार्यक्रम की शुभारंभ मनोज सर्राफ ने अपनी धर्मपत्नी उर्मिला सर्राफ के साथ विधिवत पूजा-अर्चना, वैदिक मंत्रोच्चार, अखंड ज्योत प्रज्वलन एवं भोग अर्पण कर की। दंपति ने दादी जी से परिवार, समाज तथा राष्ट्र की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। महोत्सव के मुख्य आकर्षणों में दादी जी का भव्य, नयनाभिराम एवं अलौकिक श्रृंगार विशेष रहा। लाल-पीलें आभूषणों, चमचमाते परिधानों, पुष्पमालाओं और रजत कलशों से सजी दादी जी की प्रतिमा दर्शनीय थी। भक्तों ने दर्शन कर आत्मिक शांति का अनुभव किया। श्रृंगार के उपरांत प्रसाद महाभोग का आयोजन किया गया, जिसमें छप्पन भोग, फल, मेवे, मिठाइयां एवं पारंपरिक व्यंजन अर्पित किए गए। अखंड ज्योत पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रज्ज्वलित रही, जिसे शुभता और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा मंगल पाठ व भजन-कीर्तन, जिसमें श्री धोली सती दादी महिला समिति की सदस्यों- शशि सर्राफ, शारदा पोद्दार एवं सविता सर्राफ- ने अपनी मधुर वाणी से आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक भव्य बना दिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और वरिष्ठजन शामिल हुए। सभी ने दादी जी से प्रार्थना की कि वह परिवारों में शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीष बनाए रखें। महोत्सव के अंत में भक्तों के बीच महाप्रसाद वितरित किया गया। मनोज सर्राफ परिवार ने आगंतुकों का आभार जताते हुए कहा कि दादी जी की कृपा से आगे भी भक्ति, एकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश देता रहेगा। इस अवसर पर- राम नारायण सर्राफ, गीता देवी सर्राफ, उर्मिला सर्राफ, शशि सर्राफ, मंजू सर्राफ, मधु सर्राफ, कान्ता सर्राफ, अनुराधा सर्राफ, करुणा बागला, संचिता सर्राफ, सुनीता सर्राफ, सविता सर्राफ, मनीषा सर्राफ,शारदा पोद्दार सहित बड़ी संख्या में दादी भक्त उपस्थित थे।उक्त जानकारी श्री धोली सती दादी प्रचार समिति के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

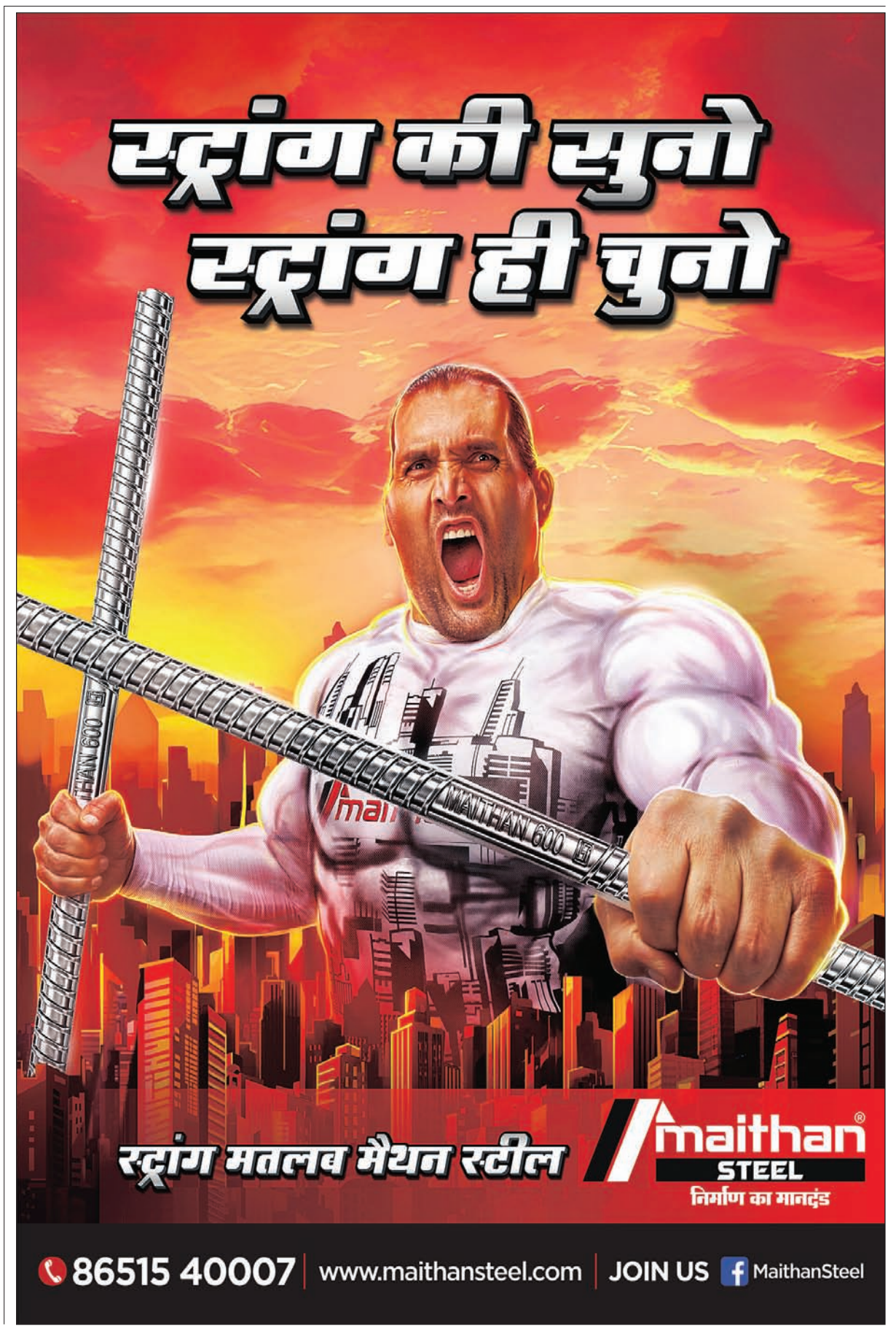

विभिन्न विश्वविद्यालयों में पशु रोग विज्ञानियों का तीन दिवसीय वार्षिक सम्मेलन आज से

- इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ वेटनरी पैथोलॉजिस्ट्स का 42वां वार्षिक सम्मेलन, जो 4 से 6 दिसंबरतक बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के रांची वेटेरिनरी कॉलेज द्वारा किया जा रहा है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। देश-विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के 300 से अधिक पशु रोगविज्ञानी रांची में एकत्र होंगे। जहां वे आणविक पैथोलॉजी और ऑन्कोलॉजी, फार्म एवं पालतू पशुओं की पैथोलॉजी, टॉक्सिकोपैथोलॉजी, इम्यूनोपैथोलॉजी एवं फॉरेंसिक पैथोलॉजी, एवियन पैथोलॉजी, लैब एनिमल, जलीय एवं वन्यजीव पैथोलॉजी के क्षेत्र में अत्याधुनिक उपकरणों, तकनीकों और हालिया प्रगति पर चर्चा करेंगे। अवसर है इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ वेटनरी पैथोलॉजिस्ट्स का 42वां वार्षिक सम्मेलन, जो 4 से 6 दिसंबरतक बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के रांची वेटेरिनरी कॉलेज द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर 'परंपरागत और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डिजिटल पैथोलॉजी के बीच सेतु निर्माण—पशु रोग निदान के लिए एक भविष्यमुखी दृष्टिकोण' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान इंडियन कॉलेज ऑफ वेटेरिनरी पैथोलॉजिस्ट्स की वार्षिक बैठक भी होगी। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास और ओक्लाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के तीन प्रोफेसर विभिन्न सत्रों में थीमैटिक व्याख्यान एवं मुख्य भाषण देंगे। कार्यक्रम के आयोजन सचिव और बीएयू के पशुचिकित्सा संकाय के डीन डॉ एमके गुप्त ने बताया कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की 4 दिसंबर को उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि होंगी, जबकि विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीक़की और बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे विशिष्ट अतिथि होंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू के कुलपति डॉ बीएन त्रिपाठी सत्र की अध्यक्षता करेंगे। डॉ गुप्ता ने कहा कि पैथोलॉजी पशु चिकित्सा क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह सही निदान, उपचार योजना, रोग की निगरानी और रोकथाम का आधार बनती है। आज के रोगविज्ञानी से अपेक्षा की जाती है कि वे आणविक जीवविज्ञान, आनुवंशिकी, बायोइन्फॉर्मेटिक्स और अत्याधुनिक इमेजिंग जैसी विधाओं में दक्ष हों, ताकि पशु चिकित्सा प्रैक्टिस की बढ़ती निदान संबंधी मांगों को पूरा किया जा सके। हाल के वर्षों में जैव-प्रौद्योगिकी, नैनो-प्रौद्योगिकी और डिजिटल इमेजिंग में हुए नवाचारों ने पीसीआर, जो रोगों का अत्यधिक संवेदनशील और विशिष्ट रूप से—यहां तक कि आणविक स्तर पर भी—पता लगाने में सक्षम बनाते हैं।

जिला प्रशासन ने की अलाव की व्यवस्था

जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि ठंड से किसी को परेशानी न हो : डीसी

रांची। राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में बढ़ती शीत लहर और रात के तापमान में निरंतर गिरावट को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार पूरे रांची जिले में आमजन, विशेषकर जरूरतमंद, बेघर, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा चालक, फुटपाथ पर सोने वाले तथा रात में ड्यूटी करने वाले व्यक्तियों के लिए अलाव की व्यापक व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने रांची शहर के प्रमुख चौक-चौराहे में अलाव की व्यवस्था की गई है। जिले के सभी 18 प्रखंडों के प्रखंड मुख्यालयों, पंचायत भवनों, प्रमुख हाट-बाजारों, प्रमुख चौक-चौराहों तथा जरूरतमंद आबादी वाले स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक प्रखंड में कई जगहों में अलाव जलाए जा रहे हैं। उपायुक्त ने इस संबंध में जिले के सभी अंचल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों को पूर्व में ही स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए थे कि अलाव की व्यवस्था प्रारंभ कर दी जाए तथा लकड़ी, केरोसिन आदि की कोई कमी न हो। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि "जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि ठंड से किसी भी नागरिक को परेशानी न हो। हमने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अलाव नियमित रूप से जलें और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त अलाव की व्यवस्था तुरंत की जाए।

न्यूज बॉक्स

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया गया

सिल्ली। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी के मुख्य संरक्षक माननीय सुदेश कुमार महतो ने दिव्यांग तीरंदाजो से मिले और उनको सम्मानित किया।वहीं अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के उपलक्ष में उनका हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी, ज्ञात हो कि बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी में दिव्यांग तीरंदाजो के लिए एक विशेष एकेडमी संचालित की जाती है और उनके सम्मान में यह सम्मान समारोह आयोजित की गई थी जिसमें खिलाड़ियों को सॉल और किट देकर उनको सम्मानित किया गया। सभी दिव्यांग तीरंदाज काफी उत्साहित नजर आए। सम्मानित होने वाले में भारतीय टीम में चयनित जीतू राम बेदिया,मुस्कान कुमारी,बबीता कुमारी,रवि कुमार साथ में बृजेश प्रसाद,रोहित कोइरी,शिशिर महतो, रोहित भारद्वाज के साथ-साथ सभी प्रशिक्षु उपस्थित थे।

दो बाइक की आमने–सामने टक्कर, युवक गंभीर रूप से घायल

मुरी/सिल्ली । रांची पुरुलिया रोड स्थित झारखंड मोड़ के पास दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के समय हीरो स्प्लेंडर बाइक पर सवार मुकेश कुमार महतो उम्र लगभग 18 वर्ष, पिता प्रफुल्ल महतो, ग्राम–पोस्ट तूलिन, पश्चिम बंगाल निवासी गंभीर रूप से जख्मी हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सिल्ली से तुलिन की ओर जा रही स्प्लेंडर बाइक की टक्कर विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मुकेश सड़क किनारे गिरकर बेहोश हो गया। वहीं दूसरी बाइक का चालक मौके से फरार हो गया।हादसे के बाद स्थल पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तुरंत मुरी ओपी पुलिस को सूचना दी और गंभीर रूप से घायल मुकेश को पास के सिंगपुर नर्सिंग होम उपचार के लिए भेजा गया। डॉक्टरों के अनुसार युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक तेज रफ्तार में बाइक चलाते हैं, जिससे इस क्षेत्र में अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर निगरानी बढ़ाने और तेज रफ्तार वाहनों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि लगातार हो रहे हादसों पर नियंत्रण लगाया जा सके।मुरी ओपी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है और फरार बाइक सवार की तलाश जारी है।

चार फरार आरोपी गिरफ्तार न्यायालय में किया गया पेश

ठाकुरगांव। थाना क्षेत्र के भेलवाटांड पतरातू में ठाकुरगांव थाना प्रभारी शुभम कुमार ने छापेमारी में एक लंबे समय से फरार चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। यह गिरफ्तारी ठाकुर गांव कांड संख्या 17/24 से संबंधित है,जिसमें आरोपियों पर नाजायज मजमा लगाकर मारपीट करने का गंभीर आरोप है। गिरफ्तार किए गए सभी चारों आरोपी ठाकुरगाँव के भेलवाटांड पतरातू जिला रांची के निवासी हैं। उनके नाम शोएब अंसारी, पिता - स्व. अफजाल अंसारी,सफीक अंसारी, पिता - नाजर आलम, इरशाद अंसारी,पिता अमालूदिन अंसारी,फिरोज अंसारी, पिता - जाबिर अंसारी हैं।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई : पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना के बाद से ही ये सभी आरोपी लगातार फरार चल रहे थे। इनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए ठाकुरगांव थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चला

बोकारो। जिले के सेक्टर-4 सिटी सेंटर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दूसरे दिन बुधवार को तनाव बढ़ गया। बड़ी संख्या में लोग बीएसएल प्रबंधन के खिलाफ सड़क पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन उस स्थान पर हुआ, जहां मंगलवार को अभियान के तहत कई अवैध दुकानों को हटाया गया था। बीएसएल दकी ओर से फेंसिंग कार्य शुरू किए जाने से प्रभावित व्यापारी और स्थानीय लोग नाराज थे। उनका आरोप है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था या पूर्व सूचना के दुकानें तोड़ी गईं, जिससे उनका रोजगार प्रभावित हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने फेंसिंग कार्य रोकने और उचित समाधान की मांग की। सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को शांत कराने का प्रयास किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रहेगा, क्योंकि यह शहर को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए एक आवश्यक कदम है।

पटेल बीएड कॉलेज में नए सत्र के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

खूंटी। पटेल बीएड कॉलेज, लोधमा में नए शैक्षणिक सत्र 2025-27 की शुरुआत के अवसर पर बुधवार को नव-प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए विद्यार्थियों को कॉलेज के वातावरण, शैक्षणिक गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं से परिचित कराना था।
कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। वहीं कॉलेज की प्राचार्या ने नए छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षक बनने की राह ज्ञान, अनुशासन और समर्पण से होकर गुजरती है और ओरिएंटेशन विद्यार्थियों को उसी दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है। शिक्षकों ने छात्रों को बीएड पाठ्यक्रम, प्रैक्टिकल कार्य, इंटरनल असेसमेंट, स्कूल इंटर्नशिप, पुस्तकालय और लैब सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में छात्रों के लिए विशेष रूप से इंटरएक्टिव सेशन रखा गया, जहां उन्होंने अपनी जिज्ञासा को साझा किया और शिक्षकों ने उनका समाधान किया।

सेल, सेट में गुणवत्ता माह का आयोजन

रांची। सेल, सेट में नवंबर माह को गुणवत्ता माह के रूप मे मनाया गया। इस दौरान गुणवत्ता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पूरे माह भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम मे 13 नवंबर को श्रवण कुमार वर्मा, ईडी (सेट)के द्वारा गुणवत्ता झंडोत्तोलन किया गया। तत्पश्चात सेट के सभी उपस्थित कार्मिकों को गुणवत्ता शपथ दिलाई गई। गुणवत्ता माह के दौरान विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में बुधवार को श्रवण कुमार वर्मा, ईडी (सेट)की अध्यक्षता मे गुणवत्ता माह के समापन समारोह का औपचारिक आयोजन किया गया। इसमें सेट रांची के सभी मुख्यमहाप्रबंधक,विभागाध्यक्ष, पुरस्कार विजेता आदि उपस्थित थे। सेट रांची के अन्य सभी कार्मिकतथा सेट के सभी उप केंद्रों के कार्मिकों ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर कार्यक्रम मे भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद कुमार, सहायक प्रबंधक (व्यापार उत्कृष्टता एवम् आई पी एस एस) के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान, एक संक्षिप्त प्रस्तुति के माध्यम से गुणवत्ता माह के दौरान संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया। श्रवण कुमार वर्मा, ईडी (सेट)ने टीम सेट को संबोधित करते हुए, सेल निगमित कार्यालय एवं इसके सभी एकीकृत इस्पात संयत्रों एवं अन्य इकाइयों के द्वारा टीम सेट के प्रति दर्शाये गए विश्वास पर खुशी जताई।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया योजनाओं का शिलान्यास, कहा

मेरे लिए मानव सेवा ही बड़ा धर्म

नवीन मेल संवाददाता

चान्हो। विधायक मद से चान्हो प्रखंड में राज्य की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने तीन योजनाओं का शिलान्यास किया। जिसमें चान्हो के सोंस बाजार टांड़ में जतरा खूंटा निर्माण एवं सरना स्थल का सौंदर्यीकरण , मसमानो में पी सी सी सड़क और कोको बुढ़िया पूजा स्थल में शेड के साथ शौचालय निर्माण योजना शामिल है। इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मेरे लिए मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। वो धर्म विशेष की राजनीति नहीं करती है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग - हर जाति - हर समाज को साथ लेकर चलने और उसका विकास करना मेरा राजनीतिक उद्देश्य है . मंत्री ने सोंस बाजार टांड़ जतरा खूंटा का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय में मुड़मा मेला के साथ यहां लगने वाले जतरा की चर्चा होती थी , लेकिन समय के साथ बहुत कुछ बदल गया . उन्होंने कहा कि आने वाले समय बाजार टांड़ के जर्जर शेड को बदलने का किया जाएगा . इसी तरह कोको बुढ़िया पूजा स्थल के प्रति अपनी असीम आस्था व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि मां के दरबार में एक अजीब सा आकर्षण है। उनके मन में कोको मां के प्रति शुरू से आस्था रही है। इस अस्थल की ख्याति कैसे बढ़े, कैसे श्रद्धालुओं को ज्यादा से ज्यादा सुविधा मिल सके। इस ओर उनका लगातार प्रयास जारी है। मांडर की जनता ने बहुत ही आशा और उम्मीद के साथ प्रतिनिधित्व का मौका दिया है। इस जिम्मेवारी को वो पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करने में लगी है।शिलान्यास कार्यक्रम में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद इश्तियाक, निधिया उरांव, अजीत सिंह, मोजीबुल्ला, मो गयास, मुखिया शिव उरांव, जॉनी उरांव, एतवा उरांव, मंगलेश्वर उरांव, बोले उरांव, अतीक अहमद, बिरसा उरांव, नूर जहां बेगम, निशात परवीन, इरशाद खान, जावेद अख्तर, हफ़ीजुल अंसारी मौजूद थे।

झारखंड जूनियर थ्रोबॉल टीम बदलापुर रवाना

रांची। झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ द्वारा चयनित बालक एवं बालिका टीम 35वीं जूनियर नेशनल थ्रोबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए बुधवार को बदलापुर (महाराष्ट्र) के लिए रवाना हो गई। यह प्रतियोगिता 05 से 07 दिसंबर तक सेंट एंथनी हाई स्कूल, बदलापुर में आयोजित होगी। प्रतियोगिता का आयोजन थ्रोबॉल एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र एवं थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। बालिका टीम में प्रमीला सोरेन, संजना हेम्ब्रम, सुनीता सोरेन, चुरमनी टुडू, मालाबती टुडू, सुनीया हांसदा, जीरमनी हांसदा, ललिता बास्के, पूर्णिमा मुर्मू, कुनामी मुर्मू, श्यामोली महतो, सुरभि सिंह, वर्षा कुमारी, कौशल्या कुमारी, अंकिता कुमारी कोचः सुकांता कुंडू, मैनेजरः अबोध राम एवं बालक टीम में उज्ज्वल कुमार, जय कुमार, आयुष राज, विशाल कुमार, ओम कुमार, रितेश कुमार, रवि कुमार, अर्जुन लकड़ा, अर्जुन टुडू, विवेक लोहड़ा, दीपक कुमार, अंशुमान कुमार, दामोदर कुमार, मोहम्मद आदिल, अदनान, कोचः श्री दीपक कुमार, मैनेजरः श्री विश्वजीत कुमार शामिल किए गए हैं जो झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के अध्यक्ष वेदांत कौस्तव ने कहा है कि हमारे युवा खिलाड़ी झारखंड की खेल प्रतिभा का गौरव हैं। हमें भरोसा है कि वे बेहतर खेल भावना के साथ शानदार प्रदर्शन करेंगे और राज्य का नाम रोशन करेंगे। खिलाड़ियों से अनुशासन बनाए रखते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की अपेक्षा है। संघ के सचिव राजेश कुमार ने कहा कि टीम ने कड़ी मेहनत की है।

टीबी कैंप में 52 मरीजों को लिया गया गोद

पूरे भारतवर्ष को टीबी मुक्त बनाने का अभियान चल रहा : अमिता लाल

- प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सुमन एक्का ने कहा कि टीबी से अब घबराने की जरूरत नहीं है। सरकारी अस्पतालों में इलाज से टीबी के मरीज बिल्कुल स्वस्थ हो रहे हैं।

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो में टीबी मरीजों के लिए एक टीबी कैम्प का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सुमन एक्का ने कहा कि टीबी से अब घबराने की जरूरत नहीं है। सरकारी अस्पतालों में इलाज से टीबी के मरीज बिल्कुल स्वस्थ हो रहे हैं और टीबी से ग्रसित मरीज ठीक होकर टीबी मुक्त होकर टीबी चैंपियन बन रहे हैं। वहीं कार्यक्रम के दौरान प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अमिता लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पूरे भारत वर्ष को टीबी मुक्त भारत बनाने का अभियान चल रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत आज बुधवार को बेडो.सीएचसी में आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर मुंबई के द्वारा 52 टीबी मरीजों को गोद लिया गया। वहीं मरीजों के बीच निक्षय पोषण आहार किट का वितरण किया गया।कैम्प के दौरान टीबी मरीजों के घरवालों में से 33 का इग्रा टेस्टऔर 31 का एक्स-रे भी किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सुमन एक्का, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक- अमिता लाल, ब्लॉक एकांउट मैनेजर विनोद वर्मा, वरीय चिकित्सा पर्यवेक्षक कैसर अंसारी, सीनियर ट्रीटमेंट लैब सुपरवाइजर सुनिल किस्कू, स्टोर इंचार्ज अमित मिंज, ब्लॉक डाटा प्रबधक राजीव कुमार, एफपीडब्ल्यू निशाद अहमद, लैब टेक्नीशियन पंकज शर्मा, मुफीद, और आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर मुंबई के टीम मेंबर - प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार और गुड्डू कुमार ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

अलार्म चेन पुलिंग के 58 दोषियों से वसूला गया 46 हजार जुर्माना

पश्चिमी सिंहभूम। जिला स्थित चक्रधरपुर रेल मंडल में नवम्बर 2025 माह के दौरान अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि रेलवे सुरक्षा और सुचारू संचालन में बाधा उत्पन्न करने वाले एसीपी की घटनाओं में इस अवधि में कुल 93 मामले दर्ज किए गए हैं। बुधवार को रेलवे प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इनमें से 87 मामलों में कार्रवाई पूरी कर निपटारा कर दिया गया है, जबकि 58 मामलों में दोषसिद्धि सुनिश्चित करते हुए कुल 46 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया है। मंडल प्रशासन ने बताया कि बिना किसी उचित कारण के अलार्म चेन खींचना दंडनीय अपराध है और इससे ट्रेन संचालन प्रभावित होता है।
रेलवे ने यात्रियों से अपील की गई है कि अलार्म चेन का उपयोग केवल आपातकालीन स्थिति में ही करें। साथ ही कहा गया है कि मंडल ट्रेन संचालन में सुरक्षा, अनुशासन और सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार सतर्कता और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर रहा है।

जिला प्रशासन ने दिव्यांगजनों में बांटी मिठाई और कंबल

देवघर। विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देश पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती की अध्यक्षता में बुधवार को सरस कुंज में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरस कुंज में रह रहे दिव्यांग बच्चों के बीच कंबल, मिठाई और चॉकलेट का वितरण किया गया। इस दौरान जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने दिव्यांग बच्चों से बातचीत करते हुए उनके नाम से संबंधित इतिहास से जुड़ा कोई व्यक्ति, खिलाड़ी और अन्य पर भी बारी-बारी से विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। मौके पर उन्होंने लोगों से अपील करते हुए विश्व विकलांग दिवस पर मिलकर निःशक्तजनों के प्रति प्यार दिखाने को कहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को उनके सशक्तिकरण के लिए हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए।

धर्म-अध्यात्म — नरकोपी में श्री रामचरितमानस पाठ के दौरान दिखी भक्ति की शक्ति आज कथा का होगा समापन

भगवान श्री राम अपनी मर्यादा को कभी नहीं भूले : भागवत नंद जी

- रामचरितमानस पाठ का श्रवण प्रत्येक मनुष्य को करना चाहिए। इससे न सिर्फ प्रेरणा मिलती है बल्कि मनुष्य का जीवन भी धन्य हो जाता है।

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो । बेड़ो प्रखंड अन्तर्गत नरकोपी में नौ दिवसीय श्री राम कथा का गुरूवार को भव्य समापन किया जाएगा। समापन के पूर्व संध्याकाल के दौरान कथा के आठवें दिन कथावाचक महाराज पंडित भागवत नंद जी एवं माता चंद्रमा किशोरी ने अपने मुखारविंद से भगवान श्री राम जी के चरित्र पर प्रकाश डाला। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम ने अपने मर्यादा को कभी नहीं भूला। इसलिए वे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम कहलाएं। उन्होंने कहा कि जिन जिन पुरूषों ने भगवान श्री राम के जीवन चरित्र को अपने जीवन में अपनाया वे भगवान के होकर रह गए। रामचरितमानस पाठ का श्रवण प्रत्येक मनुष्य को करना चाहिए। इससे न सिर्फ प्रेरणा मिलती है बल्कि मनुष्य का जीवन भी धन्य हो जाता है। भगवान श्री राम का भाई, पुत्र एवं पति तथा मित्र के रुप में जो उदाहरण प्रस्तुत किया है वे हमेशा जीवंत रहेंगे। हर लोगों को धर्म की बातें सुननी चाहिए इससे मन और बुद्धि दोनों का विकास होता है। वर्तमान स्थिति में युवक वर्ग धर्म की बातों से काफी दूर होते जा रह हैं लेकिन उन्हें भी इसको समझना चाहिए। नरकोपी में श्री रामचरितमानस पाठ के दौरान श्रद्धालुओं में भक्ति की शक्ति और ईश्वर के प्रति उनकी आस्था देखी गई। उल्लेखनीय है कि नरकोपी में शिव मंदिर निर्माण समिति के तत्वाधान में नौ दिवसीय रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है। काफी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। बुधवार को कथा के दौरान भाजपा बेड़ो मंडल के अध्यक्ष बलराम सिंह, नरकोपी मंडल के महामंत्री राजेश कुमार, समाजसेवी महावीर साहु मनोज साहु गणेश राम महथा आदित्य त्रामकार एवं कथा समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, कमलेश ठाकुर, बलदेव भगत, संजय प्रसाद, दशरथ पांडेय, राजू सोनी, रामेश्वर ओझा सहित सैकड़ो लोगों ने भाग लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चोरी की घटना में शामिल दो अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अभियुक्तों के पास से चोरी के आठ लाख रुपए व विदेशी मुद्रा बरामद

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। एसपी अजय कुमार द्वारा बुधवार को प्रेस वार्ता को संबोधित किया गया । प्रेस वार्ता में एसपी ने बताया कि 27 नवंबर को आवेदिका वाजदा तबस्सुम उम्र 42 वर्ष, पति-मुर्तजा अली, सा०-बेलाल नगर चितरपुर, थाना-रजरप्पा, जिला-रामगढ द्वारा रजरप्पा थाना में एक लिखित आवेदन दिया गया था। जिसमें उल्लेख किया गया था कि 25 नवंबर को शाम 4.00 बजे वे अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिये अपनी तीनों बेटियों के साथ टाटा जमशेदपुर गयी थीं। एसपी ने बताया कि इनके घर में कोई नहीं था। 27 नवंबर को इनका छोटा भाई जाहिद आलम, पिता-खुर्शीद आलम एवं इनकी मों मेहर फातमा, पति-खुर्शीद आलम, दोनो सा०-बेलाल नगर चितरपुर, थाना-रजरप्पा, जिला रामगढ घर की देखभाल के नियत से वादिनी के घर गये तो देखा कि घर में चोरी हो गयी है एवं घर का सारा सामान बिखरा पडा है। आवेदिका के आवेदन के आधार पर रजरप्पा थाना कांड सं0-189/2025, दिनांक-27.11.2025, धारा-331 (4)/305 (ए) बीएनएस के अंतर्गत दर्ज किया गया। उक्त घटना के उदभेदन हेतु पुलिस अधीक्षक अजय कुमार द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा कांड के अनुसंधान एवं तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर उक्त कांड में चोरी हुई नगद एवं जेवरातों की बरामदगी के लिये रामगढ एवं बोकारो जिला अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर छापामारी किया जा रहा था। इसी के क्रम में 2 दिसंबर को पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि दो युवक रजरप्पा मोड पर चोरी हुई विदेशी रूपया (दिरहम एवं रियाल) को चितरपुर स्थित विदेशी मुद्रा एक्सचेंज करने वाले दुकान पर जाने वाले है। पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष छापामारी दल को प्राप्त गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करने हेतु निर्देश किया गया।

स्कूली बच्चों को इलाज की राशि मिलने में हुई सुविधा

हजारीबाग। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से विशेष पहल की गई। जिन बच्चों का जाति प्रमाण पत्र अब तक नहीं बना था, उनका प्रमाण पत्र बना दिया गया है। इससे सरकार की ओर से मिलने वाली विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। छात्रवृति से लेकर इलाज के लिए सहायता राशि मिल सकेगी। दरअसल, कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लोगों को इलाज के लिए पांच हजार की राशि दी जाती हैं। जागरुकता के अभाव में इस जाति के अधिकतर लोग इसका लाभ नहीं लेते है। बताया जाता है कि प्रत्येक वर्ष राशि लैप्स हो जाती है। उक्त जाति के कोई व्यक्ति बिमार होने पर यदि अस्पताल में अपना इलाज कराता है और उसे बाहर से दवाईयां लेनी पड़ती है तो उसे पांच हजार तक की सहायता राशि दी जाति है। इसके लिए बिल की प्रति के साथ कल्याण विभाग में अप्लाई करना पड़ता है। इसके बाद विभाग की ओर से राशि दी जाती है। जिला प्रशासन की ओर से जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए विभिन्न स्तर पर कैंप भी लगाया जाता है। जाति प्रमाण पत्र के अभाव में कोई व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित नहीं रह जाए, इसके लिए समीक्षा भी की जा रही है। कुछ लोगों ने बताया कि इस तरह की सहायता राशि को लेकर नियमित रूप से जागरुकता अभियान चलाने की जरुरत है। इसमें जनप्रतिनिधियों को भी आगे आना चाहिए।

न्यूज बॉक्स

विश्वविद्यालय के विधि विभाग ने राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया भव्य आयोजन

रामगढ़। बुधवार को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में विधि विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय एक राष्ट्र एक चुनाव था। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय रांची के पूर्व न्यायधीश जस्टिस डॉ एस एन पाठक ,ब्ल्यू फाउंडेशन रांची के चेयरमैन डॉ पंकज सोनी , झारखंड उच्च न्यायालय प्रवक्ता विनोद कुमार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह,सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, समाजसेवी सी पी संतन एवं मीडिया प्रभारी डॉ संजय कुमार उपस्थित थे। संगोष्ठी का उदघाटन मुख्य अतिथि पूर्व न्यायधीश डॉ एस एन पाठक, कुलाधिपति बी एन साह, एवं गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से विशिवद्यालय के संस्थापक स्व गोविंद साह एवं स्व राधा देवी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। डॉ एस एन पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि "वन नेशन,वन इलेक्शन" विषय पर आधारित इस राष्ट्रीय सेमिनार के अवसर पर सभी प्रतिभागियों, विशेषज्ञों, अध्यापकों और विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक देश एक चुनाव के लिए मजबूत सरकार को लोकतंत्र के तीन अंगों को मूल सिद्धांत पर आकर संविधान के दायरे में काम करना होगा।

डुमरी से रांची तक जेएलकेएम का छात्र अधिकार पदयात्रा आज से होगा आरंभ

रामगढ़ । झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो के निर्देशानुसार हजारीबाग में गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़, रांची जिला कमेटियों तथा डुमरी, बगोदर, विष्णुगढ़, टाटी झरिया, दारू, सदर, चुरचू, मांडू और ओरमांझी प्रखंड कमेटियों की संयुक्त बैठक केंद्रीय कमेटी के साथ आयोजित की गई। बैठक में आगामी छात्र अधिकार पदयात्रा को लेकर विस्तृत रणनीति तय की गई । पदयात्रा 04 दिसंबर 2025,। सुबह 10:00 बजे डुमरी, गिरीडीह से शुरू होकर विधानसभा धरना स्थल, रांची तक पहुंचेगी। जिसमें लगभग 180 किलोमीटर की दूरी छह दिनों में तय की जाएगी। पदयात्रा की प्रमुख मांगें 1. खतियान आधारित स्थानीय नीति एवं नियोजन नीति अविलंब लागू की जाए। 2. छात्रों को लंबित छात्रवृत्ति का तत्काल भुगतान किया जाए। 3. जेपीएससी/जेएसएससी की सभी लंबित परीक्षाओं के परिणाम शीघ्र प्रकाशित किए जाएं। 4. झारखंड सरकार प्रति वर्ष नियमित परीक्षा कैलेंडर जारी करे और उसके अनुपालन को सुनिश्चित करे। 5. राज्य के सभी सरकारी रिक्त पदों को अविलंब भरने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। उक्त जानकरी प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने बुधवार को दिया।

झारखंड में वैज्ञानिक विधि से बकरी पालन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

बरही/रांची। आईएआरआई झारखंड में अनुसूचित जाति उपयोजना (SCSP) के तहत वैज्ञानिक विधि से बकरी पालन एवं संवर्द्धन पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण (1–3 दिसंबर) का मंगलवार को सफल समापन किया गया। चौपारण, पदमा और बरही प्रखंड के कई गांवों से आए 30 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया, जिसका उद्देश्य पशुपालन को बढ़ावा देना और अनुसूचित जाति के लोगों की आजीविका को सशक्त बनाना था। समापन समारोह में परिसर प्रभारी डॉ. महंता ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए बकरी पालन से आय बढ़ाने, रख-रखाव और बाजार जागरूकता पर विस्तृत जानकारी दी। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विशाल नाथ ने पशुधन वृद्धि और आय संवर्धन के वैज्ञानिक उपाय बताए। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. शिल्पी केरकेट्टा ने किया, जबकि डॉ. कृष्ण प्रकाश, डॉ. पंकज सिंघा, डॉ. वंदना यादव सहित कई वैज्ञानिक उपस्थित रहे। समापन पर प्रतिभागियों को छोटे कृषि यंत्र और खनिज मिश्रण भी वितरित किए गए। प्रशिक्षण से क्षेत्र में वैज्ञानिक बकरी पालन को नया प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सिजुआ निवासी मोहन सिंह का बरही में रहस्यमय तरीके से मौत, किया गया अंतिम संस्कार

बरकट्ठा। प्रखंड के चेचकपी पंचायत अंतर्गत ग्राम सिजुआ निवासी मोहन सिंह,46 वर्ष, पिता झखर सिंह का बरही स्थित अपने डेरा में रहस्यमय तरीके से मौत हो गई। वही जानकारी देते हुए मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव ने बताया कि मृतक बरही स्टील प्लांट जियाड के डिवाइन कंपनी में 1 वर्ष से किरान ड्राइवरी का काम करता था।वह फैक्ट्री के बगल में रूम किराया पर रहता था । रूम पर रात में सोने के बाद इसका मृत्यु हो जाती है । इसकी सूचना चेचकपी पंचायत के मुखिया रीता देवी एवं मुखिया प्रतिनिधि को दी गई । सूचना मिलते ही मृतक परिजनों को मुखिया द्वारा सूचना दिया गया।साथ ही मुखिया प्रतिनिधि ने उचित मुआवजा की मांग के लिए डिवाइन कंपनी का दरवाजा में ताला जड़ दिया। कंपनी का कहना था कि मेरे यहां यह व्यक्ति 15 दिन से काम नहीं कर रहे थे और अपना रूम पर ही रहते थे और अपना रूम पर ही इसका मृत्यु हुआ है । हम मुआवजा के लिए कुछ नहीं दे पाएंगे। लेकिन काफी प्रयास के बाद काम क्रिया के लिए 30000 मुआवजा के रूप में मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव ने उसकी पत्नी को दिलाया, ताकि मृतक का दाह-संस्कार करने में सहयोग हो सके। शव का पोस्टमार्टम होने के पश्चात परिजनों को सौंप दिया गया। तत्पश्चात बुधवार को श्मसान घाट में अंतिम संस्कार किया गया।

पिता ने दामाद व परिजनों पर लगाया बेटी का गला दबाकर हत्या करने का आरोप

रामगढ़। हजारीबाग जिले के ईचाक निवासी निमी राम पिता रामजतन राम ने वेस्ट बोकारो ओपी में आवेदन देकर अपनी पुत्री निशा देवी उम्र लगभग 21 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को हत्या बताते हुए मामला दर्ज करने की मांग की है। आवेदन में उन्होंने अपनी बेटी की हत्या का आरोप दामाद रतन राम, उसके भाई छोटू राम, छोटू राम की पत्नी लाली देवी तथा मां बुधनी देवी पर लगाया है। आवेदन में निमी राम ने बताया है कि उनकी बेटी निशा देवी की शादी 14 मई 2022 को हिंदू रीति-रिवाज से ग्राम बंजी वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र में रतन राम के साथ हुई थी। परंतु उसके बाद पति-पत्नी के बीच विवाद बढ़ने लगा और ससुराल पक्ष के लोग अक्सर उसे प्रताड़ित करने लगे। निमी राम के आवेदन के अनुसार 2 दिसंबर 2025 की सुबह लगभग 7:15 बजे रतन राम ने फोन कर बताया कि निशा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

इनरव्हील क्लब ने चलाया जागरूकता अभियान

रामगढ़। इनरव्हील क्लब रामगढ़ द्वारा शहर में बुधवार को जागरूकता का एक अनूठा और प्रभावशाली अभियान चलाया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति हिंसा के उन्मूलन हेतु वैश्विक पहल ऑरेंज द वर्ल्ड तथा नशामुक्ति संदेश को आम जनता तक पहुँचाने के लिए क्लब ने दोनों विषयों पर तैयार दो विशेष वीडियो का पूरे रामगढ़ शहर के सभी प्रमुख एलईडी बोर्डों पर एक साथ प्रदर्शन चल रहा है। शहर में विभिन्न स्थानों पर लगे बोर्डों पर इन वीडियो के निरंतर प्रसारण से नागरिकों में सकारात्मक चर्चा और जागरूकता का माहौल बना। क्लब अध्यक्ष नमिता श्रॉफ ने बताया कि यह पहल शहर में सुरक्षित समाज और नशामुक्त भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्लब की सदस्यों ने बताया कि वीडियो में महिलाओं पर होने वाली हिंसा के विभिन्न रूपों, उससे बचाव, तथा सहायता लेने के तरीकों पर भी प्रकाश डाला गया है। नशा उन्मूलन से संबंधित वीडियो का उद्देश्य युवाओं को यह संदेश देना है कि नशा न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है बल्कि परिवार, शिक्षा और करियर को भी खतरे में डाल देता है। रामगढ़ की आईलेक्स मल्टीप्लेक्स में भी ऑरेंज द वर्ल्ड संदेश का वीडियो का प्रदर्शन किया जा रहा है, जहाँ फिल्म देखने आए दर्शकों ने इस महत्वपूर्ण सामाजिक अभियान का स्वागत किया। मल्टीप्लेक्स प्रशासन ने भी ऐसे जनहित कार्यों में सहयोग करने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

जिला पंचायती राज कार्यालय में किए जा रहे कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

जल्द से जल्द लंबित कार्यों को पूर्ण करने का दिया निर्देश

- 15 वें वित्त आयोग के तहत हो रहे कार्यों के संबंध में उपायुक्त ने टाइड एवं अनटाइड फंड के तहत ली गई योजनाओं एवं उनके तहत पूर्ण किए गए कार्यों की जानकारी ली

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। जिला पंचायती राज कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर बुधवार को उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला पंचायती पदाधिकारी निशा कुमारी सिंह के द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से पंचायती राज कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों, संचालित योजनाओं आदि की जानकारी उपायुक्त, उप विकास आयुक्त सहित अन्य उपस्थित अधिकारियों को दी गई। पंचायत सुदृढ़ीकरण योजना के तहत जिले के अलग-अलग प्रखंडों में स्थित पंचायत भवनों में किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डिजिटल पंचायत योजना के अंतर्गत हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पंचायत भवनों के माध्यम से जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र सहित निर्गत किए जाने वाले अन्य दस्तावेजों को लेकर डिजिटल पंचायत योजना का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। 15 वें वित्त आयोग के तहत हो रहे कार्यों के संबंध में उपायुक्त ने टाइड एवं अनटाइड फंड के तहत ली गई योजनाओं एवं उनके तहत पूर्ण किए गए कार्यों की जानकारी लेते हुए जल्द से जल्द लंबित कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान समीक्षा के क्रम में 15वें वित्त आयोग एवं पंचायत समिति योजना के तहत संतोषजनक कार्य नहीं करने के कारण प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी गोला एवं प्रखंड समन्वक गोला के विरुद्ध स्पष्टीकरण करने का निर्देश उपायुक्त के द्वारा दिया गया। बैठक के दौरान जिला पंचायती राज पदाधिकारी के द्वारा उपायुक्त को जानकारी दी गई की पंचम राज्य वित्त आयोग के तहत पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर बैंक खाता खोला जाना है जिस पर उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस पर विशेष ध्यान देते हुए खाता खुलवाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने पंचायत ज्ञान केंद्र पीएम विश्वकर्मा सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

महिला सखी मंडल को मिला ट्रैक्टर

ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका अब और होगी मजबूत : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

बरही। मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत बेहराबाद (भंडारों) के सत्यम आजीविका सखी मंडल (जेएसएलपीएस) को ट्रैक्टर प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज यादव ने महिला समूह को ट्रैक्टर की चाबी सौंपते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम की शुरुआत भूमि संरक्षण पदाधिकारी संजय कुमार पांडेय ने बुके देकर विधायक का स्वागत करते हुए की। विधायक श्री यादव ने कहा कि ट्रैक्टर मिलने से कृषि कार्यों में तेजी आएगी, लागत कम होगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एलसीओ श्री पांडेय ने बताया कि जेएसएलपीएस समूहों को 50% अनुदान पर ट्रैक्टर और उससे जुड़ी सामग्रियों पर 80% तक अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे महिलाओं को खेती-किसानी में आधुनिक संसाधनों का लाभ मिल सके। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, बरसोत मुखिया मोतीलाल चौधरी, अशोक यादव, दिलीप यादव सहित कई जनप्रतिनिधि, ग्रामीण व सखी मंडल की महिलाएं उपस्थित थीं।

मनोरोग चिकित्सक और न्यूरोलॉजिस्ट के अभाव से परेशान हैं दिव्यांग

रामगढ़। दिव्यांगजन अपनी बुनियादी जरूरतों और अधिकारों के लिए सरकारी योजनाओं पर निर्भर रहते हैं। लेकिन प्रमाण पत्र से लेकर पेंशन तक की प्रक्रिया उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। जिले में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने के लिए हर माह केवल दो बार 15 और 30 तारीख को सदर अस्पताल में कैंप लगाया जाता है। जिसमे करीब 60 से 70 दिव्यांगता प्रमाण पत्र हर माह बन पाते हैं। सीमित समय और भारी भीड़ के कारण सैकड़ों दिव्यांगजन समय पर प्रमाण पत्र नहीं बनवा पाते।

कई बार दूरदराज़ क्षेत्रों से आए लोग लंबी दूरी तय करने के बाद भी निराश लौट जाते हैं। क्योंकि यहां मनोरोग चिकित्सक और न्यूरोलॉजिस्ट के चिकित्सक के साथ-साथ कान की जांच करने के लिए उपकरण नहीं है। जिस कारण अधिकतर दिव्यांगों को रांची के रिन पास और रिम्स में जांच कराने के लिए भेज दिया जाता है। लेकिन यहां पर दिव्यांगों की जांच प्रक्रिया बहुत ही जटिल हो जाती है। साथ ही जांच कराने के लिए उन्हें एक से अधिक बार रांची के अस्पतालों के चक्कर काटना पड़ता है।

जन समस्याओं का त्वरित समाधान और योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना प्राथिकता : ममता देवी

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। दुलमी प्रखंड मुख्यालय स्थित विधायक कार्यालय में बुधवार को स्थानीय विधायक ममता देवी क्षेत्र की जनता से रूबरू हुईं। जन-संपर्क कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग उपस्थित होकर अपनी समस्याएं एवं सुझाव लेकर पहुंचे। विधायक ने सभी से क्रमवार संवाद किया और उनकी समस्याओं का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लिया। विधायक ममता देवी ने कहा कि जनता की समस्याएं सुनना और उनके समाधान के लिए सकारात्मक कदम उठाना उनकी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ आम जनता तक बिना किसी बाधा के पहुँचे। साथ ही विकास कार्यों से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा कर शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल, आवागमन, पेंशन, श्रमिक योजना, विधवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मुद्दों पर विशेष चर्चा की और कहा कि सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाएँ लाभुकों को समय पर व पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। विधायक ने यह भी कहा कि जनता के बीच नियमित संवाद, पारदर्शिता और सहभागिता के साथ ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव है। समस्याओं के समाधान के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं और आगे भी जनता से सीधे संवाद का यह क्रम जारी रहेगा। साथ ही आपकी योजना आपकी सरकार आपके दर काक्रम में आए आवेदनों का भी समीक्षा किया गया। जनता की ओर से विधायक के इस प्रयास की सराहना की गई। मौके पर दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश, सीओ किशोरी यादव, बीडीओ अमित मिश्रा, पूर्व प्रमुख सुरेन्द्र करमाली, पूर्व जिला परिषद सदस्य राजू महतो, महताब राही,छोटन कुमार, नेपाली नायक,करदीप महतो, प्रकाश करमाली, विरोजगार सेवक एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

युवक का शव मिलने से इलाके में फैली सनसनी

नवीन मेल संवाददाता

इचाक। इचाक थाना क्षेत्र के भैरव मठ के बगल में स्थित एक मकान के जर्जर बाथरूम में युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नितेश कुमार मेहता उम्र 30 वर्ष पिता छोटन उर्फ इंद्र नाथ मेहता, ग्राम जमुआरी,इचाक के रूप में हुई है। शव को सबसे पहले मृतक के भाई सुभाष मेहता ने बाथरूम में मुंह के बल पड़ा देखा। परिजनों ने नितेश को बेहोश समझ कर इचाक सीएचसी ले गए, जांच के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही इचाक पुलिस सीएचसी पहुंची और शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या का किया प्रयास हालत नाजुक

रामगढ़। भुरकुंडा थाना क्षेत्र निवासी सोनी कुमारी उम्र लगभग 19 वर्ष पति कमोद नायक ने मंगलवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत उसे भुरकुंडा स्थित सीसीएल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर अवस्था को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद सीसीएल एंबुलेंस से सदर अस्पताल रेफर कर दिया। शाम लगभग 4:00 बजे सोनी कुमारी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती किया गया। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान भी स्थिति में सुधार नहीं होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए रांची रिम्स भेज दिया। चिकित्सकों का कहना है कि उसकी हालत बहुत ही खराब है जो यहां संभव नहीं हो सकता है। उसे रिम्स में बेहतर होगा।

प्रशिक्षण चयनित पुलिस पदाधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर सेमिनार का आयोजन

राज्य भर के 28 डीएसपी समेत कई पदाधिकारियों का बुनियादी प्रशिक्षण शुरू, जल्द मिलेगा कार्यभार

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड पुलिस अकेडमी में झारखंड लोक सेवा आयोग में चयनित 28 पुलिस उपाधीक्षक, 1 झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, 2 काराधीक्षक, 4 प्रोबेशन अधिकारी का प्रशिक्षण शुरू हुआ है. जिसमें राज्य भर के चयनित पुलिस पदाधिकारी पहुंचे. प्रशिक्षण के दौरान चैलेंज इन इंप्रूविंग द इमेज ऑफ पुलिस विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया. झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग, पुलिस पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए जाना जाता है. 2 दिसंबर मंगलवार से झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 28 पुलिस उपाधीक्षक, 1 झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, 2 काराधीक्षक, 4 प्रोबेशन अधिकारी का प्रशिक्षण एवं पुलिस की छवि सुधारने में चुनौती विषय पर आयोजित संगोष्ठी का आयोजन किया गया. झारखंड पुलिस सेवा से सेवानिवृत आईजी राजकुमार मल्लिक ने प्रशिक्षु पदाधिकारी को मूलभूत जानकारी दी और बताया कि पुलिस सेवा अन्य सरकारी सेवा से बिल्कुल अलग है. यहां पुलिसकर्मी समाज के पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं. संवेदनशीलता बेहद महत्वपूर्ण होती है. प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करना चाहिए. अपने कर्तव्यों के दौरान पक्षपात नहीं करना चाहिए.

प्रशिक्षण में अनुशासन एवं ईमानदारी बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

अकादमी के निदेशक अखिलेश कुमार झा ने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के संबंध में बताया कि तत्परता और अनुशासित तरीके से उपस्थित रहकर अपने पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण को पूरा करें. प्रशिक्षण सबसे महत्वपूर्ण है. प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन बनाए रखना तथा ईमानदारी से प्रशिक्षण करने पर बल दिया. बुनियादी प्रशिक्षण पा कर झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित पुलिस पदाधिकारी अब बहुत जल्द फील्ड में नजर आएंगे. यह प्रशिक्षण पदाधिकारी के जीवन में बेहद महत्व रखता है.

दिव्यांगों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर सिमडेगा जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा बुधवार को अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में भव्य दिव्यांग खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त सिमडेगा श कंचन सिंह तथा अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।उद्घाटन के पश्चात स्टेडियम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें ट्राइसाइकिल रेस, सुई-धागा रेस, बच्चों की बिस्किट रेस सहित कई मनोरंजक एवं कौशल आधारित प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। दिव्यांगजन एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को उपायुक्त ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उत्साहवर्धन हेतु शुभकामनाएँ दीं।अपने संबोधन में उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन दिव्यांगजन को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि किसी भी शारीरिक या मानसिक चुनौती के बावजूद कोई व्यक्ति स्वयं को समाज से अलग या वंचित महसूस न करे। प्रशासन का लक्ष्य है कि प्रत्येक दिव्यांगजन को वह सहयोग और अवसर मिले, जिसके वे हकदार हैं।उपायुक्त ने कहा कि सरकार द्वारा दिव्यांगजन के कल्याण हेतु अनेक योजनाएँ संचालित हैं। उन्होंने उपस्थित लाभुकों से आग्रह किया कि यदि कोई पात्र व्यक्ति किसी योजना या सुविधा से वंचित है, तो संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दें, ताकि समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने आश्वस्त किया कि दिव्यांगजन को सम्मान, समान अवसर एवं योजनाओं का सुगम लाभ उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन, उनके अभिभावक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरज मुन्नी कुमारी, जिला खेल पदाधिकारी मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया ईवीएम का निरीक्षण सुरक्षा व रखरखाव के दिए सख्त निर्देश

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने बुधवार को जिले के ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था तथा रिकॉर्ड संधारण की स्थिति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी मशीनों को निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित रखा जाए और नियमित सुरक्षा जांच अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन यंत्र, सुरक्षा गार्डों की तैनाती, प्रवेश एवं निकास रजिस्टर की स्थिति की जांच की। इसके बाद उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कैमरों की कार्यशीलता, रिकॉर्डिंग व्यवस्था और निगरानी प्रणाली की समग्र स्थिति का आकलन किया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी तकनीकी उपकरण सुचारु रूप से कार्यरत रहें तथा किसी भी समस्या का तत्क्षण समाधान किया जाए।उपायुक्त ने ईवीएम वेयरहाउस में तैनात सुरक्षाबलों की लॉग बुक और ड्यूटी चार्ट की भी समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को अपने दायित्वों के प्रति सतर्क, संवेदनशील और पूर्णत: सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसके पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही अस्वीकार्य होगी।निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

शिक्षा व स्वास्थ्य की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में पुनरीक्षित मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्पॉन्सरशिप (प्रायोजन) योजना से लाभान्वित बच्चों की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने सभी प्रखंडों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि लाभार्थी बालक-बालिकाओं के शिक्षा एवं स्वास्थ्य की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा संबंधित प्रतिवेदन समय पर उपलब्ध कराया जाए।बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राप्त आवंटन के तहत जून 2025 तक 14 बच्चों तथा जुलाई 2025 तक 110 बच्चों को प्रायोजन राशि का भुगतान किया जा चुका है। साथ ही जुलाई माह में 56 नए बच्चों को योजना से जोड़ा गया है। इस प्रकार वर्तमान में कुल 180 बच्चे स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।उपलब्ध बजट तथा समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार करते हुए निर्णय लिया गया कि सभी 180 लाभार्थी बच्चों को एक माह की प्रायोजन राशि का भुगतान किया जाएगा।बैठक में यह भी साझा किया गया कि योजना में शामिल करने हेतु 113 नए बच्चों की सूची प्रस्तुत की गई है, जिनके आवेदनों की समिति स्तर पर जाँच पूरी कर ली गई है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन बच्चों के दस्तावेज अपूर्ण हैं, उन्हें संबंधित पदाधिकारियों के माध्यम से शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए, ताकि पात्र बच्चों को जल्द से जल्द योजना का लाभ उपलब्ध कराया जा सके।बैठक में जिला नियोजन पदाधिकारी आशा मैक्सिमम लकड़ा, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी सुमित्रा बड़ाईक, बाल कल्याण समिति के सदस्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया बस स्टैंड और सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए कई निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने मंगलवार देर रात बस स्टैंड और सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों स्थानों की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।उपायुक्त सबसे पहले बस स्टैंड पहुंचीं, जहां उन्होंने साफ-सफाई, दुकान संचालन और यात्रियों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण में पाया गया कि कई दुकानदारों द्वारा लंबे समय से किराया जमा नहीं किया गया है। इस पर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि ऐसे दुकानदारों को तीन बार नोटिस जारी किया जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर किराया जमा नहीं करने पर उनकी दुकानें खाली कराते हुए योग्य व्यक्तियों को आवंटित किया जाए। उन्होंने बस स्टैंड परिसर में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने तथा यात्रियों की सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर भी जोर दिया।इसके साथ ही उपायुक्त ने नगर परिषद द्वारा शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर ठंड से बचाव के लिए की गई अलाव व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि अलाव की व्यवस्था नियमित रूप से सुनिश्चित रहे, ताकि आमजन को ठंड से राहत मिल सके।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त महोदया देर रात सदर अस्पताल भी पहुंचीं। यहां उन्होंने आपातकालीन कक्ष एवं विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से संवाद कर प्राप्त हो रही स्वास्थ्य सेवाओं, दवाइयों की उपलब्धता एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। कई मरीजों ने अपनी समस्याएँ साझा कीं, जिनके समाधान के लिए उपायुक्त ने सिविल सर्जन को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि रात में अस्पताल पहुंचने वाले अधिकांश मरीज आपात स्थिति में होते हैं, इसलिए चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों का दायित्व है कि किसी भी मरीज को इलाज के लिए प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी मरीजों का त्वरित निबंधन किया जाए और तत्काल उपचार सुनिश्चित हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस औचक निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, सिविल सर्जन डॉ. सुन्दर मोहन सामाद, नजारत उप समाहर्ता–सह–बीडीओ समीर रेनियर खलखो, नगर परिषद प्रशासक अरविंद तिर्की सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बानो प्रखंड में महिला मेटों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड भवन बानो में बिंतुका, सोय, कोनसोदे, कनारोवां और पाबुड़ा पंचायतों के मनरेगा के तहत कार्यरत महिला मेटों के लिए एक दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी नैमुद्दीन अंसारी और प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी चारु प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया।प्रशिक्षण में मंतोष कुमार और आशीष झा ने महिला मेट की भूमिकाओं पर विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि महिला मेट होने से कार्यस्थल पर महिलाएँ सहज महसूस करती हैं और मनरेगा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी करती हैं। वे मजदूरों की उपस्थिति, मापन और पारदर्शिता सुनिश्चित करती हैं। महिला मेट की भूमिका ग्रामीण समाज में लैंगिक समानता को मजबूत करती है और स्वयं रोजगार का अवसर प्रदान करती है।चारु प्रसाद ने सभी महिला मेटों से अपने क्षेत्र में सक्रिय होकर योजना का नापी करने, मजदूरों को मनरेगा कानून से अवगत कराने और नियमित प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। नैमुद्दीन अंसारी ने उम्मीद जताई कि प्रशिक्षण से महिला मेट अपने ज्ञान और कौशल में वृद्धि करेंगी और मनरेगा के माध्यम से अपने गांव के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।मौके पर उर्मिला, पूनम, शिमला, सुनीता, आईलीन, बलवंती, अनीता, निर्मला, स्नेहा, बरखा, कांति, और निर्दोष उपस्थित थे।

दिव्यांगता दिवस पर नालसा के निर्देश में वेबिनार, सुप्रीम कोर्ट के फैसलों पर चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा वेबिनार एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिले के सभी लिटरेसी क्लब,लीगल एड क्लीनिक तथा जिला मुख्यालय स्थित डालसा कार्यालय सभागार में एक साथ जुड़कर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला जज राजीव कुमार सिन्हा ने की। प्राधिकार की सचिव मरियम हेमरोम,चीफ एलएडीसीएस प्रभात कुमार श्रीवास्तव तथा जिले के सभी पारा लीगल वॉलंटियर्स उपस्थित रहे। वेबिनार के दौरान नालसा के विशेषज्ञों ने दिव्यांगजनो के अधिकारों और उनके संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा पारित महत्वपूर्ण कानूनों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जिसमें मेंटल हेल्थ केयर एक्ट 2017,मेंटल डिसेबिलिटी लीगल सर्विस यूनिट, दिव्यांगता से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी अधिनियम तथा सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण फैसले को सरल भाषा में समझाया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि नालसा द्वारा दिव्यांगजनो को न्याय दिलाने,उनके अधिकारों की रक्षा करने और आवश्यक कानूनी सहायता उपलब्ध कराने हेतु कई योजनाएँ चलाई जाती हैं। जिनका लाभ आम नागरिक आसानी से ले सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला जज राजीव कुमार सिन्हा ने प्रश्न पूछा कि क्या पारा लीगल वॉलंटियर को दिव्यांग मित्र के रूप में नियुक्त किया जा सकता है।

बानो प्रखंड के बड़काडुईल पंचायत में कृषक पाठशाला आयोजित

किसानों को सरसों की आधुनिक खेती के गुर सिखाए गए

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड के बड़काडुईल पंचायत अंतर्गत नवागांव ग्राम में मंगलवार को सेम योजना के तहत कृषक पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को सरसों की उन्नत खेती से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों की जानकारी दी गई।कृषक पाठशाला के प्रथम सत्र में मिट्टी जांच की विधि, सरसों की खेती के लिए आवश्यक पोषक तत्वों तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों को बताया गया कि संतुलित पोषण से फसल उत्पादन में वृद्धि होती है और मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहती है।सत्र के दौरान कृषि में आधुनिक उपकरणों के उपयोग और लाभों पर भी जानकारी साझा की गई। साथ ही सरसों के पत्तों पर लगने वाले रोग—भुवा, पीलू एवं लाही की पहचान, कारण एवं प्रभावी उपचार के तरीकों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया।इस कृषक पाठशाला में उप परियोजना निदेशक आत्मा सिमडेगा प्रवीण सिंह, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक आत्मा सिमडेगा कुमार सौरभ, एनटीएम बानो सुनील समद, एटीएम बानो ओबैदुल्लाह एहरार सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रारंभ

सिमडेगा। वनवासी कल्याण केंद्र झारखंड की शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सलडेगा में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार पाठक ने बताया कि शिशु वाटिका (अरुण-प्रिनर्सरी, प्रभात-यूकेजी) और प्रथम कक्षा में प्रवेश के लिए विशेष अवसर उपलब्ध हैं।इसके अलावा कक्षा द्वितीय से दशम तक के लिए भी नामांकन फार्म का वितरण प्रारंभ हो चुका है। शिशु वाटिका में प्रवेश लेने वाले नए छात्रों के लिए दिसंबर से मार्च तक निःशुल्क कक्षा संचालित की जाएगी, जिससे बच्चों को सहज वातावरण में प्रारंभिक मार्गदर्शन मिल सके।

16 दिवसीय अभियान में जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम जारी

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। छोटानागपुर कल्याण निकेतन द्वारा 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित 16 दिवसीय अभियान के तहत जिले में जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस अभियान में स्कूलों, पंचायत प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।अभियान के तहत संस्था की टीम ने समाहरणालय, एसपी कार्यालय और अन्य सरकारी कार्यालयों में जाकर अधिकारियों को रिस्टबैंड बांधे और स्टीकर चिपकाए। इन माध्यमों से संदेश दिया गया कि हिंसा केवल शारीरिक नहीं बल्कि डिजिटल माध्यम से भी बढ़ रही है, जिसे रोकने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।इस क्रम में एसपी सिमडेगा एम. अर्शी, एडिशनल कलेक्टर ज्ञानेंद्र और उप विकास आयुक्त से मिलकर अभियान का उद्देश्य साझा किया गया और महिलाओं के लिए हिंसा मुक्त सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की अपील की गई।अभियान का लक्ष्य समुदाय और प्रशासन दोनों को साथ लेकर जेंडर आधारित हिंसा और डिजिटल अपराधों के प्रति संवेदनशील बनाना है, ताकि महिलाओं और किशोरियों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार किया जा सके। इस अवसर पर संस्था की सचिव प्रियंका सिंह, शकुंतला सिंह, आरती देवी, मुन्नी कुमारी, राखी देवी, हीरामणि देवी और विमल बड़ाइक सहित पूरी टीम उपस्थित रही।यह पहल महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

कुरडेग मार्ग पर बेंदोजोर में फंसे ट्रक से लगा जाम

सिमडेगा। सिमडेगा–कुरडेग मुख्य मार्ग पर बेंदोजोर के पास निर्माणाधीन नाले के डायवर्सन में मंगलवार शाम एक ट्रक फंस जाने से यातायात बाधित हो गया। ट्रक के बीच सड़क पर फंस जाने से दोनों ओर बड़े वाहनों की लंबी कतार लग गई और जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई।सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और ट्रक को हटवाने के लिए जेसीबी की मदद से रेस्क्यू कार्य शुरू किया। पुलिसकर्मी यातायात को सामान्य करने में लगातार जुटे रहे। इस दौरान छोटी वाहनों का आवागमन प्रभावित नहीं हुआ और उन्हें सावधानीपूर्वक डायवर्सन से गुजरने दिया गया।करीब कुछ देर की मशक्कत के बाद प्रशासन ने ट्रक को सड़क से हटवा दिया।

विकलांग सेवा आश्रम में विशेष विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विश्व विकलांगता दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा बुधवार को सलडेगा स्थित विकलांग सेवा आश्रम में विशेष विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में प्राधिकार की सचिव मरियम हेमरोम तथा चीफ एलएडीसीएस प्रभात कुमार श्रीवास्तव आदि ने आश्रम में रह रहे दिव्यांगजनों से संवाद करते हुए उन्हें उनके कानूनी अधिकारों,सरकारी योजनाओं और विधिक सहायता सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। सचिव मरियम हेमरोम ने बताया कि कानून में दिव्यांगजनों के लिए कई वैधानिक अधिकार निर्धारित हैं,जिनका उद्देश्य उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और हर कदम पर न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा दिव्यांगजनों को निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाता है,जिससे वे किसी भी कानूनी मामले में निर्भीक होकर सहायता प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा संचालित पेंशन योजना का लाभ हर योग्य व्यक्ति को मिलना चाहिए। यदि किसी पात्र दिव्यांगजन को पेंशन या अन्य कल्याणकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है,तो वे सीधे प्राधिकार कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। प्राधिकार उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेगा और आवश्यक कानूनी सहयोग प्रदान करेगा। चीफ एलएडीसीएस प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने भी दिव्यांगजनों को उनके वैधानिक अधिकारों,सरकारी अधिनियमों तथा सहायताओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

विद्यालय व्यवस्था कस्तूरबा गांधी विद्यालय जलडेगा का बीडीओ ने किया औचक निरीक्षण, सप्लायर व शिक्षिकाओं को शो-कॉज नोटिस

मेनू आधारित भोजन में घोर लापरवाही पर वार्डन को लगी फटकार

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ प्रवीण कुमार ने बुधवार को कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, जलडेगा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में छात्राओं की उपस्थिति, विद्यालय व्यवस्था, शिक्षण कार्य तथा भोजनालय की स्थिति की विस्तार से जांच की गई। बीडीओ ने कहा कि यह निरीक्षण शिक्षण गुणवत्ता, अनुशासन, उपस्थिति और पोषण व्यवस्था में सुधार लाने के उद्देश्य से किया गया है, ताकि छात्राएँ बेहतर वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें।

कम उपस्थिति पर नाराजगी, शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश

निरीक्षण में नामांकन के अनुपात में उपस्थिति काफी कम पाई गई। इस पर बीडीओ ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि नामांकन भले शत-प्रतिशत हो गया हो, लेकिन उसी अनुरूप उपस्थिति भी शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने प्रबंधन को निर्देश दिया कि नियमित उपस्थिति की निगरानी हो, ताकि प्री-बोर्ड एवं बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम मिल सके।निरीक्षण में यह भी पाया गया कि अधिकांश शिक्षकों की पाठ योजना अधूरी थी। केवल तीन शिक्षकों की पाठ योजना उचित मिली। इस पर बीडीओ ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अगली जांच में खामियाँ मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। जिन शिक्षकों की पाठ योजना अधूरी थी, उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया।

शौचालय मरम्मत, टंकी, मैदान समतलीकरण का लिया जायजा

बी डी ओ ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर शौचालय की टंकी, मरम्मत कार्य एवं मैदान समतलीकरण की स्थिति देखी। सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता को निर्देश दिया गया कि शौचालय मरम्मत के लिए प्राक्कलन तैयार कर उपायुक्त को भेजें तथा मैदान समतलीकरण का प्राक्कलन भी शीघ्र भेजा जाए। कंप्यूटर ऑपरेटर की छुट्टी के कारण लेखा दस्तावेजों की जांच नहीं हो सकी। बीडीओ ने प्रधान लिपिक युगल किशोर बड़ाईक को एक सप्ताह के भीतर सभी लेखा दस्तावेजों की जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।

मेनू के अनुरूप भोजन न मिलने पर वार्डन को फटकार, सप्लायर को नोटिस

निरीक्षण में पाया गया कि छात्राओं को मेनू के अनुसार भोजन नहीं मिल रहा है। वार्डन ने कारण बताया कि सप्लायर सुरभि इंटरप्राइजेज समय पर सामग्री उपलब्ध नहीं कराता। इस पर बीडीओ ने वार्डन को फटकार लगाते हुए सप्लायर को स्पष्टीकरण पत्र जारी करने का निर्देश दिया कि किस परिस्थिति में समय पर आपूर्ति नहीं की जाती। बीडीओ ने वार्डन को हर हाल में मेनू आधारित भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनमोहन कुमार गोस्वामी, सहायक अभियंता प्रकाश मुंडा, कनिष्ठ अभियंता दीपक बड़ाईक, लिपिक अंशु प्रिया और प्रधान लिपिक युगल किशोर बड़ाईक उपस्थित थे।

विभावि के शिक्षाशास्त्र विभाग में डॉ राजेंद्र प्रसाद जयंती समारोह आयोजित

भारत देश हमेशा राजेंद्र बाबू का ऋणी रहेगा : डॉ सुकल्याण मोइत्रा

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के तत्वाधान में बुधवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागीय प्राध्यापक प्रो मृत्युंजय प्रसाद ने किया। बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने डॉ राजेंद्र प्रसाद के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डॉ राजेंद्र प्रसाद मुख्य रूप से तीन महत्वपूर्ण भूमिका में रहे। सबसे पहले उन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई में खुलकर भाग लिया और तीन वर्ष से ऊपर भारत के विभिन्न जिलों में बिताए। इसी क्रम में वह तीन बार हजारीबाग केंद्रीय कारा में भी रहे। इसी दौर में वह तीन मौके पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष भी बनाए गए। उसके बाद भारत जैसे विविधता वाले देश के संविधान निर्माण हेतु गठित संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने बड़ी जिम्मेदारी निभाई। और उसके बाद 1950 से 1962 तक भारत के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने सादगी और सहजता का एक उच्च आदर्श भारत की राजनीति में स्थापित किया। डॉ मोइत्रा ने बताया कि ऐसे सर्वत्यागी महापुरुषों पर आयोजित कार्यक्रमों को गंभीरता से लेनी चाहिए तथा इन्हें पूरी श्रद्धा से याद करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि यह देश डॉ राजेंद्र प्रसाद और उनके जैसे महापुरुषों का सर्वथा ऋणी रहेगा। इस मौके पर उन्होंने बाल बलिदानी खुदीराम बोस को भी याद किया जिनकी भी जयंती 3 दिसंबर को ही होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर मृत्युंजय प्रसाद ने डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की जीवन यात्रा और विचार यात्रा के महत्वपूर्ण प्रसंग को सबके समक्ष रखा। इससे पूर्व डॉ राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर पुष्प अर्पण तथा मंगलद्वीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। छात्रा आकांक्षा मिश्रा ने अपने भजन गायन से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थी सुजल कुमार साहू तथा सानिया परवीन ने अपनी कविताओं और भाषण के माध्यम से डॉ राजेंद्र प्रसाद के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की।

कैंप लगाकर 120 मरीजों का हुआ इलाज

जलडेगा। प्रखंड परिसर के समीप बुधवार को जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी सुभद्रा कुमारी के निर्देशानुसार ऑस्टियो आर्थराइटिस एवं अन्य मस्कुलोस्केलेटल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्घाटन बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार ने फीता काटकर किया।इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ खुर्शीद हसन ने जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, गठिया, स्नायुवेधन, मांसपेशी, तंत्रिका, गर्दन, पीठ सहित विभिन्न प्रकार के दर्द और खुजली जैसी समस्याओं से पीड़ित 120 लोगों की जांच कर मुफ्त उपचार किया तथा निशुल्क दवा वितरित की।कैंप में योग प्रशिक्षक लालधारी नाग, बलिराम सिंह, जयंती कुमारी, हेमंती कुमारी और मोदित बड़ाईक ने रोगों के अनुसार योग एवं प्राणायाम की जानकारी दी। उन्होंने लोगों को प्रतिदिन योग को दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर सहिया दीदी सहित बड़ी संख्या में मरीज उपस्थित रहे।

धान अधिप्राप्ति योजना के सुचारु क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत धान अधिप्राप्ति योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय सभागार, सिमडेगा में जिला आपूर्ति पदाधिकारी की उपस्थिति में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण राज्य एन॰आई॰सी॰ एवं झारखण्ड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड, राँची के विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।प्रशिक्षण के दौरान किसानों के पंजीकरण की प्रक्रिया, धान बिक्री के लिए ऑनलाइन ऐप के माध्यम से स्लॉट बुकिंग, किसानों से धान क्रय की नियमावली, लैम्पस से राइस मिल तक धान प्रेषण की प्रक्रिया तथा अग्रिम सीएमआर से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी–सह–जिला प्रबंधक, झारखण्ड राज्य खाद्य निगम, सिमडेगा ने स्टेक होल्डरों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का समाधान किया तथा योजना के सफल क्रियान्वयन और व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए।मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, सभी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, लैम्पस में प्रतिनियुक्त जनसेवक/कर्मी, विभिन्न लैम्पसों के अध्यक्ष एवं सचिव सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बीआरसी बरकट्ठा में मासिक गुरु गोष्ठी का आयोजन, विभिन्न कार्य सूची पर की गई चर्चा

बरकट्ठा। प्रखंड संसाधन केंद्र बरकट्ठा में बुधवार को मासिक गुरु गोष्ठी का आयोजन बीपीएम धीरज कुमार शर्मा की देखरेख में की गई। इस निमित प्रखंडाधीन विभिन्न विद्यालय के प्रधानाध्यापक/ शिक्षक शामिल हुए। वहीं विभागीय कार्य सूची पर क्रमवार चर्चा की गई एवं उनसे संबंधित प्रतिवेदन एकत्रित किया गया। गुरु गोष्ठी के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए सीआरपी रामकृष्ण पांडेय ने जाति, आवासीय एवं आय से संबंधित प्रतिवेदन, पोषण वाटिका से संबंधित प्रतिवेदन, ई विद्या वाहिनी में स्टूडेंट अटेंडेंस अपडेशन, एमडीएम रिपोर्ट ,ईवीवी में टीचर अटेंडेंस, एमडीएम मासिक प्रतिवेदन, वर्गावार-कोटिवार नामांकन संख्या तथा मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2025-26 के फाइनल सबमिशन एवं पंचायत वार एक विद्यालय का चयन कर बीआरसी को उपलब्ध कराने संबंधित चर्चा की ।वहीं एमआईएस कोऑर्डिनेटर आसिफ अली ने डहर 2.0 ऐप पर विस्तृत चर्चा करते हुए टोला मैपिंग से संबंधित लोगों को जानकारी दी। इस दौरान मैं निपुण मेरा विद्यालय निपुण के अंतर्गत SFLP एफएल PROJECT FIELD कोऑर्डिनेटर मनीष कुमार लाल ने शिक्षक हस्त पुस्तिका एवं छात्र कार्य पुस्तक पर क्रम वद्ध तरीके से कार्य करने, ब्लेंडिंग, स्कैफोल्डिंग तकनीक को अपनाने तथा एमडीएम के बाद 30 मिनट का प्रेक्टिस टाइम संचालन करने को कहा ताकि कक्षा 1 और 2 के बच्चे निपुण मानकों को हासिल कर पाए। मौके पर अजप्ता प्रखंड सचिव रामकिशुन महतो, सहायक अध्यापक प्रखंड सचिव शुकर ठाकुर ,केजीबीवी वार्डेन अंजू बाला करकेट्टा, शिक्षक दिनेश महतो, पवन कुमार, सुंदरलाल साव, रूपलाल रविदास समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

धनबाद में माइंस के अंदर कर्मी की मौत पर परिजनों का हंगामा

कंपनी प्रबंधन ने नौकरी और मुआवजे का किया एलान

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। जिले के भागाबांध स्थित इगल दीप इंफ्रा आउटसोर्सिंग कंपनी के माइंस परिसर में सोमवार देर रात एक कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. मृतक की पहचान बोकारो के चंदनकियारी निवासी बबलू बाउरी के रूप में हुई है, वो रात की पाली में कोयला कटाई के कार्य पर तैनात थे. परिजनों के मुताबिक, बबलू बाउरी रात लगभग 3 बजे पानी पीने के बाद बाथरूम गए थे, यहां अचानक गिरने से उनकी मौत हो गई. उनका कहना है कि शव के गले के पास एक निशान मिला है, जिससे मौत को लेकर संदेह और गहरा गया है. वहीं मृतक के बेटे ने सवाल पूछा है कि माइंस के अंदर उनकी मौत कैसे हुई? इसका स्पष्ट जवाब कंपनी प्रबंधन के पास नहीं है. घटना की जानकारी मिलते ही मंगलवार सुबह परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में आउटसोर्सिंग कंपनी के मुख्य द्वार पर पहुंचे और जमकर हंगामा किया. उनका आरोप है कि प्रबंधन, घटना की पूरी जानकारी देने से बच रहा है, जबकि कंपनी प्रबंधन ने मृतक के परिजन को नौकरी और मुआवजा उपलब्ध कराने की सहमति जताई है.

हार्ट की बीमारी से हुई कर्मी की मौत: प्रबंधन

इधर, पीबी एरिया के जीएम जीसी साहा ने बताया कि माइंस के अंदर, बबलू बाउरी रूफ बोल्टिंग का काम किया करते थे. कार्य के दौरान हार्ट की बीमारी के कारण उनकी स्थित बिगड़ने लगी, जिसके बाद उनके सहकर्मी उन्हें लेकर एसएनएमएमसीएच रवाना हो गए लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया.

मृतक के आश्रित को मिलेगी नौकरी एवं मुआवजा

जीएम जीसी साहा ने आगे बताया कि माइंस के अंदर किसी तरह की मिथेन गैस नहीं मिली है. ओवरमैन, माइनिंग सरदार के द्वारा समय समय पर मिथेन गैस की जांच की जाती है, फिर भी मामले की जांच पड़ताल की जाएगी. उन्होंने आखिर में बताया कि मुआवजे का जो प्रावधान है, उसके तहत आश्रित को मुआवजा और नियोजन आउटसोर्सिंग कंपनी में दी जाएगी.

खूंटी के जंगल से युवती का क्षत-विक्षत शव बरामद, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

खूंटी। जिले के कर्रा थाना क्षेत्र के मुरहू-कटमकुकु जंगल से मंगलवार शाम को कर्रा पुलिस ने एक नग्न अवस्था में सिर कुचला एक युवती का शव बरामद किया है. पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और युवती की शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इंस्पेक्टर अशोक सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि युवती की शिनाख्त के लिए असपास के गांव, टोलो एवं थानों से मदद ली जा रही है. उन्होंने कहा कि जांच के लिए टीम बना दी गई है. जल्द ही मामले का खुलासा हो जाएगा. कर्रा पुलिस को ग्रामीणों द्वारा सूचना मिली कि मुरहु-काटमकुकु जंगल के नग्न अवस्था पर सिर कुचला हुआ एक युवती का शव पड़ा हुआ है. सूचना पर कर्रा पुलिस मुरहु-कटमाकुकु जंगल पहुंची. जहां देखा कि जंगल के पगडंडी से करीब 20-25 फिट अंदर सिर कुचला हुआ नग्न अवस्था में एक युवती का शव पड़ा हुआ है. शव देखने से प्रतीत होता है कि घटना चार-पांच दिन पहले की है. युवती का दुष्कर्म करके बुरी तरह से हत्या कर दी गई और साक्ष्य छुपाने के लिए युवती का सिर कुचल दिया गया है. घटनास्थल से कर्रा पुलिस को सिर कुचला हुआ पत्थर, मृतक युवती का बाल, जबड़े की हड्डी का टुकड़ा समेत कुछ कपड़े मिले हैं.बताया जाता है कि ग्रामीणों ने मुरहु-काटमकुकु जंगल में लोधमा आने-जाने वाले मुख्य सड़क पर मांस सड़ने जैसे दुर्गंध महसूस किया. जिसके बाद खोजबीन की तो ग्रामीणों ने देखा कि नग्न अवस्था में सिर कुचला हुआ एक युवती का शव पड़ा हुआ है, जिसमें कीड़ा-मकौड़े लगे हुए हैं और शव के एक हाथ को जंगली जानवरों ने नोच खरोंच कर खा लिया है. इसके बाद ग्रामीणों ने घटना की जानकारी कर्रा पुलिस को दी. गौरतलब है कि अप्रैल 2025 में लोधमा के नजदीक मुरहु-काटमकुकु मुख्य सड़क किनारे कुंबा में एक युवती का जला हुआ शव कर्रा व खूंटी पुलिस ने बरामद किया था।

टंकी से डीजल चोरी करने वाले गिरोह के 4 सदस्यों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। एसपी अजय कुमार ने बुधवार को प्रेस वार्ता में हाईवा एवं ट्रकों की टंकी से डीजल चोरी करने वाले गिरोह के 4 सदस्यों के गिरफ्तार होने की जानकारी दी। एसपी ने बताया कि विगत 2 दिसंबर को उन्हें रात लगभग 11:30 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि रामगढ जिला के लाईन होटलो के पास खड़ी हाईवा/ट्रकों के तेल टैंकर से लॉक तोड़कर तेल चोरी करने वाला गिरोह एक अल्टो कार से गोला थाना अंतर्गत भ्रमणशील है। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में एक छापमारी दल का गठन किया गया ।उक्त छापामारी टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम हेमतपुर प्रेम लाईन होटल के पास (रिलांयस पेट्रोल पम्प के सामने) वाहन चेकिंग अभियान करना प्रारम्भ किया गया। कुछ देर वाहन चेकिंग करने के उपरांत एक अल्टो कार दिखाई दिया। जिसे रोकने का प्रयास किया गया तो चालक वाहन को तेजी से भागने लगा। जिसे खदेडकर पकड़ा गया। अल्टो कार में तीन व्यक्ति सवार थे। अल्टो कार की तलाशी लेने पर अल्टो कार के पीछे वाली सीट एवं डिक्की में ब्लू रंग का 5 जार दिखा जिसे देखकर एवं सुंघकर प्रतीत हुआ की यह डीजल जैसा द्रव्य है। अल्टो कार में बैठे व्यक्तियों को गाड़ी से नीचे उतारकर बारी-बारी से नाम पता पूछने पर अपना नाम गोपी मुंडा, सागर बेदिया, विजय बेदिया, बताया गया है। तत्पश्चात अल्टो कार में रखे ब्लू रंग 5 गैलेन में डीजल जैसा द्रव्य के बारे में पूछताछ किया तो इन लोगों के द्वारा बताया गया कि ब्लू रंग के जार में डीजल भरा हुआ है।

ग्राम पंचायत समसेरा में बाल सभा एवं महिला सभा का आयोजन

बोलबा। समसेरा में पंचायतीराज विभाग के निर्देशानुसार विशेष ग्राम सभा के पूर्व चरण में ग्राम पंचायत समसेरा के राजकीय मध्य विद्यालय अलिंगुड में बाल सभा एवं महिला सभा का आयोजन मुखिया सुरजन बड़ाईक की अध्यक्षता में किया गया। मुखिया सुरजन बड़ाईक ने बाल सभा एवं महिला सभा के उद्देश्य, महत्व एवं उनसे संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा, पोषण, आधार-पंजीकरण, टीकाकरण, आंगनबाड़ी एवं प्राथमिक शिक्षा से जुड़ी आवश्यकताओं पर जोर दिया। साथ ही बाल श्रम, बाल विवाह, बाल उत्पीड़न तथा अवैध व्यापार जैसी समस्याओं से बचाव हेतु जागरूकता फैलाने की बात कही।महिला सभा के दौरान महिलाओं के सशक्तिकरण, डायन प्रथा, अंधविश्वास, कुरीतियों एवं महिला उत्पीड़न के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने पर चर्चा की गई।

कोलेबिरा में पांच दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का समापन

कोलेबिरा। उद्यान विकास योजना के तहत कोलेबिरा प्रखंड के बरसलोया पंचायत सचिवालय में आयोजित पांच दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिला उद्यान पदाधिकारी सिमडेगा के वित्तीय सहयोग, विनायका इंटरप्राइजेज रांची के तकनीकी मार्गदर्शन और कोलेबिरा बरसात प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के संचालन में यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया।समापन अवसर पर प्रशिक्षित किसानों को मशरूम उत्पादन के लिए आवश्यक किट वितरित की गई। आत्मा के बीटीएम ने कहा कि प्रशिक्षण का लाभ उठाकर किसान व्यावसायिक रूप से मशरूम उत्पादन करें, जो आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि विभाग आधुनिक तकनीकियों के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।एफपीओ के सीईओ एवं प्रशिक्षक सोनू सिंह ने किसानों को सलाह दी कि वे तकनीकी रूप से सही विधि अपनाकर मशरूम की खेती करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक अपनाने से उत्पादन अधिक और लागत कम होती है।कार्यक्रम में एफपीओ के प्रबंध निदेशक नीलम बरजो, मुखिया संदीप सद मुंडा, किसान जगरनाथ ओहदार, जगदीश राम, शिवानी देवी, नीलम देवी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

बानो प्रखंड में महिला उद्यमियों को दिया व्यावसायिक प्रशिक्षण

बानो। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सिमडेगा की टीम ने बुधवार को बानो प्रखंड का दौरा कर स्थानीय महिला उद्यमियों को व्यवसाय संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिया। यह कार्यक्रम झारखंड स्वयं सहायता समूह और ग्रामीण विकास परियोजना के सहयोग से चल रहे 32 दिवसीय राष्ट्रीय प्रमाणपत्र प्रशिक्षण का हिस्सा था, जो चार नवंबर से सीआरपी ईपीडीदियों के लिए RSETI सिमडेगा में आयोजित किया गया है। इसी क्रम में उन्होंने बानो प्रखंड की चार महिला उद्यमियों — मनीषा खातून जनरल स्टोर, ज्योति देवी (मिठाई दुकान), तबस्सुम फातमा फर्नीचर शॉप और सबनम परवीन (पेपर प्लेट यूनिट) के व्यवसायों का निरीक्षण किया।फील्ड विजिट में व्यापार की व्यवहारिक चुनौतियों, ग्राहक सेवा, लाभ बढ़ाने की रणनीतियों और व्यवसाय प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण का नेतृत्व RSETI प्रशिक्षक राजेश पांडे और राजेश कुमार सिन्हा ने किया। इस अवसर पर महिला संगठन की सदस्य दीदियां, और ब्लॉक परियोजना प्रबंधक भी उपस्थित रहे। इस पहल से न केवल प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान मिला, बल्कि स्थानीय महिला उद्यमियों को अपने व्यवसाय को बेहतर बनाने की प्रेरणा भी मिली।

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीज की मौत

परिजनों ने लगाया गलत इंजेक्शन देने का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

जांच कर दोषियों पर होगी कार्रवाई : सुपरिटेंडेंट

इस पूरे मामले पर शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉक्टर अनुकरण पूर्ति ने बताया कि मामले की जानकारी प्राप्त हुई है, जांच चल रही है. उन्होंने कहा कि टीम बनाकर पोस्टमार्टम भी किया जा रहा है. सुपरिटेंडेंट ने कहा कि पूरे मामले में अगर कोई दोषी होगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा. उस पर कार्रवाई की जाएगी.

हजारीबाग। जिले के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल एक बार फिर सुर्खियों में है. इस बार चिकित्सकों पर आरोप लगा है कि उन्होंने मरीज को गलत इंजेक्शन दे दिया, जिससे मरीज की मौत हो गई. इस बाबत अब मामला गरमाता जा रहा है और अस्पताल के सुपरिटेंडेंट ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन भी दिया है. वहीं परिजनों का कहना है कि जांच करने से क्या मरीज वापस जिंदा हो जाएगा. हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मंगलवार सुबह इलाज के दौरान चौधरी यादव नामक मरीज की मौत हो गई. मरीज 30 नवंबर की शाम अस्पताल में कीटनाशक दवा का सेवन करने के बाद भर्ती हुआ था. चौधरी यादव की उम्र लगभग 45 साल थी. परिजनों ने आरोप लगाया है कि इलाज के दौरान लापरवाही से मरीज की मौत हुई है. मरीज की मौत के बाद यह आरोप लगाया कि डॉक्टर के द्वारा पर्चे में लिखे इंजेक्शन की जगह गलत स्लाइन मरीज को चढ़ा दी गई. जिससे मरीज की मौत हो गई.
सांसद मनीष जायसवाल के प्रतिनिधि रंजन चौधरी खबर सुनकर अस्पताल पहुंचे. इस पूरे मामले के लिए उन्होंने आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से बहाल लोगों पर सवाल खड़े किए. उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए और जो भी मामले में दोषी हैं, उन पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए. वहीं परिजनों का कहना है कि ऐसी लापरवाही पर कड़ी से कड़ी सजा होनी चाहिए, ताकि घटना की पूनरावृत्ति न हो.

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–75/2025–26 (2nd Call)

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 17.12.2025 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 18.12.2025 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 18.12.2025 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, रॉची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष रॉची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष रॉची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	अग्रधन की राशि (रू०)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation of School of Nursing Ground Floor (G.N.M.) attached to RIMS, Ranchi (Except Bath Block)	33,38,100.00	5000.00	67000.00	4 Months

नोट :निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।
कार्यपालक अभियन्ता
PR 367614 Building(25-26)D भवन निर्माण विभाग भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

झारखण्ड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड, राँची
(झारखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉर्पोरेट पहचान सं0 –U51228JH2010SGC014519, TIN No - 20520108277
उत्पाद भवन, भूतल, नवीन पुलिस केंद्र के समीप, काँके रोड़, राँची – 834008
E-mail :- jsbcl.jharkhand@gmail.com

पत्रांक–JSBCL/ स्था0–05/2012–2458 दिनांक–03.12.2025

–शुद्धि पत्र–

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा प्रकाशित E-Tender for Empanelment of Security Guard & MTS हेतु ई–आमंत्रण सूचना संख्या–JSBCL/Esst.-05/2012-06, दिनांक–14.11.2025, जिसका– Advt. P.R. No.- 366091, दिनांक–14.11.2025 के आलोक मे दिनांक–21.11.2025 के अपराह्न 04:00 बजे को विभिन्न एजेन्सियों द्वारा E-Tender for Empanelment of Security Guard & MTS के Pre-bid बैठक में उठाये गये आपत्ति/सुझाव पर निविदा समिति द्वारा आहूत बैठक में समीक्षोपरान्त निम्नांकित बिन्दुओं पर संशोधन हेतु सहमति प्रदान की गयी :–

Sl. No.	Particulars	Suggestions
Cover-II (c)	Envelop Part-II JSBCL/SG/Part-II Financial Bid.	वित्तीय बिड केवल ऑन–लाईन माध्यम से जमा किया जायेगा।
6 (c)	A copy of the latest Three Years filed income tax return may be provided.	श्री फिरोज अहमद, सहायक आयुक्त, वाणिज्य–कर विभाग, राँची द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए वार्षिक रिटर्न फाईलिंग की तिथि दिसंबर 2025 निर्धारित है। अतः जिस कंडिका में Relevant Three (03) Financial Years का उल्लेख है वहाँ वित्तीय वर्ष 2021–22, 2022–23 एवं 2023–24 तथा कर निर्धारण वर्ष 2022–23, 2023–24 एवं 2024–25 समझा जाय।
6 (e)	Please indicate the degree of computerization in the organization.	विलोपित किया जाता है।
7.2	Cover- II (Financial Bid)	श्री एतवारी महतो, अधीक्षक श्रम, श्रम विभाग, राँची के द्वारा बताया गया कि– कर्मियों के पारिश्रमिक भुगतान के संदर्भ में श्रम कानून का अनुपालन किया जाना अनिवार्य है। अतः वित्तीय निविदा में केवल सर्विस चार्ज (BOQ के अनुसार) Quote किया जाय एवं कर्मियों के पारिश्रमिक भुगतान के संबंध में सभी श्रम कानूनों का अनुपालन किया जाय।

निविदा समिति के द्वारा सुदृढ़ प्रतिभागीता के दृष्टिकोण से निविदा समर्पित करने की तिथि–09.12.2025 के अपराह्न 05:00 बजे को दिनांक–17.12.2025 के अपराह्न 05:00 बजे एवं तकनीकि निविदा के खोलने की तिथि–18.12.2025 के अपराह्न 04:00 बजे तक विस्तारित किया जाता है।

ह0/–
महाप्रबंधक (संचालन)
झा0रा0बि0कॉ0लि0, राँची
PR 367644 (Excise)25-26*D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

जानबूझकर आप जो भी करते हैं, उसके प्रति सावधान रहें, क्योंकि यदि आपकी इच्छा-शक्ति अत्यंत बलशाली न हुई, तो अवचेतन मन की आदतों को प्रभावित करने की शक्ति के कारण आपको विवशतापूर्वक वही कार्य बारंबार करना पड़ सकता है। **- श्री श्री परमहंस योगदानंद**

संपादकीय

चीन दिखता मजबूत है

वैश्विक स्तर पर चीन मजबूत नजर आता है। दुनिया को आकार देने की ताकत के मामले में यह अमेरिका का एकमात्र प्रतिद्वंद्वी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हाल ही में हुई बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापार युद्ध विराम की घोषणा की। इसने इस धारणा को बल दिया कि एक मजबूत राष्ट्र बाहरी चुनौतियों का सामना करने के लिए एकजुट है, जिसे बढ़ावा देकर बीजिंग बेहद खुश है। लेकिन चीन में वह मजबूत मुखौटा धराशायी हो गया है, क्योंकि आर्थिक और व्यक्तिगत संभावनाओं के धूमिल होने की निराशा व्याप्त है। एक आत्मविश्वासी राष्ट्र और उसकी थकी हुई आबादी के बीच का यह अंतर एक मुहावरे में व्यक्त होता है, जिसका इस्तेमाल चीनी लोग अपने देश का वर्णन करने के लिए करते हैं- 'वाई कियांग, झोंग गान', यानी बाहर से मजबूत, अंदर से कमजोर। कई लोगों को लग रहा है कि जिन सरकारी नीतियों ने चीन को विदेशों में मजबूत दिखाया है, वही नीतियां उन्हें नुकसान पहुंचा रही हैं। उन्हें लगता है कि सरकार घरेलू चुनौतियों से निपटने के बजाय वैश्विक प्रभाव बनाने और निर्यात बाजारों पर कब्जा करने में ज्यादा दिलचस्पी रखती है। कई साल पहले निजी क्षेत्र पर की गई सरकारी कार्रवाई को मध्यम वर्ग की आजीविका को कमजोर करने के लिए दोषी ठहराया जाता है, जबकि वित्तीय संसाधन उन उद्योगों में लगाए जा रहे हैं, जिन्हें सरकार रणनीतिक रूप से ज्यादा महत्वपूर्ण मानती है, जैसे इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा और जहाज निर्माण। इस बीच, दुर्लभ मृदा तत्वों की आपूर्ति और प्रसंस्करण पर चीन ने जो वैश्विक नियंत्रण हासिल किया है, उससे घरेलू वायु और मृदा प्रदूषण बढ़ रहा है। इन दिनों, लोगों में इस बात को लेकर काफी आक्रोश है कि सरकार विश्व शक्ति बनने और अमेरिका को हराने के जुनून में बेसुध हो गई है। सरकार की नवीनतम पंचवर्षीय योजना स्पष्ट करती है कि वह जनहित के बजाय राष्ट्रीय शक्ति को प्राथमिकता देने पर जोर दे रही है।जब अमेरिका के साथ टैरिफ युद्ध तेज हो गया, तो पीपुल्स डेली के संपादकीय में तर्क दिया गया कि बीजिंग अपने संसाधनों को केंद्रीकृत करने और राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने में उनका उपयोग करने की अपनी क्षमता के कारण अमेरिकी धौंस का विरोध कर सकता है। चीनी इंटरनेट पर इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। एक वायरल सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया कि सरकार भले ही शेखी बघारती हो, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी और बच्चों की शिक्षा 'कठिनाइयों से भरी' है। लेखक ने लिखा कि अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध जीतने का मतलब है कुछ लोगों की बलि देने की तैयारी करना। सेंसर ने जल्द ही इस पोस्ट और इसके जैसे अन्य पोस्टों को ब्लॉक कर दिया। वर्षों पहले चीनी लोग पीपुल्स डेली के ऐसे संपादकीय पर उस सहज राष्ट्रवाद के चलते तालियां बजाते थे, जो सरकार ने दशकों से लोगों में भर रखा है। युवा बेरोजगारी इतनी अधिक है कि पिछले साल सरकार ने अपनी गणना पद्धति में बदलाव किया, जिससे यह संख्या कम हो गई। मगर, नया आंकड़ा भी चिंताजनक रूप से ऊंचा बना हुआ है। अनुमान है कि 20 करोड़ लोग गिग अर्थव्यवस्था में अनिश्चित करिअर से गुजारा करते हैं। आवास बाजार में आई भारी गिरावट के कारण अपनी कुल संपत्ति में कमी का सामना करने वाले उपभोक्ता खर्च में कटौती कर रहे हैं, जिससे अर्थव्यवस्था असुरक्षा के चक्र में फंस रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हाल ही में हुई बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापार युद्ध विराम की घोषणा की।

प्रत्येक महिला हो रहीं सशक्त, अमृत काल में नारी शक्ति का नया दौर प्रारंभ

जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो राष्ट्र का उत्थान होता है। समानता और न्याय के मूल्यों पर आधारित समाज में, महिला की गरिमा से कतई समझौता नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिए हमारे समग्र कार्यक्रम- मिशन शक्ति- के ज़रिए इसे संस्थागत ढांचे में बदलकर इस विश्वास को फिर से मजबूत किया है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही कहा है, "हमारी सरकार महिलाओं के लिए 'सम्मान' और 'सुविधा' को सबसे ज़्यादा महत्व देती है।'' ये मार्गदर्शक शब्द केवल भावनाएँ मात्र नहीं, अपितु वह नींव हैं, जिस पर मोदी सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए मिशन शक्ति के तहत भारत के कोने-कोने में मज़बूत संस्थागत तंत्र स्थापित किए हैं।

इस प्रयास के केंद्र में मिशन शक्ति की "संबल'' उप-योजना के तहत चलने वाले वन स्टॉप सेंटर (ओएससी) हैं। 2015 में शुरू हुए ये केंद्र हिंसा की शिकार महिलाओं को एकीकृत सहायता तंत्र प्रदान करते हैं, ताकि उन्हें खामोश रहकर पीड़ा न सहनी पड़े और न ही बिखरी हुई सहायता प्रणालियों के बीच भटकना पड़े। आज तक, पूरे भारत में 862 ओएससी चल रहे हैं, जिनसे 12.20 लाख से ज़्यादा महिलाओं को एक ही छत के नीचे कानूनी मदद, चिकित्सा सहायता, पुलिस की मदद, आश्रय और मनोवैज्ञानिक परामर्श जैसी एकीकृत मदद मिली है।

डर से आज़ादी तक, खामोशी से सहायता तक - ओएससी ऐसे स्थान हैं जहाँ से घाव भरने की शुरूआत होती है। ये केंद्र प्रतिक्रियात्मक शासन से आगे बढ़कर सक्रिय शासन का रुख करते हैं। चाहे किसी महिला को अपने घर, कार्यस्थल या सार्वजनिक स्थान पर हिंसा का सामना करना पड़े, ओएससी उसके पुनर्वास, गरिमा और न्याय दिलाने में मदद करने के मोदी सरकार के संकल्प का प्रमाण हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि ये केंद्र अस्पतालों के भीतर या उनके पास स्थापित किए गए हैं, ताकि तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके - जो मुश्किल समय में पहला ज़रूरी कदम है। महिला हेल्पलाइन (181) का सार्वभौमीकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जो संकट से घिरी महिलाओं के लिए 24x7 मदद सुनिश्चित करके ओएससी का पूरक बनता है। 35 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में संचालित यह हेल्पलाइन अब तक 2.56 करोड़ से अधिक कॉल संभाल चुकी है और 93.48 लाख से अधिक महिलाओं की मदद कर चुकी है (30 सितंबर तक)। आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस-112) से एकीकृत यह हेल्पलाइन संकट और राहत के बीच की दूरी को पाटती है।

आज की बात

अन्नपूर्णा देवी
केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

व्यवस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने और तेजी से न्याय पहुंचाने के लिए, हमने 745 फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय स्थापित किए हैं, जिनमें से 404 विशेष पॉक्सो न्यायालय हैं। इन न्यायालयों ने यह सुनिश्चित करते हुए कि न्याय में देरी का मतलब न्याय से इनकार नहीं है, अब तक 3.06 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया है। सुनाया गया प्रत्येक फ़ैसला, बहाल किया गया प्रत्येक अधिकार न्यायपूर्ण और लैंगिक समानता वाले भारत की ओर उठाया गया एक कदम है। न्याय मिलना अब प्रक्रियात्मक देरी के कारण बाधित नहीं होता, और प्रत्येक सर्वाइवर समय पर राहत की उम्मीद कर सकता है। इसके साथ ही, हम पुलिस स्टेशनों पर 14,658 महिला हेल्प डेस्क (डब्ल्यूएचडी) के साथ ज़मीनी स्तर को मज़बूत कर रहे हैं, जिनमें से 13,700 से ज़्यादा की कमान महिलाएँ संभाल रही हैं। ये डेस्क सर्वाइवर्स में अपराधों की रिपोर्ट करने का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, जिन्हें महिलाओं से संबंधित मुद्दों के प्रति संवेदनशील प्रशिक्षित कार्मिकों की सहायता मिलती है। महिला अधिकारियों की मौजूदगी न केवल आत्मविश्वास बढ़ाती है, बल्कि संस्थागत संवेदनशीलता और जवाबदेही को भी मज़बूत करती है।

हम 807 एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स (एएचटीयू) के ज़रिए मानव तस्करी से भी निपट रहे हैं और निर्भया कोष के तहत रेलवे और सड़क परिवहन सेवाओं में आपातकालीन निगरानी प्रणालियों की स्थापना के जरिए सुरक्षित गतिशीलता सुनिश्चित कर रहे हैं। ये कदम कि महिलाओं का सुरक्षित रूप से यात्रा करना, निडर होकर काम करना और सार्वजनिक एवं निजी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति करना सुनिश्चित करते हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण सिर्फ़ प्रतिक्रिया तक ही सीमित नहीं है, बल्कि रोकथाम, पुनर्वास और सशक्तिकरण तक व्याप्त है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) जैसी पहलों के ज़रिए, हम सोच बदल रहे हैं और सम्मान, बराबरी और अवसर के मूल्य स्थापित कर रहे हैं। पीएमएमवीवाई और सखी निवास के ज़रिए, हम ऐसी व्यवस्थाएं बना रहे हैं, जो महिलाओं को सिर्फ़ सर्वाइवर के तौर पर ही नहीं, बल्कि देश की प्रगति में हितधारकों के तौर पर भी महत्व देती हैं। हमारे सखी निवास हॉस्टल, जिनमें से कई शहरी प्रत्येक और अर्ध-शहरी इलाकों में हैं,- 26,000 से ज़्यादा कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित और किफायती रहने की जगह दे रहे हैं जिससे वे बिना किसी डर के अपने सपने पूरे कर सकती हैं। मिशन शक्ति के तहत हमारी रणनीति एकीकरण, समन्वय और सामुदायिक स्वामित्व पर आधारित है। संकल्पः हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ़ विमेन की शुरुआत के साथ, हमने स्थानीय क्रियान्वयन में एक रणनीतिक परत जोड़ी है, जिससे महिलाएँ एक ही प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से कई योजनाओं का लाभ ले सकती हैं। स्थानीय स्तर पर सशक्तिकरण और समन्वय के केंद्र के रूप में कार्य करने वाले इन केंद्रों के ज़रिए 27 लाख से ज़्यादा महिलाएं लाभान्वित हो चुकी हैं। महिलाओं के खिलाफ हिंसा केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, यह एक राष्ट्रीय सरोकार है। प्रत्येक निर्मित ओएससी, प्रत्येक हेल्पलाइन कॉल जिसका उत्तर दिया गया, और निपटाया गया प्रत्येक मामला, ऐसा भारत बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहाँ प्रत्येक महिला गरिमा, सुरक्षा और गर्व के साथ जीवन जी सके। जैसे-जैसे हम अमृत काल -भारत की प्रगति और बदलाव के स्वर्णिम दौर& में कदम रख रहे हैं, महिलाओं का सशक्तिकरण सिर्फ़ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन बन चुका है। सशक्त महिलाओं को केंद्र में रखे बगैर 2047 तक विकसित भारत बनाने का विज़न अधूरा है। नारी शक्ति कोई नारा नहीं है। यह हमारी रणनीति है। यह हमारी ताकत है। यह हमारा भविष्य है। महिलाएं -देखरेखकर्ता, परिवर्तनकर्ता, उद्यमियों और नेतृत्वकर्ताओं के तौर पर -विकसित भारत की रीढ़ हैं। उन्हें सम्मान, सुरक्षा और अवसर देना सुनिश्चित करना अनिवार्य है। हमारा सफ़र जारी है, एक समय में एक सशक्त महिला, एक समय में एक सुरक्षित.स्थान के साथ। और प्रत्येक कदम के साथ, हम एक मज़बूत, सुरक्षित और अधिक समावेशी भारत का निर्माण कर रहे हैं।

ईमानदारों का सम्मेलन

पहली बार जिला मुख्यालय में "ईमानदारों का राष्ट्रीय सम्मेलन" आयोजित हुआ। स्वागत द्वार पर बड़े अक्षरों में लिखा था-"सच्चाई ही हमारी पहचान है।" नीचे छोटा अक्षर में लिखा था-"प्रायोजकः यूनिवर्सल कंस्ट्रक्शन कंपनी (जिस पर सीबीआई की जांच जारी है)।" मुख्य अतिथि, माननीय मंत्री जी, जिन्होंने हाल ही में अपनी तीसरी पत्नी के नाम पर पाँच एकड़ ज़मीन रजिस्टर कराई थी, मंच पर पहुँचे तो तालियाँ गूँज उठीं। भीड़ में से किसी ने कहा-"यही सच्चे ईमानदार हैं, सब कुछ खुलेआम करते हैं!" मंत्री जी मुस्कुराए। उन्होंने भाषण में कहा-"देश को अब ईमानदारी की कमी नहीं, बस पहचानने की ताकत चाहिए।" भाषण समाप्त होते ही मंच संचालक ने घोषणा की-"अब ईमानदारी सम्मान समारोह होगा।" पुरस्कार स्वरूप मंत्री जी ने हर प्रतिनिधि को घड़ी भेंट की, जिस पर उनका चुनाव चिन्ह खुदा था। पत्रकारों ने पूछा-"घड़ी असली है या नकली?" आयोजक बोला-"घड़ी असली है, बस समय नकली बताती है।" दूसरा सत्र 'नैतिकता के नए मानदंड' पर था। एक वक्ता, सरकारी बाबू, बोले-"पहले रिश्वत को अपराध माना जाता था, अब यह सहयोग शुल्क कहलाने लगी है। समाज विकासशील है, शब्दावली भी होनी चाहिए।" दूसरे वक्ता, प्राइवेट स्कूल के संचालक, बोले-"हम बच्चों में नैतिकता लाने के लिए जीना कठिन बना देते हैं। फिर जब बच्चा नियम तोड़ने लगे, तो वही असली नागरिक कहलाता है।" सभागार तालियों से गूंज उठा। तभी मंच के पीछे से आवाज़ आई-"कृपया चोरी गई कुर्सियाँ वापस करें।" प्रतिनिधि मुस्कुराए-"ईमानदारी का सम्मेलन है, कुर्सियाँ कहाँ जाएँगी?" कुछ देर बाद पाया गया कि दर्जनभर कुर्सियाँ पार्किंग में बिक्रय हेतु रखी थीं। आयोजक ने घोषणा की-"यह व्यवस्था शुल्क है।" बाबू जी बोले-"वाह, देश आगे बढ़ रहा है!" तीसरे सत्र में "डिजिटल ईमानदारी" पर चर्चा हुई। एक युवा अफ़सर ने कहा-"अब सब ऑनलाइन है। भ्रष्टाचार भी पारदर्शी हो गया है। ट्रांजैक्शन सीधे खाते में आती है, दलालों की ज़रूरत नहीं रही। यह डिजिटल इंडिया की सफलता है।" एक और विद्वान बोले-"ईमानदारी अब ऐप में मिलती है, वेरिफाई करके डाउनलोड करनी पड़ती है।" तभी मंच के सामने एक गरीब व्यक्ति अपनी फ़ाइल लेकर आया-"बाबू जी, दो महीने से आवेदन लंबित है।" बाबू ने मुस्कुरा कर कहा-"भाई, यह ईमानदारी का सम्मेलन है, सुविधा केंद्र नहीं। यहाँ सिर्फ भाषणों की अनुमति है, काम की नहीं।" वह आदमी चुप हो गया, लेकिन पौधे के पास खड़ा एक बच्चा बोला-"अगर यह ईमानदार हैं, तो हमारे गाँव में झूठे कौन रहते हैं?" सभा मौन हो गई। पंखे की आवाज़ में ईमानदारी की झिल्ली सी फड़फड़ाने लगी। सम्मेलन के अंत में अध्यक्षीय वक्तव्य हुआ।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

व्यंग्य की बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

जीवन के संचार के पुन: जोड़ने वाले देवता कामदेव

भारतीय संस्कृति में प्रेम, काम, वासना और रूप के देव माने जाने वाले काम के देवता कामदेव जीवन के संचार के पुनः जोड़ने वाले देवता के रूप में प्रतिष्ठित, विराजित व पूजित हैं। कामदेव को भारतीय सभ्यता- संस्कृति और अध्यात्म में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। प्रेम का देवता मानकर कामदेव की अत्यंत प्राचीन काल से पूजा-अर्चना किये जाने की भारत में लंबी परिपाटी रही है। वर्तमान में भी प्रेम प्राप्ति, और प्रेमी- प्रेमिका के संबंध को मधुरमय बनाने तथा पति-पत्नी के दाम्पत्य संबंध को प्रेममयी बनाये रखने के लिए कामदेव की पूजन- अर्चा की जाती है। प्राचीन काल से ही भारत में काम को निकृष्ट नहीं मानकर उसे दैवी स्वरूप प्रदान किया गया है। और उसे कामदेव के रूप में मान्यता दी गई है। भगवान शिव के द्वारा अपनी क्रोधाग्नि में काम को भस्म करने के बाद उसे अनंग रूप में पुनः जीवित करना उसकी विकृतता की नहीं, बल्कि महता को स्थापित करता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में काम का साहचर्य उत्सव मनाने योग्य माना गया है। जब तक काम मर्यादा में रहता है, उसे भगवान की विभूति माना जाता है, लेकिन जब और जैसे ही वह मर्यादा छोड़ देता है तो आत्मघाती बन जाता है, शिव का तीसरा नेत्र (विवेक) उसे भस्म कर देता है। भगवान शिव द्वारा किया गया काम संहार का मूल भाव यही है। उनकी पत्नी रति हैं, जिनके द्वारा यह भूतल सृजित है। कामदेव को अनंग भी कहा जाता है। अनंग का अर्थ होता है- बिना अंग वाला अर्थात जिसके कोई शरीर नहीं हो, वह अनंग कहलाता है। भगवान शिव ने उनकी समाधि में विघ्न डालने के कारण रुष्ट होकर अपने तृतीय नेत्र से कामदेव को भष्म कर कामदेव पत्नी रति के रुदन को देखकर व देवताओं की प्रार्थना पर कामदेव को अनंग रूप दिया था। भारतीय पंचांग में भगवान शिव से संबंधित व्रत प्रदोष काल व त्रयोदशी से जुड़े हुए हैं। त्रयोदशी की तिथि के साथ ही अधिकांश प्रदोष व्रत का संयोग जुड़ा हुआ होता है। अनंग देव से संबंधित व्रत भी भगवान शिव से संबंधित होने के कारण त्रयोदशी तिथि से संयुक्त है। बिना अंग वाले अनंग देव के पूजन का उत्तम दिवस अनंग त्रयोदशी कहलाता है। अनंग देव के पूजन का दिन अनंग त्रयोदशी व्रत वर्ष भर प्रत्येक चंद्र मास की शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को किये जाने का विधान है, परंतु स्थान एवं मतांतर भेद के कारण विशेष रूप से अनंग त्रयोदशी व्रत गुजरात, महाराष्ट्र आदि कुछ क्षेत्रों में मधुमास अर्थात चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मनाई जाती है, जबकि उत्तर भारत में यह मार्गशीर्ष शुक्ल त्रयोदशी को हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। वर्ष 2025 में मार्गशीर्ष शुक्ल त्रयोदशी तिथि का समय 02 दिसम्बर 2025 दिन सोमवार के अपराह्न 03:57 से शुरू होगा और इसकी समाप्ति 03 दिसम्बर मंगलवार को अपराह्न 12:26 बजे होगी। अनंग त्रयोदशी व्रत भगवान शिव एवं आदि शक्ति माता भगवती पार्वती से संबंधित है। व्रत के जनक भगवान कामदेव एवं उनकी पत्नी भूतल सृजिनी रति की कृपा प्रसाद पाने के लिए किया जाता है। यह व्रत पुनः जीवन के संचार को जोड़ने वाला है, जिससे संबंधित अनेक कथाएं पौराणिक ग्रंथों में अंकित प्राप्य हैं। त्रयोदशी व प्रदोष काल के संयुक्त होने से अनंग त्रयोदशी व्रत का महत्व और भी बढ़ जाता है। त्रयोदशी तिथि में प्रदोष व्रत का संयोग जुड़े होने पर यह समय शिवभक्ति के लिए सोने में सुहागा की भांति हो जाती है, और इसका फल उत्तम फलदायिनी सिद्ध होता है। महादेव एवं भोले बाबा के रूप में प्रतिष्ठित भगवान शिव प्रदोष एवं त्रयोदशी के व्रत का पालन करने वाले सभी भक्तों को वांछित फलों को देते हैं। जिससे दुःख दारिद्रय समाप्त होते हैं। इस अनंग त्रयोदशी के व्रत के पालन से अनेक कष्टों से मुक्ति मिलती है। वैवाहिक जीवन अत्यंत सुखद हो उठता है। पति एवं पत्नी की कलह को विराम मिलता है। निः संतान दम्पत्ति संतान सुख की अनुभूति प्राप्त करते हैं। इस व्रत के पालन से पुण्य प्रभाव प्राप्त होती है। विधि- विधानपूर्वक विश्वास एवं आस्था के साथ इस व्रत का पालन करने से तन एवं मन के कष्टों से छुटकारा प्राप्त होता है। प्रेम और काम के देवता कामदेव की पत्नी रति को प्रेम, जुनून और मिलाप की देवी माना गया है। मान्यता है कि कामदेव-रति की पूजा-अर्चना से पति-पत्नी के बीच कभी कोई मतभेद नहीं होता और दोनों के बीच उत्तम शारीरिक संबंध पैदा होते हैं, जो एक खुशहाल दाम्पत्य जीवन के लिए अति आवश्यक भी हैं। मान्यतानुसार कामदेव की पत्नी के पूजन व उनका ध्यान कर किये गए मंत्र- ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे-मंत्र के लगातार इक्कीस दिनों तक एक माला अर्थात 108 बार जप से पति-पत्नी के बीच की समस्त प्रकार की दूरियां व नोक-झोक समाप्त हो जाती है और दोनों में नजदीकियां बढ़ जाती हैं। अनंग त्रयोदशी व्रत से संबंधित प्रचलित कथा तारकासुर और देवताओं से संबंधित है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आपकी बात

अशोक 'प्रवृद्ध'

फेसबुक वॉल से

एक्स से

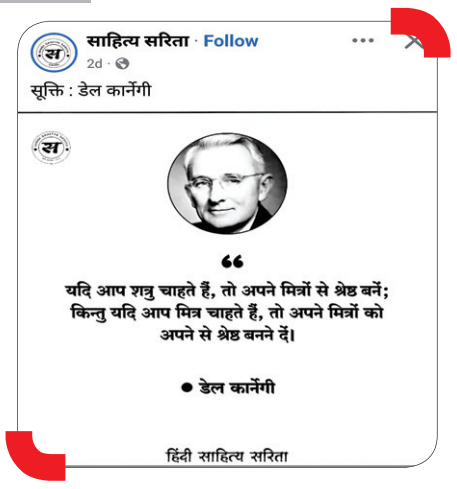

आज का दोहा

पहरा देता रह गया, नभ,चंदा हर ओर।
पर रजनी को ले गया, सूरज आकर भोर।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com

कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

वॉटर, वॉर व वीरता : नौसेना दिवस की कहानी

जब समुद्र की लहरें तेज़ी से उठती हैं और युद्धपोतों की गड़गड़ाहट आसमान तक गूँजती है, तब पूरा भारत गर्व से भर उठता है-यही है नौसेना दिवस की सच्ची शक्ति। 4 दिसंबर का यह खास दिन वह पल है जब देश अपने समुद्री वीरों को दिल से सलाम करता है। यह कोई साधारण तारीख नहीं, बल्कि 1971 के भारत-पाक युद्ध की वह यादगार रात है जब भारतीय नौसेना ने कराची बंदरगाह पर ऐसा वार किया कि दुश्मन संभल ही नहीं पाया। ऑपरेशन ट्राइडेंट, जिसका नाम सुनते ही रोमांच दौड़ जाए। पहली बार किसी एशियाई देश ने एंटी-शिप मिसाइलों का इस्तेमाल किया, चार पाकिस्तानी जहाज़ डूब गए, कराची का बंदरगाह जल उठा और उनकी नौसेना बिखरकर रह गई। यह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि समुद्री युद्ध के इतिहास में लिखा गया एक चमकता हुआ अध्याय था। तभी से 4 दिसंबर भारतीय नौसेना दिवस के रूप में पूरे देश में गर्व के साथ मनाया जाता है। लेकिन यह दिन सिर्फ इतिहास की वीरगाथा नहीं सुनाता, यह वर्तमान की ताकत और भविष्य की तैयारी का भी प्रमाण है। भारतीय नौसेना आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे सक्षम नौसेनाओं में शुमार है। 67000 से ज्यादा जांबाज़ सैनिक, 150 से अधिक युद्धपोत, 250 से भी अधिक विमान और पनडुब्बियाँ-ये सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि हिंद महासागर में भारत की संप्रभुता का दस्तावेज़ है। आईएनएस विक्रांत-देश का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत-जब समुद्र में उतरा, तब पूरी दुनिया ने देखा कि भारत अब सिर्फ खरीदार नहीं, बल्कि खुद अपनी शक्ति गढ़ने वाला राष्ट्र है। वहीं आईएनएस अरिहंत ने जब परमाणु त्रिशूल पूरा किया, तो बड़े-बड़े देश भी भारत की क्षमता के आगे गंभीर हो गए। बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस यह पनडुब्बी दुश्मन के लिए साफ संदेश है-भारत की ओर आँख उठाई, तो कीमत भी चुकानी पड़ेगी और जवाब भी ऐसा मिलेगा कि याद रखना मुश्किल हो जाएगा। हिंद महासागर में भारतीय नौसेना आज सिर्फ रक्षक नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का संतुलन संभालने वाली शक्ति है। मालदीव संकट में जब ऑपरेशन कैक्टस चला, श्रीलंका में आईपीकेएफ के दौरान जब नौसेना ने मानवीय मदद पहुँचाई, सुनामी की तबाही में जब हजारों जानें बचाईं, और हाल ही में ऑपरेशन राहत व ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब युद्धग्रस्त देशों से भारतीयों को सुरक्षित घर लाया गया-हर बार नौसेना ने साबित किया कि उसकी ज़िम्मेदारी केवल समुद्र की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। उसकी पहुंच वहां तक है, जहाँ तक भारत का एक भी नागरिक मौजूद है-चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो। आज जब चीन अपनी 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति से हिंद महासागर में घेरा कसने की कोशिश कर रहा है, भारतीय नौसेना बिल्कुल शांत बैठने वाली नहीं है। क्वाड का मजबूत सदस्य बनकर, मालाबार अभ्यास में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ कदम मिलाकर, फ्रांस के साथ वरुण अभ्यास में अपनी क्षमता दिखाकर, और रूस के साथ इंद्रा नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेकर भारत ने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है-हिंद महासागर में दबाव, धमकी या दादागिरी नहीं चलेगी। आईएनएस विक्रमादित्य, आईएनएस चक्र, ब्रह्मोस से लैस स्टील्थ फ्रिगेट्स और पी-8आई पोसाइडन विमान सिर्फ हथियार नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और समुद्री शक्ति के चमकते प्रतीक हैं। लेकिन नौसेना की सच्ची शक्ति उसके लोहे के जहाज़ों में नहीं, बल्कि उन सफेद वर्दी वाले वीरों में बसती है। वे ही हैं जो महीनों अपने परिवार से दूर रहते हैं; जब तूफान जहाज़ को झकझोरता है, नीचे अथाह समुद्र और ऊपर दुश्मन की नज़र होती है-फिर भी उनके चेहरे पर मुस्कान रहती है। वे समुद्र की गोद में रातें काटते हैं, ताकि करोड़ों भारतीय चैन से सो सकें। उनकी आँखों में गहराई है, दिल में देशभक्ति की गर्मी और हाथों में अजेय साहस। और उनके पीछे खड़ी होती हैं वे माएँ जो बेटे के जहाज़ पर चढ़ते ही आशीर्वाद देती हैं, वे पत्नियाँ जो हर तूफान में प्रार्थना करती हैं, वे बच्चे जो दिन गिनते रहते हैं-यही मौन शक्ति नौसेना को अपराजेय बनाती है। हर साल नौसेना दिवस पर जब गेटवे ऑफ इंडिया के सामने जहाज़ सलामी देते हैं, जब मिग-29के आसमान को चीरते हुए दहाड़ते हैं, जब काले परिधान में मार्कोस कमांडो अपने रोमांचक करतब दिखाते हैं-तब हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। पर यह गर्व सिर्फ उस पल तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि यह नीली सीमा हमें यूँ ही नहीं मिली; इसे वीरों ने अपने जीवन से सुरक्षित किया है। कैप्टन महेंद्र नाथ मुल्ला, जिन्होंने आईएनएस खुकरी के डूबते समय जहाज़ के साथ समुद्र में समा जाना चुना, सिखाते हैं कि वर्दी से ऊपर कुछ भी नहीं। जय हिंद। जय भारतीय नौसेना।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की बात

प्रो. आरके जैन

04 दिसम्बर: विश्व नौसेना दिवस

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

तलाकशुदा मुस्लिम महिला को दहेज में मिला पैसा व तोहफा वापस पाने का है हक

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा कि तलाक पर अधिकारों का संरक्षण एक्ट, 1986 के तहत एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला को पिता से मिले दहेज का पैसा और सोना वापस पाने का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला तलाकशुदा महिला रौशनारा बेगम के मामले में सुनाया, जिन्होंने अपने पहले पति से दहेज के रूप में प्राप्त सात लाख रुपए और तीस ग्राम सोने की वापसी के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। रौशनारा बेगम का निकाह 2005 में हुआ था और 2011 में उनका तलाक हो गया था। निकाह के समय महिला के पिता ने दामाद को सात लाख रुपए और तीस ग्राम सोने के गहने दिए थे, जिसकी जानकारी निकाह रजिस्टर में दर्ज थी। हालांकि, कलकत्ता हाईकोर्ट ने काजी और महिला के पिता के बयानों में असंगति का हवाला देते हुए महिला का दावा खारिज कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा कि निकाह के समय मिले धन और गहनों का संबंध महिला की सुरक्षा और गरिमा से है। अदालत ने इस कानून की व्याख्या महिला के समानता और गरिमा के संवैधानिक अधिकारों के आधार पर की। सुप्रीम कोर्ट ने रौशनारा के पति को सात लाख रुपए और तीस ग्राम सोने का मूल्य सीधे महिला के बैंक खाते में जमा करने का आदेश सुनाया। आदेश का पालन न करने पर पति पर नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज लागू होगा और उसे अदालत में इसके अनुपालन का हलफनामा देना होगा। कोर्ट ने कहा है कि भारत का संविधान

● तलाक पर अधिकारों का संरक्षण एक्ट, 1986 मुस्लिम महिला की इज्जत और वित्तीय सुरक्षा सुरक्षित करता है

सभी के लिए एक उम्मीद यानी बराबरी तय करता है, जो जाहिर है, अभी तक हासिल नहीं हुई। इस मकसद को पूरा करने के लिए कोर्ट को अपनी सोच को सोशल जस्टिस के आधार पर रखना चाहिए। इसे सही संदर्भ में कहें तो 1986 के एक्ट का दायरा और मकसद एक मुस्लिम महिला के तलाक के बाद उसकी इज्जत और वित्तीय सुरक्षा को सुरक्षित करना है, जो भारत के संविधान के आर्टिकल 21 के तहत महिलाओं के अधिकारों के मुताबिक है। कोर्ट ने कहा कि इसलिए इस एक्ट को बनाते समय बराबरी, इज्जत और आजादी को सबसे ऊपर रखना चाहिए और इसे महिलाओं के अपने अनुभवों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

भ्रष्टाचार के मामले में सेवानिवृत्त व्यक्ति को भी कोई छूट नहीं मिलनी चाहिए : इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज। सेवानिवृत्त अभियंता ने एक विधायक के रिश्तेदार द्वारा की गई शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ शुरू की गई जांच को चुनौती दी थी। विपिन चंद्र वर्मा ने दलील दी कि अधिकारियों को 2015 और 2022 के बीच कथित अनियमितताओं के संबंध में सितंबर, 2025 में उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने का कोई अधिकार नहीं है। वर्मा तीस जून, 2025 को सेवानिवृत्त हुए थे। इन अनियमितताओं के संबंध में अप्रैल, 2025 में विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष एक शिकायत दी गई थी, जिसके बाद जिलाधिकारी को इस मामले की जांच करने को कहा गया। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि यह शिकायत राजनीति से प्रेरित है और शिकायत पर विचार करते समय संबंधित नियमों की अनदेखी की गई। वकील ने दलील दी कि याचिकाकर्ता जून में सेवानिवृत्त हो गये इसलिए उनते मुवक्किल और प्रतिवादी अधिकारियों के बीच नियोक्ता व कर्मचारी का कोई संबंध नहीं रह गया, इन स्थितियों में याचिकाकर्ता को ऐसा कोई नोटिस नहीं दिया जाना चाहिए था। अधिवक्ता ने यह दलील भी दी कि लोक सेवा नियमन का नियम 351-ए, चार साल से अधिक पुराने मामले में एक सेवानिवृत्त अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही निषेध करता है। हालांकि, शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि 23 अगस्त, 2025 की जांच रिपोर्ट में वर्ष 2022 के सीरियल नंबर 15 में अनियमितताएं पाई गईं चूंकि घटना 2022 की है, यह चार साल की सीमा अवधि के भीतर की है। अदालत ने कहा कि एक लोक सेवक महज वेतन उठाने के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए अपनी सेवाएं देता है इसलिए उस पर उच्च स्तर की जिम्मेदारी होती है। अदालत ने कहा कि जनता या जनप्रतिनिधि के पास एक सरकारी कर्मचारी द्वारा उसके आधिकारिक दायित्वों में किसी भी तरह की लापरवाही को उजागर करने का विकल्प खुला रहना चाहिए फिर चाहे कर्मचारी सेवारत हो या फिर सेवानिवृत्त। अदालत ने याचिकाकर्ता को जांच में उचित सहयोग करने और एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी पर लागू संबंधित नियमों का पालन करने का निर्देश दिया।

भाजपा का कांग्रेस पर हमला

रेवंत रेड्डी ने हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाया कांग्रेस को हिंदुओं से नफरत

एजेंसी। तेलंगाना

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदुओं के बारे में अपनी हल्की-फुल्की टिप्पणी के माध्यम से राज्य में और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि हिंदुओं के पास हर अवसर के लिए एक भगवान होता है। रेड्डी ने कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक के दौरान यह टिप्पणी की, जिससे विपक्षी भाजपा और उसके वैचारिक स्रोत, आरएसएस को उन्हें घेरने का मौका मिल गया। विपक्ष ने मुख्यमंत्री पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है।

ऑनलाइन सामने आए संबोधन के वीडियो के अनुसार, रेवंत रेड्डी ने कहा कि हिंदू धर्म में कितने देवता हैं? कितने भगवान हैं? तीन करोड़? क्यों? जो अविवाहित हैं उनके लिए भगवान हनुमान हैं। जो दो बार शादी करते हैं उनके लिए एक और भगवान हैं। जो शराब पीते हैं उनके लिए एक और भगवान हैं। येल्लम्मा, पोचम्मा, मैसम्मा। जो चिकन मांगते हैं उनके लिए एक भगवान हैं। और जो दाल-चावल खाते हैं उनके लिए एक और भगवान हैं, है ना? सभी प्रकार के देवता हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की टिप्पणी पर भारी प्रतिक्रिया हुई और विपक्ष ने इसे हिंदू धर्म और रीति-रिवाजों के मूल सिद्धांतों का मज़ाक करार दिया। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा के पूर्व अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस टिप्पणी की निंदा की और कांग्रेस पार्टी पर हिंदुओं के प्रति गहरी नफरत रखने का आरोप लगाया। बंदी संजय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मैं मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा हिंदुओं और हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने वाली टिप्पणियों की कड़ी निंदा करता हूं। कांग्रेस हमेशा से एआईएमआईएम के आगे झुकने वाली पार्टी रही है। रेवंत रेड्डी ने खुद कहा था कि कांग्रेस एक मुस्लिम पार्टी है। यह बयान ही उनकी मानसिकता को उजागर करता है। कांग्रेस हिंदुओं के प्रति गहरी नफरत रखती है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हिंदुओं के ख़िलाफ़ अभियान शुरू कर दिया है। जो भी ऐसी बातें कहता है, वह न तो भारत के संविधान में विश्वास रखता है और न ही भारत की संस्कृति से उसका कोई लेना-देना है। उस व्यक्ति की भावनाएं मुगल आक्रमणकारियों से जुड़ी हुई हैं... रेवंत रेड्डी को कांग्रेस पार्टी को मुस्लिम लीग कांग्रेस पार्टी घोषित कर देना चाहिए।

● बयान के बाद भाजपा और आरएसएस ने मुख्यमंत्री पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया।

● कांग्रेस हमेशा एआईएमआईएम के आगे झुकती रही, रेड्डी ने खुद कांग्रेस को "मुस्लिम पार्टी" बताया था।

पीएम ने बंगाल के बीजेपी सांसदों को दिया चुनावी सफलता का सीक्रेट फॉर्मूला

एजेंसी। कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संसद में पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि राज्य के मौजूदा हालात में स्पष्ट संवाद और जन-सम्पर्क की ज़रूरत है, और पार्टी को ज़मीनी स्तर पर जो कुछ हो रहा है, उसका कड़ा विरोध करना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, 2026 की तैयारियों के संबंध में, प्रधानमंत्री ने सांसदों से विस्तृत प्रस्तुतियाँ तैयार करने और आगामी राजनीतिक योजना व लामबंदी के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री के एक करीबी सूत्र के अनुसार, मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एसआईआर को ज़्यादा जटिल नहीं बनाया जाना चाहिए और यह संदेश ज़मीनी स्तर तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने प्रक्रिया में स्पष्टता और दक्षता पर ज़ोर देते हुए कहा कि एसआईआर अभियान को सरल और पारदर्शी रखें। इसका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि योग्य मतदाताओं को शामिल किया जाए और जो योग्य नहीं हैं उन्हें हटाया जाए। उन्होंने सांसदों से 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी में पार्टी को केंद्रित और आश्वस्त बनाए रखने का भी आह्वान किया। सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी की ताकत का लाभ उठाने और वर्षों से बनी गति को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से कहा कि सांसद खगेन मुर्मू पर हमले जैसी घटनाओं को प्रभावी ढंग से उजागर किया जाना चाहिए ताकि लोग टीएमसी से जुड़ी हिंसा को समझ सकें।

जनता की बजाय मीडिया पर निर्भर विपक्ष : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बुधवार को संसद में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी हरकतें मीडिया का ध्यान खींचने के लिए हैं क्योंकि उन्होंने जनता का समर्थन खो दिया है। उन्होंने आगे कहा कि सदन के बाहर, वे अध्यक्ष के खिलाफ बोलते हैं, जिससे उनके पास विघटनकारी हथकंडे अपनाने के अलावा कुछ नहीं बचता। पत्रकारों से बात करते हुए, गिरिराज सिंह ने कहा कि ये लोग केवल मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसी बातें करते हैं क्योंकि जनता ने उन्हें नकार दिया है। संसद के बाहर, वे अध्यक्ष के खिलाफ बोलते हैं; उनके पास ऐसी बातें करने के अलावा कुछ नहीं बचा है। इससे पहले आज, कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विधायक दल की नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी शामिल थे।

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज को अल्पसंख्यक संस्थान बनाने पर हो विचार : उमर अब्दुल्ला

एजेंसी। जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि अगर लोग वास्तव में कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी चिकित्सा उत्कृष्टता संस्थान में आरक्षित सीटों में रुचि रखते हैं, तो उन्हें इसे अल्पसंख्यक संस्थान बनाने पर विचार करना चाहिए और कॉलेज को दी जाने वाली सरकारी सहायता वापस ले लेनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी भाजपा सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात और कॉलेज के मुद्दे को उठाने के बाद आई है। कॉलेज परिसर में "गुरुकुल" बनाने के विचार के बारे में पूछे जाने पर, अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें इसे बनाने से किसी ने नहीं रोका।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा कि हर बार एक ही सवाल क्यों पूछा जाता है? किसने उन्हें रोका है? आप गुरुकुल बनाइए। अगर आप कॉलेज को धर्म के आधार पर बाँटना चाहते हैं, तो उसे अल्पसंख्यकों के लिए ही रखें। सरकार से जो अनुदान सहायता मिलती है, हम उस पैसे का इस्तेमाल कहीं और कर सकते हैं, हमें कोई समस्या नहीं है। वहां जो ज़मीन आवंटित की गई थी, आप उसकी कीमत पता करें, आपको दी जाने वाली अनुदान सहायता बंद कर दें, अपना दर्जा बदल लें, अल्पसंख्यक बन जाएं। उन्होंने कहा कि कॉलेज में दाखिले योग्यता के आधार पर होते हैं, क्योंकि कॉलेज ने नीट के निर्देशों को भी स्वीकार कर लिया है। उन्होंने पूछा कि इसके बाद अगर आप धर्म के आधार पर सीटें बांटना चाहते हैं तो करिए, आपको कौन रोक रहा है? आप नीट के लिए सहमत हुए, नीट में सिर्फ़ योग्यता देखी जाती है। अगर आपके बच्चे मेरिट लिस्ट में नहीं आते हैं, तो आप दूसरों को कैसे दोष दे सकते हैं? चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर बोलते हुए, जम्मू-कश्मीर ने भारत के चुनाव आयोग से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि सभी राजनीतिक दलों को भी इस प्रक्रिया के बारे में समझाया जाए। उन्होंने कहा कि अगर कुछ राजनीतिक दल एसआईआर के खिलाफ हैं, तो चुनाव आयोग को उन दलों को बुलाकर समझाना चाहिए कि एसआईआर क्या है। मेरा मानना है कि मशीनों (ईवीएम) का इस्तेमाल करके वोटों की चोरी नहीं की जा सकती, लेकिन चुनाव में हेरफेर किया जा सकता है। यहाँ किया गया परिसीमन भी एक हेरफेर था।

● भाजपा सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जेपी नड्डा से मुलाकात और कॉलेज मुद्दा उठाए जाने के बाद अब्दुल्ला की टिप्पणी सामने आई

● "गुरुकुल" बनाने के सवाल पर उमर अब्दुल्ला ने कहा—किसी ने नहीं रोका, चाहें तो बना सकते हैं

आज का राशिफल

मेष : राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका आपके जीवन साथी के साथ किसी बात को लेकर चल रहा वाद विवाद आज समाप्त हो सकता है। अपने परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर आप थोड़ा सा चिंतित हो सकते हैं।

वृष : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशी रहेगी। घर में धार्मिक अनुष्ठान कराने की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अपना कामकाज को आप अपने समय से पूरा कर लेंगे, जिससे आपका मन संतोष रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नई बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे।

कर्क : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके ऊपर भगवान की कृपा बनी रहेगी और आप अच्छे काम करेंगे। आज आपका मन भावनात्मक तौर पर अधिक मजबूत रहेगा। आपका दिन परोपकार के कार्यों में लग सकता है। नौकरी पेशा लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा।

सिंह : राशि के लिए आज का दिन नई उमंग से भरा रहेगा। अगर आपका किसी कारण से मन परेशान है, तो उसे शांत रखने के लिए आप अपने बच्चों के साथ थोड़ा सा समय बिताये, तो आपका मन अच्छा हो जाएगा। एकाग्रता से किया गया काम लाभदायक साबित होगा।

कन्या : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपका धन आज किसी शुभ काम में अधिक खर्च होगा, जिससे आपका मन भी प्रसन्न होगा, जिससे उनको शांति भी मिलेगी। आपके परिवार में आपके कामों को देखते हुए आपकी प्रसिद्धि बहुत अधिक बढ़ सकती है।

तुला : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप का मन आज किसी बात को लेकर बहुत अधिक प्रसन्न रहेगा। आप मन ही मन फूले नहीं समाएंगे। आध्यात्मिकता से अपने मन को बहुत अधिक शांत रखने की कोशिश करेंगे। आज अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आप किसी प्रकार की किसी लंबी यात्रा पर जा सकते हैं, जहां आपको व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए नए अवसर प्राप्त होंगे और बड़ी डील भी प्राप्त हो सकती है, जिससे आपकी आर्थिक समस्याएं दर होंगी।

धनु : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कार्य क्षेत्र में आपके कामों की वाहवाही होगी। आपको आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा, लेकिन आपका धन संबंधित मामला आपके लिए समस्या लेकर आ सकता है। आप मम्मी से आज मन की कोई इच्छा जाहिर करेंगे।

मकर : राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिए आपको ओवर टाईम करना पड़ेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही करने से बचे। टूर एंड ट्रेवल्स और मीडिया संबंधी बिजनेस में नया मोड़ आ सकता है।

कुंभ : राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको समाज में मान सम्मान मिलेगा, जिससे आपका मन बहुत ही संतुष्ट रहेगा। आपका मन धार्मिक कार्यक्रमों में लगा रहेगा। आप किसी मंदिर में दान पुण्य का सामान बांट सकते हैं।

मीन : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपको अपने खर्चों के प्रति सावधान रहना होगा। आप व्यर्थ के खर्चों पर अधिक ध्यान ना दें, अपने सामानों को खरीदने से पहले एक आवश्यक कार्यों के लिस्ट बनाएं कि किस समान की ज्यादा जरूरत है।

दिव्यांगजन के प्रति जागरूक व सक्रिय रहने से सरकार के प्रगतिशील प्रयासों को मिलेगा बल : राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि सरकार के साथ-साथ समाज को भी दिव्यांगजन के हित में जागरूक और सक्रिय रहना चाहिए। इससे सरकार के प्रगतिशील प्रयासों को बल मिलेगा। राष्ट्रपति ने आज दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए वर्ष 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन संवेदनशीलता और करुणा के पात्र नहीं हैं बल्कि बराबरी के हकदार हैं। हितधारकों का यह कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि समाज और देश की विकास यात्रा में वे समान रूप से भागीदारी कर सकें। उन्होंने कहा कि पिछले दशक के दौरान खेल-कूद के क्षेत्र में हमारे दिव्यांग बेटे-बेटियों ने बहुत तेजी से प्रगति के प्रतिमान स्थापित किए हैं। वर्ष 2012 के पैरालंपिक में भारत को एक पदक प्राप्त हुआ था। समाज और सरकार की सजगता और सक्रियता के परिणाम-स्वरूप वर्ष 2024 के पैरालंपिक हमारे खिलाड़ियों ने 29 पदक प्राप्त किए। राष्ट्रपति ने बताया कि वर्ष 2024 में राष्ट्रपति भवन में एक कैफेटेरिया की शुरुआत की गई। इसे दिव्यांगजन चलाते हैं। वहां जाने वाले लोगों को दिव्यांग लोगों की कार्य-कुशलता और अतिथि-सत्कार का बहुत अच्छा अनुभव होता है। वहां काम करने वाले युवा दिव्यांगजन भी उत्साहित रहते हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट आज सुनाएगा 32,000 टीईटी नियुक्ति रद्द मामले में अंतिम फैसला

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एकल पीठ द्वारा 32,000 नियुक्तियों को रद्द करने के मामले में अंतिम फैसला सुनाएगा। इससे पहले, न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की एकल पीठ ने 2023 में प्राथमिक शिक्षकों (टीईटी) की नियुक्ति रद्द करने का आदेश दिया था। 32,000 शिक्षकों की पश्चिम बंगाल टीईटी नियुक्ति में कथित अनियमितताओं की सुनवाई 12 नवंबर को न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती और रीताब्रतकुमार की खंडपीठ में संपन्न हुई थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय की पीठ आज दोपहर 2 बजे टीईटी नियुक्ति मामले पर फैसला सुनाएगी। पश्चिम बंगाल टीईटी इससे पहले 2014 में आयोजित की गई थी और लगभग 1.25 लाख उम्मीदवारों ने टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण की थी। भर्ती प्रक्रिया 2016 में शुरू हुई थी।

उत्तर प्रदेश में घुसपैठियों की उल्टी गिनती हो गई है शुरू : योगी

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य भर में कथित रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है और राज्य के हर संभाग में हिरासत केंद्र स्थापित करने के आदेश जारी किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 शहरी स्थानीय निकायों को अपने अधिकार क्षेत्र में अवैध प्रवासियों की विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। ये सूचियाँ आगे की जाँच के लिए संबंधित आयुक्तों और महानिरीक्षकों को सौंपी जाएँगी। मुख्यमंत्री ने सभी 18 संभागों के संभागीय आयुक्तों और 18 रेंजों के पुलिस महानिरीक्षकों को प्रत्येक संभाग में एक निरोध केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया है ताकि अवैध प्रवासियों को उनके निर्वासन तक रखा जा सके। यह निर्देश कुछ दिनों पहले ही उन्होंने सभी जिलाधिकारियों (डीएम) को घुसपैठियों और अवैध प्रवासियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए थे। इससे पहले, जिलाधिकारियों को जिलों में अस्थायी निरोध केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए थे। आयुक्तों और पुलिस महानिरीक्षकों को रोहिंग्या और बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान जारी रखने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संबंधित नगर निगमों से सूचियाँ प्राप्त होते ही, आयुक्तों और पुलिस महानिरीक्षकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि उनके संभाग या क्षेत्र में सभी अवैध प्रवासियों का पता लगाया जाए, उनका सत्यापन किया जाए और उचित औपचारिकताओं के अनुसार उन्हें निर्वासित करने से पहले हिरासत केंद्रों में रखा जाए। एक सरकारी प्रवक्ता ने पुष्टि की कि 22 नवंबर को मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद से ही ज़िलों में रह रहे/रोज़गार कर रहे अवैध प्रवासियों की पहचान और पता लगाने के लिए ज़िले के डीएम और एसपी अभियान चला रहे हैं।

राजभवन अब लोकभवन | खड़गे-नड्डा के बीच तीखी नोकझोंक, विपक्षी सांसदों का शोर

'लोकभवन' नामकरण पर राज्यसभा में हुआ हंगामा

● मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक तकरार देखने को मिली।

एजेंसी। नई दिल्ली

बुधवार को राज्यसभा में कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे और सभापति सीपी राधाकृष्णन के बीच तीखी बहस हुई। उच्च सदन में राज्यपाल के आवास का नाम बदलकर लोकभवन करने पर चर्चा के लिए सहमति बनने के बाद यह बहस शुरू हुई। खड़गे ने सभापति राधाकृष्णन से कहा कि हर चीज़ इस विषय से जुड़ी है और आपके (राज्यसभा अध्यक्ष) कार्यालय में इस विषय पर चर्चा हुई थी। उसके बाद सिर्फ़ उन्होंने (डोला सेन) ही बात की। सदन के नेता हस्तक्षेप नहीं कर सकते और यह नहीं कह सकते कि सब कुछ असंसदीय है, आप हटाएँ। नेता कह रहे हैं, नेता बुलडोज़र चला रहे हैं। जेपी नड्डा द्वारा चर्चा से असंबंधित किसी भी बात को हटाने के आह्वान पर सवाल उठाते हुए, खड़गे ने राज्यसभा के सभापति से पूछा, "क्या हम संसदीय लोकतंत्र के अनुसार (सदन को) नहीं चलाना चाहते? सभी रिकॉर्ड, उन्हें सुरक्षित रखें, एक भी शब्द नहीं हटाया जाना चाहिए।" नड्डा ने भी खड़गे के आरोप का जवाब देते हुए सभापति राधाकृष्णन से पूछा कि मुझे आपकी सुरक्षा चाहिए महोदय, मैंने कभी बुलडोज़र नहीं चलाया, मैंने केवल इतना कहा है कि जो भी विषय से संबंधित है उसे स्वीकार किया जाना चाहिए और जो संबंधित नहीं है, आप कृपया उसकी जाँच कर सकते हैं। यह बहस तब हुई जब टीएमसी सांसद डोला सेन ने इस मुद्दे पर बात की और भाजपा पर "तानाशाही" चलाने का आरोप लगाया, जिसे अंततः जनता उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने दावा किया कि राजभवन, जो अब लोकभवन है, का नाम बदलने से पहले राज्य सरकारों से सलाह नहीं ली गई। टीएमसी सांसद डोला सेन ने अपने भाषण में कहा, "(लोकभवन) का खर्च राज्य सरकार कई वर्षों से उठा रही है।

टीएमसी ने बकाया रोकने आरोप का लगाए

केंद्र सरकार पर पश्चिम बंगाल का बकाया न चुकाने का आरोप भी लगाया, जिसमें मनरेगा के लिए 43 हज़ार करोड़ रुपये, चक्रवातों के लिए 42,600 करोड़ रुपये और ग्रामीण आवास योजना के लिए 24,200 करोड़ रुपये शामिल हैं। टीएमसी सांसद के भाषण के बाद सदन के नेता और भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने सभापति से अनुरोध किया कि वे डोला सेन के शब्दों की जांच करें और जो भी बातें चर्चा से संबंधित न हों उन्हें रिकॉर्ड से हटा दें।

दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका ने रचा इतिहास बेकार गई विराट कोहली की शतकीय पारी

359 रन भी नहीं बचा पाया भारत, दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका ने 4 विकेट से हराया, मार्करम की सेंचुरी , गायकवाड के भी शतक

एजेंसी । रायपुर

साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में टीम इंडिया 359 रन का टारगेट भी नहीं बचा सकी। रायपुर में बुधवार को मेहमान टीम ने 6 विकेट खोकर 50वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। टीम से ऐडन मार्करम ने सेंचुरी लगाई। वहीं डेवाल्ड ब्रेविस और मैथ्यू ब्रीट्जकी ने फिफ्टी लगाकर सीरीज 1-1 से बराबरी पर ला दी। शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड की सेंचुरी के दम पर 358 रन बना दिए। कप्तान केएल राहुल ने फिफ्टी लगाई। साउथ अफ्रीका से मार्को यानसन ने 2 विकेट लिए। साउथ अफ्रीका ने पहला विकेट 5वें ओवर में ही गंवा दिया था। यहां से ऐडन मार्करम ने कप्तान टेम्बा बावुमा के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। बावुमा 44 रन बनाकर आउट हुए। मार्करम ने फिर शतक लगाकर टीम को 200 के करीब पहुंचा दिया। मार्करम के विकेट के बाद डेवाल्ड ब्रेविस ने 54 और मैथ्यू ब्रीट्जकी ने 68 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया। 322 रन तक टीम ने ब्रेविस, ब्रीट्जकी और फिर मार्को यानसन के विकेट भी गंवा दिए। हालांकि, कॉर्बिन बॉश ने आखिर में जीत के लिए जरूरी 37 रन बनाकर टीम को करीबी मुकाबला जिता दिया। भारत से अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा ने 2-2 विकेट लिए। हर्षित राणा और कुलदीप यादव को 1-1 विकेट मिला। सीरीज का तीसरा वनडे 6 दिसंबर को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

खराब फील्डिंग और एक्स्ट्रा रन ने बढ़ाई मुश्किलें : 359 रन डिफेंड करने में भारत की सबसे बड़ी मुश्किलें खराब फील्डिंग ने बढ़ाईं। यशस्वी जायसवाल ने 18वें ओवर में मार्करम का कैच छोड़ दिया, तब वे 59 रन पर थे। उन्होंने 2 आसान चौके भी गंवा दिए। आखिरी ओवरों में टीम के फील्डर्स ने मिसफील्ड और ओवरथ्रो से भी एक्स्ट्रा रन खर्च किए। इतना ही नहीं, वाइड से भी 11 रन दे दिए।

कोहली-गायकवाड के शतक, भारत ने 358 का स्कोर बनाया

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में बुधवार को भारतीय टीम ने लगातार 20वें वनडे में टॉस गंवाया। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। टीम इंडिया ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 358 रन बनाए।विराट कोहली (102 रन) ने लगातार दूसरे मैच में शतक लगाया। ऋतुराज गायकवाड ने भी 105 रनों की पारी खेली। उन्होंने वनडे करियर का पहला शतक लगाया।

कोहली का वनडे में 53वां शतक

विराट कोहली ने 90 बॉल पर शतक पूरा किया। उन्होंने मिडऑन पर बैकफुट पंच करके एक रन लिया और शतक पूरा किया। फिर अपने अंदाज में छलांग लगाई और रिंग चूमकर सेलिब्रेशन किया। कोहली ने वनडे करियर में 53वां शतक लगाया। उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 84 शतक हो चुके हैं।

प्लेइंग-11

- **भारत:** केएल राहुल (कप्तान, विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा।
- **साउथ अफ्रीका:** टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, ऐडन मार्करम , मैथ्यू ब्रीट्जकी, टोनी डी जॉर्जी, डेवाल्ड ब्रेविस, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, केशव महाराज, नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी।

साउथ अफ्रीका की तरफ एडन मार्करम ने लगाया शतक : लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफ्रीकी टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। 26 के स्कोर पर ही टीम को पहला झटका लगा, जब क्विंटन डी कॉक 11 गेंदों में 8 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद टेम्बा बावुमा और एडन मार्करम के बीच 101 रन की पार्टनरशिप हुई।

प्रीमियर लीग

एर्लिंग हालैंड सबसे तेज 100 गोल करने वाले फुटबॉलर बने

- नॉर्वे के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड को मौजूदा समय का बेहतरीन फुटबॉलर माना जाता है

नई दिल्ली (आईएएनएस)

नॉर्वे के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड को मौजूदा समय का बेहतरीन फुटबॉलर यूं ही नहीं माना जाता है। हालैंड ने प्रीमियर लीग इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इसे साबित भी कर दिया है। हालैंड प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे तेज 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।एर्लिंग हालैंड ने मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलते हुए फुलहम के खिलाफ ये उपलब्धि हासिल की। हालैंड ने प्रीमियर लीग के 111वें मैच में अपने 100 गोल पूरे किए। उन्होंने एलन शीयरर के रिकॉर्ड को तोड़ा। शीयरर ने प्रीमियर लीग के 124 मैचों में 100 गोल किए थे। हॉलैंड ने 111 मैच में ही 100 गोल करते हुए शीयरर के सबसे तेज 100 गोलों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। प्रीमियर लीग इतिहास में सबसे तेज 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बनने के बाद एर्लिंग हालैंड ने कहा, "यह गर्व का क्षण है। 100 गोल का क्लब एक बहुत बड़ी बात है। इसे इतनी जल्दी करना अविश्वसनीय है। मैं गर्वित हूं, मैं खुश हूं। हालैंड ने कहा, "मैंने यह कई बार कहा है कि सिटी के स्ट्राइकर को बहुत सारे गोल करने चाहिए। यह मेरा काम है और मैं यही करने की कोशिश करता हूं। मुझे हैट्रिक करनी चाहिए थी, इसके लिए मुझे कुछ मौके मिले थे।

25 साल के एर्लिंग हालैंड का जन्म 21 जुलाई 2000 को लीड्स, इंग्लैंड में हुआ था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वह नॉर्वे का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रीमियर लीग में वह मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलते हैं। वह इस टीम के साथ 2022 से जुड़े हुए हैं। मैनचेस्टर सिटी के लिए 111 मैचों में 100 गोल करने वाले हॉलैंड ने नॉर्वे के लिए 48 मैचों में 55 गोल किए हैं। मैच में मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम को 5-4 से हराया। मैनचेस्टर की फुलहम पर यह लगातार 19वीं जीत है। इंग्लिश फुटबॉल का ये भी एक रिकॉर्ड है।

बांग्लादेश टी20 विश्व कप 2026 के लिए तैयार है : लिटन दास

नई दिल्ली (आईएएनएस)

बांग्लादेश ने आयरलैंड को मंगलवार को खेले गए टी20 मुकाबले में 8 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। सीरीज जीतने के बाद बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने कहा कि उनकी टीम टी20 विश्व कप 2026 के लिए लगभग तैयार है। लिटन दास ने कहा, "मैं चाहता था कि टीम दबाव वाली स्थितियों से निकलते हुए जीते। हम आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में उस दबाव से बाहर नहीं निकल पाए, लेकिन हमने वापसी की और सीरीज 2-1 से जीती। उन्होंने कहा, "सीरीज से कुछ सकारात्मक पहलू भी निकले हैं। हम अच्छी फील्डिंग साइड नहीं हैं, लेकिन हमने सुधार दिखाया है और सीरीज में कुछ बेहतरीन कैच पकड़े। एक साल में सबसे ज्यादा टी20 खेलने के बाद हमारे खिलाड़ी परिपक्व हुए हैं। क्षेत्ररक्षण में सुधार का श्रेय कोचिंग स्टाफ को जाता है।

महिला बिग बैश लीग: सिडनी सिक्सर्स ने मेलबर्न स्टार्स को 16 रन से हराया

सिडनी (आईएएनएस)। महिला बिग बैश लीग के 34वें मैच में सिडनी सिक्सर्स ने मेलबर्न स्टार्स को 16 रन से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिडनी सिक्सर्स ने 5 विकेट पर 164 रन बनाए थे। मेलबर्न स्टार्स 8 विकेट पर 148 रन बना सकी और मैच 16 रन से हार गई। सिडनी सिक्सर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। एल्सी पेरी महज 7 रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद सोफिया डंकले और एलिसा हिली ने दूसरे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 57 तक पहुंचाया। इस स्कोर पर दूसरे विकेट के रूप में एलिसा हिली 20 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद डंकले और कप्तान एश्ले गार्डनर के बीच तीसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी हुई। सोफिया 37 गेंद पर 41 रन बनाकर आउट हुईं। मैटलन ब्राउन 15 और अमेलिया केर 10 ने टीम का स्कोर 164 तक पहुंचाया। एश्ले गार्डनर 31 गेंद पर 8 चौके की मदद से 50 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहीं। मेलबर्न स्टार्स की तरफ से सोफी डे ने 2 विकेट लिए। 165 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी मेलबर्न स्टार्स की तरफ से माया बौचियर ने 40 गेंद पर 10 चौके और 1 छक्के की मदद से 67 रन की पारी खेली।

ब्लाइंड महिला टीम को बधाई, भविष्य में ओडिशा से और खिलाड़ी निकलेंगे : जफर इकबाल

भुवनेश्वर (आईएएनएस)

ओडिशा के दृष्टिबाधित क्रिकेट एसोसिएशन (सीएवीआई) के अध्यक्ष मो. जफर इकबाल ने भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम को पहला टी20 विश्व कप जीतने की बधाई दी है। उन्होंने कहा कि हमने जो प्रयास किया था, उसमें हमारी लड़कियां पूरी तरह खड़ी उतरी हैं, और श्रीलंका से विश्व कप जीतकर लौटी हैं। इससे हम खुश हैं। इकबाल ने भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली ओडिशा की खिलाड़ियों खासकर टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाली 4 आदिवासी लड़कियों के प्रदर्शन पर बहुत गर्व जताया। आईएएनएस से बात करते हुए जफर इकबाल ने कहा, "मुझे विशेष खुशी इस बात की है कि चैंपियन टीम में ओडिशा की चार लड़कियां हैं। हम 2017 से ही ओडिशा में महिला क्रिकेट को मजबूत करने का इरादा लेकर चले थे। शुरुआत में हमने स्कूलों में जा-जाकर बच्चियों का चयन किया और उन्हें प्रशिक्षण देने का काम किया। उस समय पेरेंट्स जल्दी तैयार नहीं होते है। दृष्टिबाधित होने और लड़की होने के कारण सुरक्षा की वजह से पेरेंट्स हिचक रहे थे। काफी समझाने के बाद सभी तैयार हुए। मौजूदा समय में लड़कियां आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार 2023 में भारतीय टीम बनी थी। उस समय ओडिशा की 4 लड़कियां टीम का हिस्सा थीं। इंग्लैंड में पुरुष और महिला दोनों टीम गई थी। महिला टीम ने स्वर्ण पदक जीता था, जबकि पुरुष टीम ने रजत पदक जीता था। मैं सौभाग्यशाली हूं कि उस टीम का हिस्सा था। उस समय से ही महिला ब्लाइंड टीम के उत्थान की प्रक्रिया शुरू हुई। लोगों को टीम में विश्वास जगा। जफर इकबाल ने कहा, "ओडिशा की पूर्व और मौजूदा सरकार हमेशा से ब्लाइंड क्रिकेट के लिए सहयोगी रही है। 2023 में गोल्ड मेडल जीतने वाली लड़कियों के लिए तब मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने 20-20 लाख रुपये की सम्मान राशि दी थी। सिल्वर मेडल जीतने वाले हम तीन लड़कों को 15-15 लाख रुपये मिले थे। ओडिशा सरकार ने नौकरी भी दी। सरकार ने 15 खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स कोटा में नौकरी भी दी है। इसमें 11 लड़के और 4 लड़कियां हैं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

टर्किश एयरलाइंस ने लॉन्च की स्मार्ट टैग्ड बैगेज सर्विस

यात्रियों के लिए आसान ट्रैकिंग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। टर्किश एयरलाइंस ने स्मार्ट टैग्ड बैगेज सर्विस शुरू की है, जिससे यात्री अपने सामान को वास्तविक समय में ट्रैक कर पाएंगे। इस सेवा में यात्री स्मार्टथिंग्स फाइंड और गैलेक्सी स्मार्टटैग का उपयोग कर सकते हैं, जिससे गलत जगह पहुँचने या देर से मिलने वाले सामान की पहचान तेज़ और आसान हो जाएगी। यह पहल टर्किश एयरलाइंस को दुनिया भर में बैगेज ट्रैकिंग में अग्रणी बनाती है। यात्री ऐप में अपने बैग की तस्वीर भी अपलोड कर सकते हैं, जिससे पहचान और सुविधाजनक हो जाती है। टर्किश एयरलाइंस के सीआईटीओ केरेम किज़िलतुंच ने इसे डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की दिशा में बड़ा कदम बताया और कहा कि एयरलाइन हमेशा यात्रियों की सुविधा और अनुभव को प्राथमिकता देती है। छोटे से सहयोग के तहत सैमसंग की तकनीक इस सेवा में उपयोग की गई है, जिससे यात्रियों को और अधिक सहज अनुभव मिलेगा।

फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतरा, डीपफेक पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता : वैष्णव

नई दिल्ली (आईएएनएस)

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि सोशल मीडिया और फर्जी खबरों से जुड़ा मुद्दा बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, गलत सूचनाओं और एआई-जनरेटेड डीपफेक पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग या समूह जिस तरह से सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे लगता है कि वे भारत के संविधान या संसद द्वारा बनाए गए कानूनों का पालन नहीं करना चाहते। उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई और कड़े नियम बनाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

फर्जी खबरों पर सरकार की सख्त चेतावनी

- सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतरा हैं।
- सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता बताई।

अश्विनी वैष्णव ने संसद में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया कि हाल ही में नए नियम लागू किए गए हैं, जिनमें 36 घंटों के भीतर वीडियो हटाने का प्रावधान भी शामिल है। एआई-जनित डीपफेक की पहचान करने और उन पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए एक मसौदा नियम भी प्रकाशित किया गया है और इस पर विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने संसदीय समिति के कार्य की सराहना की और कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रमुख सिफारिशों वाली एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि फर्जी खबरें तथा सोशल मीडिया से जुड़े मुद्दों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व हमारे लोकतंत्र की सुरक्षा के बीच एक नाजुक संतुलन की आवश्यकता है और सरकार इस संतुलन को बनाए रखने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'डिजिटल इंडिया' पहल ने एक बड़ा बदलाव लाया है और तकनीक का लोकतांत्रिकरण किया है, जिसके सकारात्मक प्रभावों को स्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने भी प्रत्येक नागरिक को एक मंच प्रदान किया है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, सरकार संस्थाओं और समाज की नींव रखने वाले विश्वास को मजबूत करने के लिए काम कर रही है।

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने मजबूत की उपभोक्ता सुरक्षा

पारदर्शी बिजली आपूर्ति के लिए स्मार्ट निगरानी प्रणाली लागू

मुंबई (आईएएनएस)

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने निष्पक्ष और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। कंपनी ने मशीन लर्निंग (एमएल) और स्मार्ट मीटर डेटा पर आधारित उन्नत थेफ्ट प्रेडिक्शन और रेवेन्यू प्रोटेक्शन मॉड्यूल को अपने पूरे वितरण नेटवर्क में लागू किया है। इस पहल का उद्देश्य बिजली चोरी को रोकना, ईमानदार उपभोक्ताओं की सुरक्षा करना और एक अधिक पारदर्शी व कुशल ऊर्जा व्यवस्था को बढ़ावा देना है। कंपनी ने बताया कि जनवरी 2025 से मशीन लर्निंग आधारित थेफ्ट प्रेडिक्शन मॉड्यूल के परिचालन में आने के बाद से अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने कुल 5.0 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली चोरी का पता लगाया है, जिसकी कीमत 8.59 करोड़ रुपए है। हाल ही में इस तकनीक की मदद से मलाड (पश्चिम) स्थित एक इलेक्ट्रोप्लेटिंग यूनिट में सीधे कनेक्शन के माध्यम से की जा रही 0.4 मिलियन यूनिट (एमयू) की चोरी पकड़ी गई, जिसकी मौद्रिक अनुमानित लागत 87 लाख रुपए थी। इन अत्याधुनिक डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से तेज और डेटा-आधारित कार्रवाई संभव हो पाती है।

सेंसेक्स सपाट बंद, निफ्टी 26,000 के नीचे फिसला

मुंबई (आईएएनएस)

भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में सपाट बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 31.46 अंक की मामूली गिरावट के साथ 85,106.81 और निफ्टी 46.20 अंक या 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,986 पर बंद हुआ। बाजार को संभालने का काम आईटी और फाइनेंशियल शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 0.74 प्रतिशत, निफ्टी बैंक 0.13 प्रतिशत और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके अलावा फार्मा, मीडिया और सर्विसेज सूचकांक भी हरे निशान में बंद हुए। दूसरी तरफ ऑटो, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, इन्फ्रा और कमोडिटीज लाल निशान में बंद हुए। लार्जकैप के मुकाबले मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 594.80 अंक या 0.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,315.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 127 अंक या 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,649.45 पर था।

सोने की चमक बढ़ी, चांदी ऑल-टाइम हाई पर

नई दिल्ली (आईएएनएस)

सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को उछाल देखा गया। इससे सोने की कीमत 1.28 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 1.78 लाख रुपए प्रति किलो के पार पहुंच गया है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 621 रुपए बढ़कर 1,28,214 रुपए हो गई है, जो कि पहले 1,27,593 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। इसी तरह, 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,17,444 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,16,875 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम 95,695 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 96,161 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। सोने की अपेक्षा चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। बीते 24 घंटे में चांदी का दाम 3,540 रुपए बढ़कर ऑल-टाइम हाई 1,78,190 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है, जो कि पहले 1,74,650 रुपए प्रति किलो था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 05 फरवरी 2026 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 0.60 प्रतिशत बढ़कर 1,30,543 रुपए हो गया है।

रुपए में गिरावट से महंगाई-निर्यात पर असर नहीं: सीईए

नई दिल्ली (आईएएनएस)

डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट पर भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि इससे महंगाई और निर्यात पर कोई असर नहीं होगा। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने यह बयान सीआईआई के कार्यक्रम के साइडलाइन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिया। डॉलर के मुकाबले रुपए में पिछले कई सत्रों से गिरावट देखी जा रही है और यह 90 के स्तर के पार निकल गया है। उन्होंने आगे कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपए में अगले साल सुधार देखने को मिलेगा। अमेरिका की ओर से भारतीय निर्यात पर टैरिफ बढ़ाने और वैश्विक आर्थिक अस्थिरताओं के बीच डॉलर के मुकाबले रुपए में 2025 में अब तक 5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। आरबीआई रुपए में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए डॉलर भी बेच रहा है, लेकिन फॉरेक्स की दिक्कतों की वजह से इसे एक हद से अधिक नहीं किया जा सकता। रुपए में गिरावट की वजह कमजोर विदेशी निवेश, बड़ी ऑफशोर पोजिशनिंग और भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर अनिश्चितता है।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस पर निकली रैली, कई दिव्यांग सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

पलामू। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस पर बुधवार को उपायुक्त समीरा एस ने बुधवार को समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर दिव्यांगजनों की रैली को रवाना किया। रैली कचहरी, छहमुहांन होते हुए टाउन हॉल पहुंची। यहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। विभिन्न कानूनी पहलुओं पर लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में कुर्सी और मेढ़क दौड़, कैरम बोर्ड एवं लूडो प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान, नजारत उप समाहर्ता नीरज कुमार मौजूद थे।मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य

करने वाले दिव्यांगजनों को उपायुक्त सहित अन्य पदाधिकारियों ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। शिक्षक पवन कुमार गुप्ता, अविनाश कुमार तिवारी, अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स राजेश कुमार मेहता, जन सेवक इन्देश प्रजापति, शिक्षिका आकांक्षा तिवारी, महिला पर्यवेक्षिका किरणमाला, शिक्षक संतोष प्रसाद, पलामू दिव्यांग संघ अध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा सहित अन्य को सम्मानित किया गया। साथ ही दिव्यांगजनों के बीच विभिन्न प्रकार के उपकरणों का वितरण भी किया गया। मौके पर अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, डालसा के सचिव, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान, एनडीसी नीरज कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

पलामू में कारोबारी प्रमोद अग्रवाल के प्रतिष्ठानों पर जीएसटी की छापेमारी

नवीन मेल संवाददाता

पलामू। पलामू जिले के प्रतिष्ठित कारोबारियों में शुमार प्रमोद अग्रवाल के मेदिनीनगर स्थित प्रतिष्ठानों पर केन्द्रीय जीएसटी विभाग की टीम ने मंगलवार को छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और बही-खाते विभाग की ओर से खंगाले गए। सूत्रों के अनुसार केन्द्रीय जीएसटी की टीम ने यह कार्रवाई की। फिलहाल जीएसटी अधिकारी मामले पर आधिकारिक बयान देने से बच रहे हैं। मेदिनीनगर में जीएसटी की कार्रवाई से कारोबारियों में हड़कंप मच गया है, वहीं आम नागरिकों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। छापामारी की सूचना के बीच दोपहर 3 बजे मेदिनीनगर के सुदना में कारोबारी के घर, बीसफुटा पुल गोदाम और सेवासदन स्थित ऑफिस की स्थिति की जानकारी ली गयी। सेवासदन स्थित ऑफिस में दोपहर दो बजे तक सन्नाटा पसरा था। ऑफिस का गेट खुला मिला, लेकिन वहां कोई कर्मी मौजूद नहीं थे। सुदना में कारोबारी के घर का गेट अंदर से बंद था। प्रमोद अग्रवाल के घर में मौजूद रहने के संबंध में पूछे जाने पर उपस्थिति से इनकार किया गया। कर्मी कुछ भी बोल नहीं पा रहे थे। गेट खोलने के लिए भी तैयार नहीं थे। परेशान नजर आए। इसी तरह बीसफुटा पुल गोदाम के पास भी सुनसान था। इधर, पलामू पुलिस सूत्रों के अनुसार केन्द्रीय जीएसटी की टीम स्पेशल फोर्स के साथ छापामारी करने के लिए यहां पहुंची थी। लोकल पुलिस को इसकी सूचना नहीं थी। पुलिस के एक वरीय अधिकारी ने बताया कि बाहर से जीएसटी टीम के द्वारा प्रमोद अग्रवाल के घर, कार्यालय और गोदाम पर छापामारी की गयी है।

सतबरवा में है अवैध बालू कारोबार का अघोषित साम्राज्य

24 घंटे चल रहा खेल, कार्रवाई सिर्फ दिखावे की

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। अवैध बालू खनन और परिवहन ने प्रखंड में अघोषित रूप से एक समानांतर उद्योग का रूप ले लिया है। औरंगा नदी के सलैया, हुडमुड, फुलवरिया, पलामू किला मेला घाट, लेदवाखांड, डुबलगंज और धमधमवा सहित कई घाटों से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर बालू ढोकर निकलते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सब प्रशासन की मौजूदगी में ही निर्बाध रूप से चल रहा है। अब तक सीओ कृष्ण मुरारी तिर्की द्वारा मात्र चार ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं, जो इस विशाल अवैध कारोबार की तुलना में नगण्य है। ग्रामीणों के अनुसार यदि प्रशासन चाहे तो एक दिन में सैकड़ों गाड़ियां पकड़ी जा सकती हैं। कई लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अवैध परिवहन में लगे कुछ ट्रैक्टर चालकों को पहले से ही छापामारी की सूचना मिल जाती है। स्थानीय लोगों के बीच नेता और बड़े कारोबारियों के गठजोड़ की चर्चा तेज है।

उनका कहना है कि बिना सत्ता और प्रशासनिक संरक्षण के इतने बड़े पैमाने पर बालू खनन संभव ही नहीं। ग्रामीणों के अनुसार कई सरकारी भवनों और पीसीसी सड़कों में भी इसी अवैध बालू का उपयोग होता है, जो निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। प्रशासनिक इच्छाशक्ति पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि व्यवस्था चाहे तो अवैध बालू कारोबार 24 घंटे में रुक सकता है, परंतु सवाल यह है कि क्या व्यवस्था वास्तव में ऐसा चाहती है।

नशे की खेती अफीम के विरुद्ध चतरा पुलिस और वन विभाग कर रही है कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। वन विभाग और चतरा पुलिस लगातार अफीम की खेती को चिन्हित कर नष्ट कर रही है। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर अवैध अफ़ीम की खेती के उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाया गया। आज राजपुर पुलिस और वन विभाग ने आमकुदार और आसपास के जंगली क्षेत्र में अभियान चला कर लगभग दो एकड़ में लगे अवैध अफीम की खेती पर ट्रैक्टर चला दिया।थाना प्रभारी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि किसी भी स्थिति में क्षेत्र में नशे की खेती नहीं होगी। वन विभाग ड्रोन से अफीम की खेती को चिह्नित कर रही है। इसके पूर्व चतरा पुलिस ने लावालौंग थाना अंतर्गत ग्राम सेरका में 2 एकड़, कुंदा थाना अंतर्गत ग्राम इचाक एवं पचम्बा में 5 एकड़ और वशिष्ठनगर थाना अंतर्गत ग्राम कुरखेता में 2 एकड़ भूमि पर लगे अफीम की खेती को नष्ट किया गया है। आज पुलिस और वन विभाग जिले के कई क्षेत्रों में अभियान चलाई। नशे की खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। उनके विरुद्ध आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। एसपी सुमित अग्रवाल ने अवैध अफ़ीम की खेती नहीं करने की अपील की है।

हुसैनाबाद में बालू का संकट बरकरार

वैध बालू उपलब्ध नहीं, लोगों को महंगे दर पर चोरी-छिपे खरीदना पड़ रहा

हैदरनगर। बालू के अभाव में हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र में निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। भाजपा कार्यसमिति सदस्य रविन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि प्रतिवर्ष एनजीटी की रोक 15 जून से 15 अक्टूबर तक रहती है, लेकिन अवधि बीत जाने के एक माह बाद भी बालू का खनन और बिक्री शुरू नहीं की गई। न ही कोयल और सोन नदी के घाटों की बंदोबस्ती कराई गई। उन्होंने कहा कि पर्याप्त भंडार होने के बावजूद लोगों को तीन हजार रुपये प्रति ट्रैक्टर बालू चोरी-छिपे खरीदना पड़ता है। परता पंचायत के कबरा खुर्द स्थित सोन नदी घाट से 15 मई तक बालू उठाव हुआ था और पंचायतों के लिए दर भी निर्धारित हुआ था, पर खनन और ढुलाई शुरू न होने से सब ठंडे बस्ते में चला गया। उन्होंने बताया कि परता, खरगाड़ा, हैदरनगर, बभंडी, चौकड़ी, मोकहर कला, बिलासपुर, इमामनगर बरेवा, संड़ेया, कुकही और बरडंडा पंचायतों के लिए अलग-अलग दर निर्धारित थे, जो 800 रुपये से तीन हजार रुपये प्रति ट्रैक्टर तक थे। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन केवल अवैध बालू पकड़ने में लगे हैं, ऐसे में वैध बालू उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कौन लेगा, यह बड़ा सवाल है।

डीडीसी ने नवनिर्मित आंगनवाड़ी केंद्र व पंचायत भवन का निरीक्षण किया

नवीन मेल संवाददाता

ऊंटारी रोड। पलामू डीडीसी जावेद हुसैन ने विश्रामपुर डाकबंगला परिसर में जिला परिषद द्वारा निर्मित दुकानों और नए बस पड़ाव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बिना लाइसेंस दुकान संचालित कर रहे व्यवसायियों को शीघ्र लाइसेंस बनवाने का निर्देश दिया। डीडीसी ने कहा कि डाकबंगला परिसर में बना नया बस पड़ाव जल्द आम जनता के लिए शुरू किया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव सिंह, कार्यपालक पदाधिकारी जयपाल सिंह, नगर प्रबंधक प्रभात कुमार, सीटी मिशन मैनेजर जितेंद्र सिंह, दीपक कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा डीडीसी ने ऊंटारी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में बने नवनिर्मित आंगनवाड़ी केंद्रों, पंचायत भवन और स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन का निरीक्षण कर निर्माण गुणवत्ता और संचालन व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण भगत, सीओ वासुदेव राय और लहर बंजारी मुखिया अशोक कुमार सिंह मौजूद थे।

कुन्दरी लाह बागान का वित्त मंत्री ने किया निरीक्षण

बागान के पुनर्जीवन व विकास के लिए मंत्री ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर-पीतांबरपुर। प्रखंड क्षेत्र के कुन्दरी लाह बागान, जो एशिया का सबसे बड़ा रंगीनी लाह बागान माना जाता है, का निरीक्षण संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने किया। 421 एकड़ में फैले इस बागान की वर्तमान स्थिति का आकलन करने मंत्री स्वयं स्थल पर पहुंचे। निरीक्षण ग्रामीणों और उद्गोष फाउंडेशन के कमलेश सिंह के विशेष अनुरोध पर किया गया। मंत्री ने कहा कि बागान ग्रामीणों की मूल्यवान संपत्ति है, जिसे संरक्षित कर विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बागान के पुनर्जीवन की दिशा में शीघ्र ठोस कदम उठाए जाएंगे तथा जरूरत पड़ने पर इसे मंत्रिपरिषद में भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। कमलेश सिंह ने बताया कि बागान में लगभग 90,000 पलाश वृक्ष हैं और 8–9 एकड़ में फैले पाँच बड़े आहर मौजूद हैं, जो लाह उत्पादन के लिए जरूरी नमी बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि इसे ईको-टूरिज्म पार्क के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे क्षेत्र में आर्थिक और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि बागान के पुनर्जीवन से लगभग 50,000 किसानों को रोजगार मिलेगा तथा इसे ब्रूड बैंक के रूप में विकसित कर झारखंड में रंगीनी लाह उत्पादन को नई दिशा दी जा सकती है। इस दौरान ग्रामीणों ने मंत्री को मांग पत्र देकर वन विभाग की उदासीनता का मुद्दा उठाया और बागान प्रबंधन ग्रामीणों को सौंपने तथा उच्चस्तरीय मॉनिटरिंग समिति बनाने की मांग की। निरीक्षण स्थल पर अरुण सिंह, अविनाश वर्मा, लव मेहता, आलोक श्रीवास्तव, लक्ष्मण जी, बिनोद कुमार, ईश्वरी राम, नागेंद्र पाल, शुभम ठाकुर, रीता, सुनीता देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

डीटीओ के निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान, 80 बाइक पकड़ी गईं

हुसैनाबाद (पलामू)। बुधवार को पलामू जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देश पर हुसैनाबाद में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने वाले चालकों की 80 बाइक पकड़कर हुसैनाबाद थाना को सुपुर्द कर दी गईं। चालान जमा करने पर बाइक चालकों को वाहन लौटा दिए जा रहे हैं। चालकों को सभी आवश्यक कागजात रखने, हेलमेट तथा जूते पहनने की हिदायत दी गई। नाबालिगों को बाइक नहीं देने की सख्त चेतावनी भी दी गई। डीटीओ के निर्देश पर की गई कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मचा है। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि लोगों की सुविधा को देखते हुए थाना परिसर में ही चालान काटने की व्यवस्था की गई है।

इलाके की 70 प्रतिशत धान दूसरे राज्य भेजे जाने के बाद होते सक्रिय क्रय केंद्र

नवीन मेल संवाददाता

- धान क्रय के लिए अब तक नहीं की गई प्रारंभिक तैयारियां

हैदरनगर। क्षेत्र के किसान धान क्रय केंद्रों के चालू होने का इंतजार कर रहे हैं। अब तक धान अधिप्राप्ति की प्रक्रिया को गतिमान नहीं किया जा सका है, जबकि पिछले एक सप्ताह से किसान निजी वाहनों से अपने धान दूसरे राज्यों तक भेज रहे हैं। एक पखवाड़े पहले से ही धनकटनी का कार्य भी जोरों पर है। किसान अनिल सिंह, प्रोफेसर अरविंद कुमार सिंह सहित कई किसानों ने बताया कि इलाके की करीब 70 प्रतिशत धान की बिक्री खुले बाजार में तब होती है जब सरकारी व्यवस्था सक्रिय नहीं रहती। कर्ज लेकर खेती में जुटे किसान पैसा चुकाने की मजबूरी में औने–पौने दामों पर धान बेचने को विवश हो जाते हैं। धान क्रय केंद्र समय से शुरू न होने के कारण उन्हें घाटे का सौदा करना पड़ता है। खरीफ विपणन मौसम 2025–26 में धान क्रय के लिए किसानों के बीच कोई जागरूकता कार्यक्रम भी नहीं चलाया गया है। उन्होंने कहा कि 15 दिसंबर से धान अधिप्राप्ति का कार्य प्रारंभ होता आया है। इस बार समय से उपज और कटनी होने के बाद किसान विक्रय के लिए प्रतीक्षारत हैं, परंतु अब तक अधिप्राप्ति केंद्रों और राइस मिलरों का चयन, आवश्यक उपकरणों की स्थापना तथा केंद्रों पर कर्मियों की प्रतिनियुक्ति जैसे प्रारंभिक कार्य लंबित हैं। किसानों से क्रय किए जाने वाले धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य और घोषित बोनस की जानकारी का भी अभाव है।

प्रचार–प्रसार की कमी तथा जागरूकता न होने से किसान आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं। पिछले वर्ष पीडीएस दुकानदारों को जागरूकता की जिम्मेदारी दी गई थी, परंतु इस बार व्यवस्था में शिथिलता देखी जा रही है।

पेज एक के शेष

हर दिव्यांग व्यक्ति...

ताकि यह समावेशन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यवस्था का हिस्सा बन सके। परिणाम स्वरूप—कुछ ही महीनों में नोआमुंडी ने 100 प्रतिशत दिव्यांग पहचान और प्रमाणीकरण का कीर्तिमान स्थापित कर दिया। अब तक 292 पात्र लोगों को आजीविका आधारित कार्यक्रमों से जोड़ा जा चुका है, जिनमें कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता सहायता और रोजगार अवसर शामिल हैं। साथ ही, सहायक तकनीक ने उनकी दिनचर्या में स्वतंत्रता जोड़ दी है। आईआईटी दिल्ली की असिस्टेटेक लैब के सहयोग से चल रही 'ज्योतिर्गमय' पहल के जरिए दृष्टिबाधित नागरिक अब पढ़ने-लिखने, बैंकिंग से लेकर डिजिटल दुनिया में आत्मविश्वास से आगे बढ़ पा रहे हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को...

को नई शक्ति मिली है। 'बिरसा हरित ग्राम योजना' राज्य सरकार की एक ऐसी पहल है, जो वनीकरण, ग्रामीण विकास और टिकाऊ आजीविका का अवसर प्रदान करता है। यह योजना भूमिहीन परिवारों को गैर-मजरूआ भूमि पर फलदार वृक्षों के पौधों के रोपण का मौका देता है, जिसके माध्यम से आय का एक अच्छा स्रोत बनता है। 'दीदी बगिया योजना' राज्य के ग्रामीण विकास विभाग की एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के अंतर्गत, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को नर्सरी उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 'बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना' राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके तहत सिंचाई सुविधा के लिए परिसंपत्ति निर्माण के साथ- साथ रोजगार भी उपलब्ध होता है।

लातेहार में जेजेएमपी...

जेजेएमपी के उग्रवादी सदर थाना क्षेत्र के नवागढ़ गांव के पास देखे गए हैं। सूचना के बाद लातेहार डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई और उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। पुलिस ने अलग-अलग टीम बनाकर पहले उग्रवादियों की घेराबंदी की और दोनों उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि गिरफ्तार एरिया कमांडर सुनील उरांव पर सात से अधिक उग्रवादी हिंसा के मामले दर्ज हैं, जबकि मुकेश पर भी कई कांड दर्ज हैं। कुछ दिन पहले पुलिस के साथ हुए मुठभेड़ में भी दोनों उग्रवादी शामिल थे। उन्होंने कहा कि पुलिस की लगातार कार्रवाई से जेजेएमपी की गतिविधियां लगभग समाप्त हो चुकी हैं और संगठन में अब केवल 4-5 सदस्य बचे हैं। छापेमारी अभियान में डीएसपी अरविंद कुमार सहित मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार, लातेहार थाना प्रभारी रमाकांत गुप्ता, एसआई विक्रांत उपाध्याय, राहुल कुमार सिन्हा, विकास कुमार, धर्मवीर सिंह एवं अन्य पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बस्तर रेंज में...

एसटीएफ, कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अभियान के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद लंबे समय तक रुक-रुक कर मुठभेड़ चलती रही। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षा बलों की आक्रामक कार्रवाई जारी है और इलाके को पूरी तरह कॉर्डन कर सर्चिंग की जा रही है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टलिंगम ने पुष्टि की कि मुठभेड़ स्थल से अब तक 12 माओवादी कैडरों के शव बरामद हुए हैं। मौके से एसएलआर, .303 राइफलें और अन्य हथियार व गोला-बारूद भी मिले हैं। उन्होंने बताया कि मारे गए माओवादियों की पहचान अभी स्थापित की जानी बाकी है। इस मुठभेड़ में डीआरजी बीजापुर के तीन बहादुर जवान शहीद हो गए। शहीद होने वालों में प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी, आरक्षक दुकारू गोंडे और जवान रमेश सोड़ी शामिल हैं। इसके अलावा डीआरजी के जवान सोमदेव यादव घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया है और उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

हाईकोर्ट ने जेएसएससी-...

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा। वहीं, जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजॉय पिपरवाल पेश हुए थे। याचिकाकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार सिन्हा और हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार ने दलीलें दी थीं। राज्य की ओर से बताया गया कि अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की जांच में अब तक पेपर लीक का कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं मिला है। आयोग के अधिवक्ताओं ने भी किसी तरह की लीक की घटना से इनकार किया। दूसरी ओर, याचिकाकर्ताओं ने प्रश्नपत्रों की पुनरावृत्ति, कई परीक्षा केंद्रों के बाहर के वीडियो और अन्य तथ्यों के आधार पर सीबीआई जांच की मांग दोहराई थी। राज्यभर के 823 परीक्षा केंद्रों पर करीब दो हजार से अधिक पदों पर नियुक्ति के लिए जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा 21 और 22 सितंबर 2024 को आयोजित की गई थी। परीक्षा में 3,04,769 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। आयोग ने इस परीक्षा के आधार पर 5 दिसंबर 2024 को 2,145 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया था। इसी बीच परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग को लेकर राजेश कुमार एवं अन्य ने झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने इस पर सुनवाई करते हुए 17 दिसंबर 2024 को परिणाम प्रकाशित करने पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इसके बाद अदालत में कई तारीखों पर सुनवाई हुई।

झारखंड शराब घोटाले...

झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी गजेंद्र सिंह, छत्तीसगढ़ के कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया और प्रिज्म होलोग्राफी कंपनी के निदेशक विधु गुप्ता सहित कई अन्य को गिरफ्तार किया। हालांकि, समय पर आरोप पत्र दाखिल न होने के कारण ये सभी आरोपी अदालत से जमानत प्राप्त कर चुके थे। इस मामले में अब तक कुल चार आईएएस अधिकारियों से पूछताछ भी हो चुकी है। राज्य सरकार की ओर से शराब दुकानों के संचालन और मानव संसाधन आपूर्ति का ठेका सात अलग-अलग प्लेसमेंट कंपनियों को दिया गया था। एसीबी की जांच में सामने आया है कि इन कंपनियों ने निविदा की शर्तों का घोर उल्लंघन किया और सरकार को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाया है। टेंडर प्रक्रिया के दौरान जमा कराई गई बैंक गारंटी फर्जी पाई गई। झारखंड स्टेट बेवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड की आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि फर्जीवाड़े के जरिए सरकार को 129.55 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अब इस मामले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय की एंट्री के साथ नए खुलासे होने की संभावना है।

हजारीबाग के बरही...

थाना प्रभारी विनोद कुमार, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्य में जुटकर घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सहायता की। पुलिस के अनुसार, पश्चिम बंगाल के कुल्टी क्षेत्र का रहने वाला एक परिवार बिहार में एक शादी समारोह में शामिल होने अपनी कार से जा रहा था। हादसा पंचमाधव नामक जगह पर उस समय हुआ जब ड्राइवर को झपकी आ गई और कार अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार पूरी क्षतिग्रस्त हो गई और उसपर सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से तीन लोगों ने अस्पताल ले जाने के पहले दम तोड़ दिया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडल अस्पताल भेजा गया है। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। वहीं, स्थानीय लोगों ने प्रशासन से गांगटाही पुल के पास स्पीड कंट्रोल के लिए उचित कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इधर, पुलिस मृतकों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया में जुटी हुई है और मामले की आगे की जांच जारी है। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल के अनुसार, हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है, जिनकी पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है और परिवार वालों को सूचित किया गया है।

झारखंड का राजभवन...

अधिसूचना में बताया गया है कि यह परिवर्तन भारत सरकार के गृह मंत्रालय और झारखंड के राज्यपाल की मंजूरी के बाद लागू किया गया है। नाम परिवर्तन के फैसले का उद्देश्य संस्थान को अधिक जनोन्मुख और लोकतांत्रिक पहचान देना बताया जा रहा है। इसके लागू होने के साथ ही विभिन्न सरकारी अभिलेखों, पत्राचार, बोर्डों और संकेतक पट्टों में भी जल्द इसका परिवर्तन किया जाएगा। अधिसूचना की प्रतियां भारत सरकार, राज्य के मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव, मुख्य सचिव समेत कई प्रमुख अधिकारियों और संस्थानों को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दी गई हैं।

मोबाइल फोन में...

सिक्योरिटी देने के इरादे से सभी स्मार्टफोन में 'संचार साथी' ऐप पहले से इंस्टॉल करना जरूरी कर दिया था। यह ऐप सुरक्षित है और पूरी तरह से साइबर दुनिया में बदमाश लोगों से नागरिकों की मदद करने के लिए है। बयान में आगे सरकार ने स्पष्ट कहा कि यह ऐप सभी नागरिकों की धोखाधड़ी करने वाले लोगों की शिकायत करने में मदद करता है, साथ ही यूजर्स को भी बचाता है। ऐप का यूजर्स को बचाने के अलावा कोई और काम नहीं है और वे जब चाहें ऐप को हटा सकते हैं। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए सिंधिया ने कहा था कि सरकार का उद्देश्य आम जनता की सुरक्षा करना है। जैसे-जैसे संचार की सुविधा आम लोगों तक पहुंची है। कुछ लोग इसका इस्तेमाल लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के लिए कर रहे हैं और इसे रोकने में 'संचार साथी' काफी मददगार साबित हुआ है। उन्होंने कहा था कि 'संचार साथी' ऐप के माध्यम से जन भागीदार के जरिए आज तक करीब 1.75 करोड़ फर्जी मोबाइल कनेक्शनों को रद्द किया गया है। इससे करीब 7.5 लाख चोरी मोबाइल फोन को उपभोक्ताओं के पास पहुंचाया है। साथ ही, 21 लाख मोबाइल कनेक्शनों को उपभोक्ताओं की रिपोर्टिंग के आधार पर काटा गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'संचार साथी' का इस्तेमाल पूरी तरह से उपभोक्ता पर निर्भर करता है। यूजर चाहे तो उसे अपने मोबाइल में पंजीकरण के माध्यम से एक्टिव कर सकता है, या जरूरत न होने पर उसे अपने मोबाइल से हटा (डिलीट) भी कर सकता है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

कम नहीं दुनिया बदलने वाला जादू एआई का खतरा

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी, बहुत बढ़ जाएगी अमीर-गरीब देशों की खाई

खाई इतनी गहरी हो जाएगी कि पिछली आधी सदी की प्रगति पर पानी फिर जाए

ब्यूरो

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को दुनिया बदलने वाला जादू कहा जा रहा है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की ताजा रिपोर्ट ने एक कड़वी सच्चाई उजागर की है। मंगलवार को जारी 'द नेक्स्ट ग्रेट डाइवर्जेंसः व्हाई एआई मे वाइडन इनइक्वालिटी बिट्वीन कंट्रीज' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर सही नीतियां न अपनाई गईं, तो एआई अमीर और गरीब देशों के बीच की खाई को इतना गहरा कर देगा कि पिछली आधी सदी की प्रगति पर पानी फिर जाए। यह औद्योगिक क्रांति के समय हुए 'महा-विभाजन' जैसा संकट पैदा कर सकता है, जब पश्चिमी देशों ने तकनीकी दौड़ में सबको पीछे छोड़ दिया था।

रिपोर्ट के अनुसार, एआई के फायदे मुख्य रूप से उन देशों तक सीमित रहेंगे जो पहले से ही मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे और कौशलों से लैस हैं। यूएनडीपी के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय ब्यूरो के मुख्य अर्थशास्त्री फिलिप शेलेकेन्स ने जेनेवा में कहा, "एआई एक नई असमानता की शुरुआत कर रहा है। पिछले 50 वर्षों में व्यापार, तकनीक और विकास ने गरीब देशों को अमीरों के करीब लाया था, लेकिन अब बिना समावेशी नीतियों के ये लाभ उलट सकते हैं।" रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि एआई न केवल नौकरियां छीन सकता है, बल्कि संसाधनों पर भी भारी बोझ डालेगा।

एशिया में दोहरा चेहरा: आगे चीन-जापान, सबसे पीछे अफगानिस्तान-म्यांमार-

एशिया-प्रशांत क्षेत्र, जहां दुनिया की 55 फीसदी आबादी रहती है, एआई का 'ग्राउंड जीरो' है। यहां चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देश एआई में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स 2025 और लिंकी रिपोर्ट के अनुसार, एशिया के शीर्ष देश क्रमवार इस प्रकार हैं:

रैंक	देश	प्रमुख इनोवेशन/उपयोग उदाहरण
1	चीन	चेहरे की पहचान, स्वायत्त ड्राइविंग; 58% अपनाना दर
2	जापान	रोबोटिक्स एकीकरण, 15,000+ एआई केयर रोबोट्स; सोसाइटी 5.0
3	दक्षिण कोरिया	5जी नेटवर्क, 390 रोबोट्स प्रति 10,000 वर्कर्स; $1.6B निवेश
4	सिंगापुर	स्मार्ट सिटी, 90% सेवाएं एआई-सक्षम; $743M सरकारी निवेश
5	भारत	डिजिटल पब्लिक इंफ्रा (आधार, यूपीआई); 57% अपनाना दर

उदाहरण के तौर पर, बैंकॉक का 'ट्रैफी फोंड्यू' प्लेटफॉर्म नागरिक शिकायतों को संभालकर शहर सेवाओं को बेहतर बना रहा है, जबकि सिंगापुर का 'मोमेंट्स ऑफ लाइफ' सर्विस नए माता-पिता के लिए कागजी कार्रवाई को 120 मिनट से घटाकर 15 मिनट कर देता है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि क्षेत्र के 25 फीसदी लोग, यानी करीब 10 करोड़ से ज्यादा, आज भी इंटरनेट से वंचित हैं। अफगानिस्तान, मालदीव और म्यांमार जैसे देशों में बुनियादी बिजली, इंटरनेट और कौशल की कमी से एआई का लाभ दूर की कौड़ी है।

वैश्विक स्तर पर, एआई नेतृत्व अमेरिका-चीन द्वंद्व पर टिका है। ऑक्सफोर्ड इनसाइट्स 2024 गवर्नमेंट एआई रीडनेस इंडेक्स और स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स 2025 के अनुसार, विश्व के शीर्ष देश इस प्रकार हैं:

रैंक	देश	प्रमुख इनोवेशन/उपयोग उदाहरण
1	संयुक्त राज्य अमेरिका	जेनरेटिव एआई, ओपनएआई; $470.9B निवेश
2	चीन	मशीन लर्निंग मॉडल्स, पेटेंट्स; $119.3B निवेश
3	सिंगापुर	राष्ट्रीय रणनीति, 64% अपनाना; $7.3B निवेश
4	यूनाइटेड किंगडम	जिम्मेदार एआई, डीपमाइंड; $28.2B निवेश
5	दक्षिण कोरिया	तकनीकी इंफ्रा, 51% अपनाना; $7.3B निवेश

अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के 2024 आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया के 2.6 अरब लोग इंटरनेट से कटे हुए हैं, जो एआई के दरवाजे पर ही नहीं पहुंच पाते। माइक्रोसॉफ्ट की 2025 एआई डिफ्यूजन रिपोर्ट कहती है कि ग्लोबल नॉर्थ में एआई अपनाने की दर ग्लोबल साउथ से दोगुनी है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोध से पता चलता है कि दुनिया के सिर्फ 32 देशों में ही एआई डेटा सेंटर्स हैं, जहां अमेरिका और चीन 86 फीसदी क्षमता पर क जा जमाए हुए हैं।

संघर्षशील लोग सबसे ज्यादा प्रभावित: डेटा में 'अदृश्य' हो जाएंगे

रिपोर्ट 'प्रोडक्टिविटी वर्सेस ह्यूमन लाइफ' पर जोर देते हुए कहती है कि कॉरपोरेट और सरकारें एआई से उत्पादकता बढ़ाने पर तुली हैं, लेकिन इसका मानवीय प्रभाव नजरअंदाज हो रहा है। युद्ध प्रभावित, शरणार्थी, जलवायु आपदा पीड़ित या बुजुर्ग जैसे समुदाय, जो बिजली-इंटरनेट के लिए जूझ रहे हैं, डेटा सेट्स में शामिल ही नहीं होंगे। नतीजा? नीतियां बनाने में उनकी अनदेखी होगी और विकास की दौड़ से वे बाहर हो जाएंगे। वर्ल्ड बैंक की 2025 डिजिटल प्रोग्रेस रिपोर्ट के अनुसार, मध्यम आय वाले देशों में एआई अपनाना बढ़ रहा है, लेकिन निम्न आय वाले देशों में यह शुरुआती चरण में है। यूएनसीटीएडी की रिपोर्ट अनुमान लगाती है कि 2033 तक एआई बाजार 4.8 ट्रिलियन डॉलर का हो जाएगा, लेकिन वैश्विक नौकरियों का 40 फीसदी हिस्सा प्रभावित हो सकता है। महिलाएं और युवा सबसे ज्यादा जोखिम में हैं, जहां जेंडर भेदभाव पहले से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था को 12 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान पहुंचा रहा है।

संसाधनों पर दबाव: बिजली-पानी की भूख और साइबर खतरे : एआई सिर्फ डिजिटल विभाजन नहीं बढ़ा रहा, बल्कि पर्यावरण पर भी बोझ डाल रहा है। डेटा सेंटर्स की वजह से बिजली और पानी की खपत आसमान छू रही है। रिपोर्ट चेताती है कि बिजली मांग पूरी करने के लिए जीवाश्म ईंधन बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य चूक सकते हैं। इसके अलावा, डीप फेक, फेक न्यूज और साइबर हमलों में एआई का दुरुपयोग वैश्विक सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। शेलेकेन्स ने कहा, "असमानता बढ़ने से सुरक्षा और प्रवास जैसे मुद्दे और जटिल हो जाएंगे। अमीर देश भी इससे अछूते नहीं रहेंगे।

समाधान: एआई को 'जन सुलभ' बनाएं, जैसे बिजली-सड़कें : यूएनडीपी का कहना है कि एआई को अब बिजली, सड़क या स्कूलों जैसी बुनियादी जरूरत मानना होगा। सरकारों को डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा-कौशल प्रशिक्षण, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और सामाजिक सुरक्षा में निवेश बढ़ाना चाहिए। रिपोर्ट भारत को एक मिसाल बताती है, जहां डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे आधार, यूपीआई) और बढ़ती एआई रिसर्च से समावेशी संक्रमण संभव है। डॉ. एंजेला लुसिगी, यूएनडीपी इंडिया की रेसिडेंट रिप्रेजेंटेटिव ने कहा, "भारत का डिजिटल ताकत एआई को सबके लिए काम करने वाला बना सकता है-सार्वजनिक स्वास्थ्य से लेकर जलवायु लचीलापन तक।" यह रिपोर्ट एक चेतावनी ही नहीं, बल्कि रोडमैप भी है। यति दुनिया एकजुट होकर कदम उठाए, तो एआई असमानता का कारण नहीं, बल्कि पुल बन सकता है। वरना, 'नेक्स्ट ग्रेट डाइवर्जेंस' इतिहास दोहरा देगा।

बलूचिस्तान में कई इलाकों में पाकिस्तानी सेना पर हमला बीएलए ने किया ये बड़ा दावा

क्वेटा (आईएएनएस)। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना को बहुत नुकसान उठाना पड़ रहा है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने मस्तुंग, तुर्बत, कोहलू और चामलांग समेत कई इलाकों में पाकिस्तानी सेना पर हमले करने का दावा किया है। बीएलए ने दावा किया है कि बलूचिस्तान में उसने 'शोषण करने वाली कंपनियों' के सुरक्षाकर्मियों को पकड़कर उनके हथियार जब्त कर लिए। बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि लड़ाकों ने 1 दिसंबर को मस्तुंग के दश्त इलाके में जालो गंडन में रेलवे ट्रैक साफ करने के दौरान पाकिस्तानी सेना के जवानों पर हमला किया।

यूरोप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों से मिलेंगे जेलेंस्की के सहयोगी

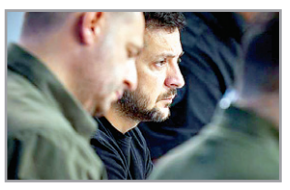

नई दिल्ली (आईएएनएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के प्रमुख सहयोगी रुस्तम उमेरोव बुधवार को ब्रुसेल्स में यूरोपीय नेताओं के नेशनल सिक्योरिटी सलाहकारों से मिलेंगे। यह बैठक यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के तहत हो रही है। जेलेंस्की ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह बैठक "वास्तविक शांति" की दिशा में बढ़ाया गया रचनात्मक कदम होगा।

पाकिस्तान में सीडीएफ संकट

क्या भारत का पड़ोसी मुल्क बिखरने की कगार पर!

नई दिल्ली (आईएएनएस)। पाकिस्तान में चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएएफ) को लेकर मचा तूफान अब सिर्फ सत्ता संघर्ष नहीं रहा, बल्कि यह दक्षिण एशिया की सुरक्षा व्यवस्था को हिलाने वाला संकट बन चुका है। 27वें संविधान संशोधन के बाद आसिम मुनीर को तीनों सेनाओं का सर्वोच्च कमांडर बनाने की प्रक्रिया जिस तरह ठहरी हुई है, उसने पाकिस्तान को एक बार फिर उस मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां सैन्य, राजनीतिक और न्यायिक ढांचे एक-दूसरे पर अविश्वास की लड़ाई में उलझ चुके हैं।

दिल्ली में AQI 300-500: स्वास्थ्य आपातकाल घोषित स्तर की जहरीली हवा

PM2.5 सांद्रता (माइक्रोग्राम/घन मीटर) होना चाहिए 5 , है 512

- PM2.5 इस समय WHO की 24-घंटे सीमा से 80-100 गुना अधिक है, ये सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच कर खून में घुल जाते हैं और पूरे शरीर में फैलते हैं
- जो ना तो कपालभाति से या जाप से या पूजा पाठ से निकलते हैं, तमाम गंभीर बीमारी पैदा कर मौत की तरफ ले जाते हैं

आरपी सिंह/नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता पिछले कई दिनों से गंभीर से खतरनाक (Severe to Hazardous) श्रेणी में बनी हुई है। 1 दिसंबर 2025 तक CPCB के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिल्ली का औसत AQI 420-480 के बीच रहा, जबकि कई इलाकों जैसे आनंद विहार, जहांगीरपुरी, पंजाबी बाग, रोहिणी में यह 500+ तक पहुंच गया। यह स्तर 2013 के बीजिंग स्मॉग संकट से कम नहीं है।

AQI स्तर और स्वास्थ्य प्रभाव (CPCB/IITM मानक)

AQI स्तर	श्रेणी	स्वास्थ्य प्रभाव	दिल्ली में वर्तमान स्थिति
0-50	अच्छा	कोई खतरा नहीं	शून्य इलाके
51-100	संतोषजनक	मामूली असुविधा	कोई नहीं
101-200	मध्यम	सांस की तकलीफ संवेदनशील लोगों में	बहुत कम
201-300	खराब	सभी के लिए असुविधा	कुछ इलाके
301-400	बहुत खराब	लंबे संपर्क से श्वसन रोग	अधिकांश दिल्ली
401-500	गंभीर	स्वस्थ लोगों में भी गंभीर प्रभाव, आपातकाल स्तर	पूरे दिल्ली में व्यापक
500+	खतरनाक	जीवन के लिए गंभीर खतरा	कई स्टेशन

PM2.5 सांद्रता (माइक्रोग्राम/घन मीटर)-30 नवंबर से 1 दिसंबर 2025

स्थान	30 नवंबर	1 दिसंबर (सुबह 10 बजे)	WHO सुरक्षित सीमा
आनंद विहार	487	512	15 (वार्षिक)
जहांगीरपुरी	465	498	5 (24 घंटे)
RK पुरम	412	445	
दिल्ली औसत	398	432	

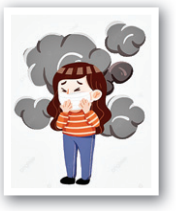

PM2.5 इस समय WHO की 24-घंटे सीमा से 80-100 गुना अधिक है। ये सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुँचकर रक्त में घुल जाते हैं और पूरे शरीर में फैलते हैं।

वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक प्रभाव (वैज्ञानिक अध्ययन)

- **फेफड़े:** COPD, अस्थमा, फेफड़ों का कैंसर (Lancet 2022 अध्ययन: दिल्ली में 1.8 लाख मौतें सालाना)
- **हृदय:** हार्ट अटैक का खतरा 20-25% बढ़ जाता है (Harvard 2023)
- **मस्तिष्क:** स्ट्रोक, डिमेंशिया, बच्चों में IQ में 5-10 अंकों की कमी (UNICEF 2024)
- **प्रजनन क्षमता:** पुरुषों में स्पर्म काउंट 30-40% तक कम, महिलाओं में मिसकैरेज का खतरा बढ़ा (Fertility & Sterility जर्नल)
- **प्रतिरक्षा तंत्र:** बार-बार संक्रमण, ऑटोइम्यून बीमारियां बढ़ती हैं

तत्काल बचाव के 10 सिद्ध उपाय

1. **N95/N99 मास्क अनिवार्य –** साधारण कपड़े का मास्क बेकार। बच्चों-बुजुर्गों के लिए जरूरी।
2. **बाहर व्यायाम पूरी तरह बंद –** तेज सांस लेने से जहरीली हवा ज्यादा अंदर जाती है।
3. **घर में HEPA एयर प्यूरीफायर –** CADR 300+ वाला चुनें, 24×7 चलाएं।
4. **खिड़कियां दोपहर 12 से 3 बजे तक ही खोलें –** इस समय प्रदूषण सबसे कम होता है।
5. **एंटीऑक्सीडेंट डाइट –** आंवला, संतरा, हल्दी, अदरक, चुकंदर, अखरोट, ब्रोकोली रोज लें।
6. **गर्म पानी + हर्बल काढ़ा –** तुलसी-अदरक-काली मिर्च-शहद वाला काढ़ा दिन में 2 बार।
7. **भाप लें –** गर्म पानी में विक्स/नीलगिरी तेल डालकर दिन में 1-2 बार।
8. **धूम्रपान/शराब पूरी तरह बंद –** फेफड़े पहले से कमजोर हैं, यह घातक संयोजन है।
9. **घर में गीला पोछा रोज –** धूल न उड़े।
10. **इनडोर पौधे –** स्नेक प्लांट, एरिका पाम, मनी प्लांट, पीस लिली लगाएं।

दिल्ली सरकार ने GRAP-4 लागू कर रखा है – कुछ जगह निर्माण कार्य बंद, ट्रक एंट्री बंद, स्कूल बंद, लेकिन अभी भी सुधार दूर है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले 72 घंटे तक AQI 400+ ही रहेगा।

अच्छे दिन व राम भरोसे भी लड़े तो भी जहरीली हवा से लड़ाई लंबी है, इन हालात में सही सावधानी से हम अपने फेफड़ों, दिल व दिमाग को कुछ बचाने की कोशिश कर सकते हैं।

अहान पांडे और अनीत पड्डा ने किया कमाल

...आईएमडीबी 2025 के सबसे पॉपुलर इंडियन स्टार्स की लिस्ट में सुपरस्टार्स को पछाड़ा

आईएमडीबी ने अपनी इस साल की सबसे पॉपुलर इंडियन स्टार्स की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में शाहरुख, आमिर, दीपिका और रणबीर जैसे बड़े नाम पीछे छूट गए हैं। बड़े और नामी स्टार्स को पीछे छोड़कर इस बार दो बिल्कुल नए चेहरों अहान पांडे और अनीत पड्डा ने बाजी मारी है। यह सब कमाल मोहित सूरी की सुपरहिट फिल्म 'सैयारा' का है। इस रोमांटिक-एक्शन फिल्म ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी और ₹580 करोड़ से ज्यादा की कमाई करके कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। इसी फिल्म की बदौलत आईएमडीबी की लिस्ट में अहान नंबर 1 और अनीत नंबर 2 की पोजीशन पर आ गए हैं और रातों-रात इंटरनेट के नए डार्लिंग बन गए। टॉप 10 की लिस्ट में और भी कुछ सरप्राइज हैं। लिस्ट में तीसरे नंबर पर सुपरस्टार आमिर खान हैं, जिन्होंने इस साल 'सितारे जमीन पर' से वापसी की। नए चेहरों में लक्ष्य (द बैड्स ऑफ बॉलीवुड) और मलयालम सनसनी कल्याणी प्रियदर्शन (लोका चैप्टर वन) ने भी अपनी जगह बनाई है।

नंबर 1 का ताज पहनने के बाद अहान पांडे ने कहा, 'यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी बात है। अपनी पहली फिल्म के साथ आईएमडीबी की टॉप लिस्ट में आना सपने के सच होने जैसा है। अब मुझे अपने काम की जिम्मेदारी और भी ज्यादा महसूस हो रही है। अनीत पड्डा ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'आईएमडीबी पर इतनी बड़ी पहचान मिलना अब भी थोड़ा अजीब लग रहा है। 'सैयारा' ने मेरी लाइफ को बदल दिया है। दुनिया भर के लोगों का मेरे काम से जुड़ना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। ये दोनों यंग स्टार्स अब बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए तैयार हैं। अहान पांडे जल्द ही अली अब्बास जफर की एक एक्शन फिल्म में दिखेंगे, जबकि अनीत हॉरर कॉमेडी 'शक्ति शालिनी' के लिए मैडॉक के साथ काम करती दिखेंगीं।

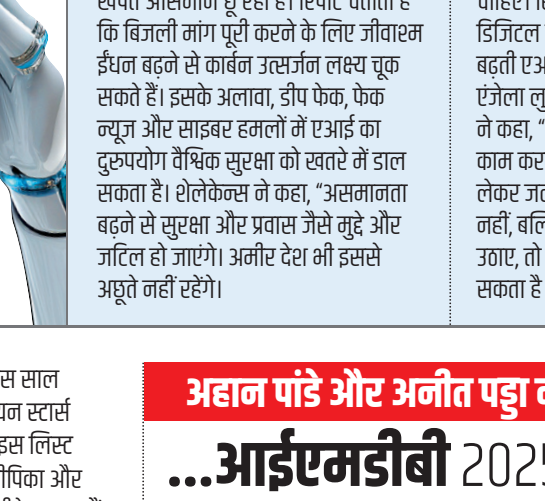

फिल्म कहानी जगत की

राजस्थान के एनआरआई सरकार की लालफीताशाही व भ्रष्टाचार से परेशान

ब्यूरो

- **राजस्थान की मिट्टी बुलाती है, लेकिन भ्रष्टाचार रोकता है**
- **भैरो सिंह शेखावत का दौर: बुलावा व निवेश का स्वर्णिम अध्याय**

नई दिल्ली। वर्ष 1990 के दशक में जब भैरो सिंह शेखावत राजस्थान के मुख्यमंत्री थे, तो एनआरआई के लिए दरवाजे खुले थे। शेखावत ने व्यक्तिगत न्योते भेजे—जैसे 1996 में अमेरिकी एनआरआई डॉ. राज खरे को। खरे ने जयपुर में भारत का पहला प्राइवेट वेटरनरी कॉलेज (अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड मेडिसिन) खोला, जिसका ट्रस्ट आज 2,000 करोड़ रुपये का है। शेखावत का विजन साफ था: "एनआरआई राजस्थान की ताकत हैं।" उस दौर में निवेश आसान था—सिंगल-विंडो सिस्टम का बीज बोया गया, और बिना रिश्वत के प्रोजेक्ट अप्रूवल मिलते थे। DPIIT के पुराने आंकड़ों से पता चलता है कि 1990-2000 के बीच राजस्थान में एनआरआई-आधारित FDI 15% सालाना बढ़ा, मुख्य रूप से पर्यटन और शिक्षा में। एनआरआई ने साबित किया: अगर इच्छाशक्ति हो, तो निवेश बहता है। आज भी भंडारी जैसे एनआरआई उसी जज्बे से लौटना चाहते हैं—सोलर प्रोजेक्ट्स में 5,000 करोड़ रुपये लाने को तैयार हैं, जहां राज्य का पोटेंशियल 142 गीगावाट है (इन्वेस्ट इंडिया, 2024)। लेकिन मोदी सरकार का 'जीरो टॉलरेंस टू करप्शन' सिर्फ नारा साबित हुआ। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 2023 CPI रिपोर्ट में भारत 93वें स्थान पर है (स्कोर 39/100), और राजस्थान में लोकल भ्रष्टाचार और गहरा। KPMG 2023 रिपोर्ट कहती है: जटिल रेगुलेशंस और अपारदर्शी ब्यूरोक्रेसी से प्रोजेक्ट देरी होती है। अक्टूबर 2019 से दिसंबर 2024 तक राजस्थान का कुल FDI सिर्फ 20,440 करोड़ रुपये (DPIIT), जिसमें एनआरआई हिस्सा 10-15% (2,000-3,000 करोड़ सालाना)। PHDCCI 2024 रिपोर्ट: राज्य का GSDP 15.28 लाख करोड़ रुपये पहुंचा (50% ग्रोथ), लेकिन एनआरआई योगदान नाममात्र—रियल एस्टेट में सिर्फ 5% जबकि पोटेंशियल 20% (NoBroker 2024 फोरकास्ट)। उदाहरण साफ: जल जीवन मिशन (JJM) में भ्रष्टाचार। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने 9 अक्टूबर 2025 को आरोप लगाया—भाजपा सरकार ने 2024-25 में 25 लाख कनेक्शन का वादा किया, लेकिन सिर्फ 9.44 लाख बने। कांग्रेस शासन में 2022-23 में 13.88 लाख और 2023-24 में 12.17 लाख। 2025-26 का लक्ष्य 20 लाख, लेकिन छह महीने में महज 97,000। रिपब्लिक वर्ल्ड (नवंबर 2025): राजस्थान समेत 20 राज्यों में 607 अनियमितताएं, 621 अधिकारी और 969 ठेकेदार शामिल। ये 1.30 लाख करोड़ का प्रोजेक्ट लटका रहा, जो एनआरआई निवेश को भी प्रभावित करता है। NRI Legal Services 2025 रिपोर्ट: 40% एनआरआई प्रॉपर्टी खरीदों में 1-2 साल देरी, RERA शिकायत सेटलमेंट 18 महीने लेता। 70% एनआरआई (NRI Helpline 2024 सर्वे) कहते: "चापलूसी बिना अप्रूवल नहीं।" CUTS CART 2024: 17 जिलों में 10 सेक्टर्स में सालाना 26,768 करोड़ रिश्वत। डॉ. खरे का केस परेशान करता है: ACB में 35 करोड़ हेराफेरी की FIR लटकी—राजनीतिक दबाव से जांच अधिकारी ट्रांसफर। इंडिया टुडे (सितंबर 2024): खरे ने पीएम को पत्र लिखा, "ये एनआरआई को शिक्षा निवेश से दूर भगाता।" BJP MLA डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने भी अक्टूबर 2024 में अपनी सरकार पर सवाल उठाए—मेडिकल काउंसिल में फर्जी डॉक्टर रजिस्ट्रेशन घोटाला। प्रेम भंडारी ने कहा: "RANA बोर्ड तय करेगा, लेकिन बहिष्कार होगा अगर सुधार न हो।" ये मीटिंग, जहां डिप्टी सीएम दीया कुमारी जैसे नेता आते हैं, एनआरआई के लिए मंच है—लेकिन अब अपमान का प्रतीक। भंडारी ने जयपुर फुट को 70-75 करोड़ दिए, झुग्गी सफाई और जॉब मेला चलाए, लेकिन सम्मान? राइजिंग राजस्थान सम्मेलन में नजरअंदाज। RBI डेटा: 2023-24 में एनआरआई जमा 146.9 बिलियन डॉलर (12.3 लाख करोड़ रुपये), लेकिन राजस्थान में सोलर में सिर्फ 500 करोड़। इकोनॉमिक रिव्यू 2024-25: GSDP 17.04 लाख करोड़ (12% ग्रोथ), लेकिन भ्रष्टाचार न रुका तो नुकसान अपूरणीय।

भाग-2